खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 20 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-290

भारत का फरार आतंकी कनाडा में बना हैं पुलिस अफसर

शौर्य चक्र विजेता का हत्यारा त्रूदो का हैं खास

जस्टिन त्रूदो / संदीप सिंह सिद्धू

- भारत आतंकियों का प्रत्यर्पण मांग रहा
- त्रूदो दे रहा है आतंकवादियों को संरक्षण
- त्रूदो दबाए बैठा है प्रत्यर्पण की 26 फाइलें
- आपसी रंजिश में मरा था निज्जर: थॉमस

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। अजीबोगरीब लेकिन प्रामाणिक तथ्य है कि भारत का फरार आतंकवादी कनाडा में पुलिस अफसर बना हुआ है। कनाडा का अहमक प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो अपनी कुर्सी बचाने के लिए खालिस्तानी आतंकियों के समर्थन में बेहूदा बयानबाजी कर रहा है और भारत में शौर्य चक्र विजेता की हत्या कर भागने वाले आतंकवादी को कनाडा में पुलिस अफसर बनाए बैठा है। भारत उस फरार हत्यारे के प्रत्यर्पण की लगातार मांग कर रहा है, लेकिन जस्टिन त्रूदो आतंकवादी को संरक्षण दे रहा है।

भारत और कनाडा के बीच चल रहा विवाद चरम पर है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो की ऊलजु-लूल हरकतों के कारण भारत ने कनाडा से राजनयिक सम्बन्ध खत्म कर दिया है और अपने राजनयिकों को कनाडा से वापस बुला लिया है। भारत ने कनाडा के राजनयिकों को भारत से रवाना कर दिया है। भारत सरकार ने कनाडा बॉर्डर सर्विस एजेंसी (सीबीएसए) में अफसर बने संदीप सिंह सिद्धू को आतंकवादी घोषित किया है। भारत सरकार ने संदीप को भगोड़ा घोषित करते हुए उसका पूरा ब्यौरा कनाडा सरकार को भेजा है और उसके प्रत्यर्पण की मांग की है।

भारत ने बताया है कि संदीप सिंह सिद्धू प्रतिबंधित इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन का सदस्य है और उस पर पंजाब में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने का आरोप है। ▶10पर

कनाडा की पूर्व एनएसए ने खोल दी त्रूदो की पोल

ओटावा, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की मौत के बारे में कनाडा की पूर्व एनएसए जोडी थॉमस ने जस्टिन त्रूदो की पोल खोल दी है। जोडी थॉमस ने कहा है कि निज्जर की हत्या के बाद हुई जांच की समीक्षा के दौरान ही प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो ने कहा था कि निज्जर की हत्या में भारत के शामिल होने के सबूत नहीं हैं। कनाडा पुलिस निज्जर की हत्या को आपसी रंजिश में की गई हत्या का मामला ही मान कर चल रही थी। निज्जर की हत्या रिपुदमन सिंह मलिक की हत्या के प्रतिशोध में की गई थी। मलिक 1985 में एयर इंडिया विमान में धमाका करने का आरोपी था।जोडी थॉमस ने यह खुलासा कनाडा में विदेशी दखल की जांच करने वाली कमेटी के सामने किए हैं। इसी कमेटी के सामने प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो ने निज्जर की हत्या में भारत के शामिल होने के पक्के सबूत न होने की बात कबूली थी। जोडी थॉमस ने इस कमिटी के सामने निज्जर की हत्या के मामले में जांच की जानकारी दी। जोडी थॉमस निज्जर की हत्या के समय कनाडा की एनएसए थीं। उन्होंने इस कमेटी को बताया, निज्जर की हत्या जून 2023 में हुई थी। ▶10पर

खुफिया एजेंसियों ने केंद्र और राज्य सरकारों को किया अलर्ट

विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां जेहादी साजिश

- सिर्फ शनिवार को 30 फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली
- 7 दिन में 80 विमानों को बम से उड़ाने की दी गई धमकियां
- धमकियों से एयरलाइन कंपनियों को हो रहा है भारी नुकसान
- लव जेहाद, भूमि जेहाद, थूक जेहाद के बाद रेल-विमान जेहाद

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की रेल और हवाई परिवहन व्यवस्था को ध्वस्त करने के लिए पिछले कुछ दिनों से सुनियोजित षडयंत्र चलाया जा रहा है। खुफिया एजेंसियों ने गृह मंत्रालय के साथ-साथ सभी राज्य सरकारों को अलर्ट किया है। भारत सरकार को अस्थिर करने के लिए रेल जेहाद शुरू किया गया। इसके साथ ही अब विमान जेहाद शुरू कर दिया गया है। भारत में लव जेहाद, भूमि जेहाद, थूक जेहाद, रेल जेहाद और अब विमान जेहाद इन सबकी कड़ियां एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं। पिछले लंबे अर्से से रेल गाड़ियों में तोड़फोड़ की कोशिशें लगातार हो रही हैं। कई बड़ी रेल दुर्घटनाएं हुईं। कई जगह पर ऐन मौके पर तोड़फोड़ की साजिशें पकड़ ली गईं। अब बड़े ही सुनियोजित तरीके से विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां दी जा रही हैं, ताकि रेल के बाद विमान यात्रा से भी लोगों में डर पैदा हो। भारत को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने और आम नागरिकों में दहशत फैलाने के लिए यह करतूतें की जा रही हैं और इसे जेहाद का गंदा नाम दिया जा रहा है। देशभर में विमानों में मिल रही बम की धमकियों में लगातार इजाफा हो रहा है। सिर्फ शनिवार के दिन ही 30 से ज्यादा विमानों में बम होने की सूचना मिली है। इनमें देश की तमाम एयरलाइन कंपनियों के विमानों को धमकियां मिलीं है। ▶10पर

अगंभीर उड्डयन मंत्री बोले, यह मसखरों का काम है

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। विमानों को बम से उड़ाने की धमकियों से फैले दहशत के माहौल में देश के नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू का अत्यंत हल्का-फुल्का बयान आम लोगों में सरकार के प्रति और अधिक वितृष्णा बढ़ा रहा है। मंत्री ने विमानों को बम से उड़ाने की धमकियों को मसखरों और नाबालिगों द्वारा किए जाने वाला कृत्य बता कर पल्ला झाड़ लिया। नायडू ने कहा, ये छोटी-मोटी घटनाएं हैं, हम एयरलाइंस और सुरक्षा एजेंसियों से बात कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन का सम्मेलन

सर्वोच्च न्यायालय विपक्ष की भूमिका में न उतरे : चंद्रचूड़

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का काम और दायित्व आम जनता तक न्याय की पहुंच को सुनिश्चित करना है, लेकिन इस प्रक्रिया में यह स्पष्ट वर्जना रहनी चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट को विपक्ष की भूमिका में नहीं उतरना है। चंद्रचूड़ ने कहा, सर्वोच्च न्यायालय को जनता के न्यायालय के रूप में सुरक्षित रखा जाना चाहिए। चंद्रचूड़ ने कहा, विशेष रूप से आज के बदले हुए समय में हर किसी के बीच बड़ा विभाजन है। आज परिणामों के आधार पर आपको परखा जाता है। जब आप लोगों के पक्ष में निर्णय लेते हैं तो सर्वोच्च न्यायालय को अद्भुत संस्था बताया जाता है। जब आप उनके

उच्चतम न्यायालय को जनता का न्यायालय रहना चाहिए

खिलाफ निर्णय लेते हैं तो संस्था को अपमानित किया जाता है।

दक्षिण गोवा में पहले सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए) के सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को लोगों की अदालत की अपनी भूमिका को भविष्य के लिए संरक्षित रखना चाहिए, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि इसे संसद में विपक्ष की भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि कानूनी सिद्धांत की असंगतता या ▶10पर

उमर अब्दुल्ला कैबिनेट के प्रस्ताव पर उपराज्यपाल ने भी लगाई मुहर

जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने की उम्मीद

श्रीनगर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। उमर अब्दुल्ला कैबिनेट के प्रस्ताव पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी मुहर लगा दी है। वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाने के बाद इसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया था लेकिन केंद्र सरकार ने वादा किया था कि चुनाव के बाद उसे पूर्ण राज्य का दर्जा दे दिया जाएगा।केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के बाद बनी सीएम उमर अब्दुल्ला की सरकार का पूरा जोर इस बात पर ही है कि प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा मिले। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला कैबिनेट की पहली बैठक में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस देने का प्रस्ताव पास किया गया था। उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है, जिसके बाद पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने की ▶10पर

महाराष्ट्र में 260 सीटों पर महायुति की सहमति

झारखंड में 70 सीटों पर लड़ेगी झामुमो और कांग्रेस

मुंबई/रांची, 19 अक्टूबर (एजेंसियां) । महाराष्ट्र में महायुति में 260 सीटों पर सहमति बन गई है। 260 सीटों में से 142 सीटों पर अकेले भाजपा चुनाव लड़ने जा रही है, वहीं शिंदे गुट को 66 सीटें दी जा सकती हैं। अजित पवार के लिए 52 सीटें छोड़ने की तैयारी है। अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन माना जा रहा है कि इसी रूपरेखा पर आगे बढ़ा जा रहा है। गृह मंत्री अमित शाह ने भी आज इस सिलसिले में अहम बैठक की। उनकी तरफ से सीट शेयरिंग को लेकर मंथन हुआ। माना जा रहा है कि उसके बाद ही सीटों को लेकर कोई ऐलान भी किया जा सकता है। इस समय कुछ सीटों पर पेच फंसा हुआ है जिन पर सहमति नहीं बन पाई है, खबर यह भी है कि अजित गुट और ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहता है। ऐसे में सभी विवाद खत्म करने के बाद ही कोई ऐलान ▶10पर

झारखंड सरकार को चुनाव आयोग का सख्त निर्देश

डीजीपी अनुराग गुप्ता को तत्काल प्रभाव से हटाएं

रांची, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग (ईसी) ने झारखंड सरकार को आदेश दिया है कि वह अनुराग गुप्ता को तत्काल प्रभाव से कार्यकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के पद से हटा दे। ईसी ने यह भी निर्देश दिया है कि अनुराग गुप्ता की जगह उस विभाग में उपलब्ध सबसे वरिष्ठ डीजीपी स्तर के अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी जाए। चुनाव आयोग (ईसी) ने झारखंड सरकार को आदेश दिया है कि वह अनुराग गुप्ता को तत्काल प्रभाव से कार्यकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के पद से हटा दे। सूत्रों के मुताबिक, ईसी ने यह भी निर्देश दिया है कि अनुराग गुप्ता की जगह उस विभाग में उपलब्ध सबसे वरिष्ठ डीजीपी स्तर के अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी जाए। गुप्ता के खिलाफ शिकायतों के आधार पर यह कदम उठाया गया है। उनके खिलाफ पिछले चुनाव में ▶10पर

राष्ट्रीय महिला आयोग की नई अध्यक्ष होंगी विजया रहाटकर

अर्चना मजूमदार आयोग की सदस्य होंगी

विजया रहाटकर / अर्चना मजूमदार

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। विजया रहाटकर राष्ट्रीय महिला आयोग की नई अध्यक्ष नियुक्त की गई हैं। रहाटकर इससे पहले 2016 से 2021 तक महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रह चुकी हैं। सामाजिक कार्यों में उनकी भूमिका को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, अर्चना मजूमदार को राष्ट्रीय महिला आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय महिला आयोग का मकसद महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना, उनके खिलाफ हो रहे भेदभाव और हिंसा को समाप्त करना और उन्हें सभी क्षेत्रों में समान अवसर प्रदान करना है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और राजस्थान की सात सीटों पर उपचुनाव से पहले उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। विजया महाराष्ट्र के संभाजीनगर से आती हैं और राज्य में अगले महीने विधानसभा चुनाव हैं। इससे पहले, ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 23°

आतंकी संगठन पीएफआई के खिलाफ ईडी की बड़ी कार्रवाई

करोड़ों की 35 सम्पत्तियां जब्त, बैंक खाते भी होंगे सील

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उसकी 35 अचल सम्पत्तियां जब्त कर ली हैं। इन सम्पत्तियों की कुल कीमत 56.56 करोड़ रुपए आंकी गई है। ये सम्पत्तियां पीएफआई के विभिन्न ट्रस्ट, फर्मों और व्यक्तियों के नाम पर थीं। ईडी ने बताया कि पीएफआई और उसके सदस्यों द्वारा देश और विदेशों से अवैध तरीके से धन जुटाकर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने और उन्हें वित्तपोषित करने का षड्यंत्र रचा गया था। पीएफआई के विभिन्न बैंक खातों की भी खुफिया पड़ताल की जा रही है। इन बैंक खातों में बेशुमार धन पड़ा है, जिसके ट्रांजैक्शन-ट्रेल की पुष्टि करने के बाद ये खाते सील कर दिए जाएंगे।

ईडी के अनुसार, जब्त की गई सम्पत्तियों में 35.43 करोड़ रुपए की 19 अचल सम्पत्तियां और 21.13 करोड़ रुपए की 16 अचल सम्पत्तियां शामिल हैं। ये सम्पत्तियां केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम,

सिंगापुर और खाड़ी देशों में पीएफआई के 13000 सक्रिय सदस्य

हवाला से आए विदेशी धन का आतंकी गतिविधियों में उपयोग

जम्मू-कश्मीर और मणिपुर जैसे राज्यों में स्थित हैं। ईडी का दावा है कि इन सम्पत्तियों का इस्तेमाल संगठन के विभिन्न अवैध गतिविधियों के लिए किया जाता था। ईडी ने यह भी बताया कि पीएफआई के अधिकारी और सदस्य अवैध रूप से भारत और विदेशों से धन जुटाने में शामिल थे। इस धन का उपयोग आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने और उन्हें वित्तपोषित करने के लिए किया गया था। धन संग्रह का कार्य भारत के अलावा खाड़ी देशों से भी किया गया, जहां कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई में पीएफआई के लगभग 13,000 सक्रिय सदस्य थे। ईडी के अनुसार, इन सदस्यों के माध्यम से नकली दानकर्ताओं से धन एकत्र किया गया, जिसे हवाला, बैंकिंग चैनलों और नकद लेन-देन के जरिए भारत पहुंचाया गया।

पीएफआई ने सिंगापुर और खाड़ी देशों में मजबूत नेटवर्क स्थापित किया था, जहां से उसने बड़ी मात्रा में धन जुटाया। इन देशों में काम करने वाले प्रवासी मुस्लिम नागरिकों के लिए जिला कार्यकारी समितियों का गठन किया गया था, जो धन संग्रहण का कार्य करती थीं। इस नेटवर्क के माध्यम से पीएफआई ने 94 करोड़ रुपए जुटाए, जिसे ईडी ने अपराध की आय के रूप में परिभाषित किया है। ▶10पर

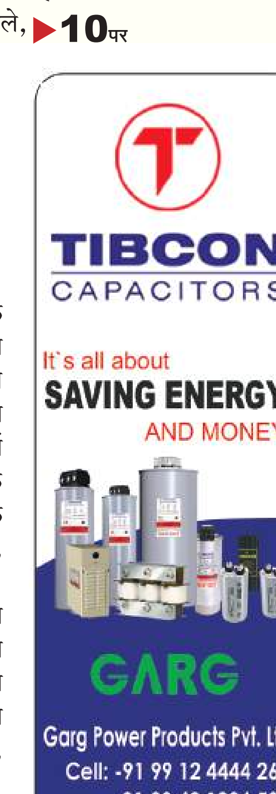

बांग्लादेश में ब्राह्मणबारिया पल्ली विद्युत समिति के एजीएम को सेना ने किया गिरफ्तार

ढाका, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की सेना ने ब्राह्मणबारिया पल्ली विद्युत समिति के सहायक महाप्रबंधक (एजीएम) एसके सकील अहमद को गिरफ्तार किया है। उन्हें नौकरी से बर्खास्त करने के कुछ घंटों बाद बिजलीघर को अस्थिर करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

31 वर्षीय अहमद को ब्राह्मणबारिया सदर उपजिला के घाटुरा इलाके से गिरफ्तार कर पुलिस को सौंप दिया गया। खबर के अनुसार, ब्राह्मणबरिया सदर पुलिस स्टेशन के प्रभारी मुजफ्फर हुसैन ने अहमद की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि अहमद को ढाका के खिलखेत पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले में गिरफ्तार किया गया है। इसकी सूचना खिलखेत पुलिस स्टेशन को भेज दी गई है। ग्रामीण विद्युतीकरण बोर्ड के अनुसार, अहमद 31 अक्टूबर, 2021 को बोर्ड का हिस्सा बने। उन्हें 7 नवंबर को भोला पल्ली विद्युत समिति कार्यालय में तैनात किया गया। 15 जुलाई, 2023 को उन्हें ब्राह्मणबारिया पल्ली विद्युत समिति में स्थानांतरित कर दिया गया।

इस संबंध में मेहजबीन रहमान ने कहा कि उनके पति को 80 पल्ली विद्युत संघों की तरफ से बोर्ड अध्यक्ष को एक ज्ञापन ई-मेल से भेजने पर 29 अप्रैल को निलंबित कर दिया गया। इस निलंबन आदेश को 14 जुलाई को रद्द कर दिया गया। मगर गुरुवार रात को उन्हें बर्खास्त कर सैनिक उन्हें सुबह गिरफ्तार कर ले गए। उन्होंने अंतरिम सरकार से सवाल किया कि क्या यही न्याय है

उल्लेखनीय है कि बोर्ड के कानूनी विंग के निदेशक अरशद हुसैन ने चार अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए गुरुवार रात खिलखेत पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया था। इसमें कहा गया है कि यह सभी अंतरिम सरकार की छवि खराब करने और उसे शर्मनाक स्थिति में डालने की कोशिश कर रहे हैं। यह देशद्रोह के समान है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के पूर्व गृहमंत्री लामिछाने को रविवार को कोर्ट में किया जाएगा पेश

काठमांडू। सहकारी घोटाला मामले में शुक्रवार शाम को काठमांडू से गिरफ्तार किए गए नेपाल के पूर्व गृहमंत्री रवि लामिछाने को सुरक्षा कारणों से रातोंरात सड़क मार्ग से पोखरा ले जाया गया। पोखरा थाने की पुलिस लामिछाने को रविवार को अदालत में पेश कर उनकी 15 दिनों की कस्टडी की मांग करेगी। विभिन्न सहकारी बैंकों के करीब 135 करोड़ रुपये के घोटाले के मामले में आरोपित रवि लामिछाने को पुलिस ने काठमांडू स्थित उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के दफ्तर से गिरफ्तार किया था। इस घोटाले की जांच कर रही केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) के एसपी हविंद्र बोगटी ने बताया कि सुरक्षा कारणों से आरोपित को रातोंरात सड़क मार्ग से पोखरा ले जाया गया। काठमांडू से पोखरा तक के रास्ते में पुलिस को कई स्थानों पर रवि के समर्थकों के विरोध का भी सामना करना पड़ा लेकिन सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त होने के कारण कोई अप्रिय घटना नहीं घटी। बोगटी ने बताया कि लामिछाने को शनिवार सुबह 4 बजे पोखरा पहुंचा दिया गया। पोखरा के ही मेडिकल कालेज में उनकी चिकित्सा जांच करायी गयी और पोखरा पुलिस की कस्टडी में सौंप दिया गया। सार्वजनिक अवकाश होने के कारण अब उनको रविवार को जिला अदालत में पेश किया जाएगा। पोखरा पुलिस जिला अदालत से उनकी 15 दिनों की कस्टडी की मांग करेगी।

कराची में किशोरी, दो युवतियों और बुजुर्ग महिला की हत्या, शव अलग-अलग कमरों से बरामद

कराची। पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची के ल्यारी क्षेत्र की ली मार्केट इलाके में एक अपार्टमेंट (जैनब आर्केड) से तीन महिलाओं और एक किशोरी शव मिले हैं। चारों के गला कटे शव पुलिस ने जैनब आर्केड की सातवीं मंजिल से बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक, बदन पर यातना के निशान भी हैं। चारों की पहचान हो गई है। इनके नाम 13 साल की अलीना, 18 साल की मदीहा, 19 साल की आयशा और 51 साल की शहनाज हैं। चारों शव अलग-अलग कमरों में पाए गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बंटवा गली में लगे सीसीटीवी की फुटेज जांच के लिए हासिल की जा रही है। परिवार के मुखिया मुहम्मद फारूक ने पुलिस से कहा है कि मृतकों में उनकी पत्नी, बेटी, पोती और एक बहू शामिल हैं। जब यह घटना हुई तब वह और उनके दो बेटे घर पर नहीं थे। उन्हें किसी पर शक नहीं है। न ही उनकी किसी से कोई दुश्मनी है। हालांकि पुलिस ने परिवार के मुखिया फारूक और उसके दो बेटों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने कहा कि इस वारदात में जरूर परिवार के किसी व्यक्ति का हाथ हो सकता है।

बांग्लादेश के मौजूदा हालात पर यूनुस करेंगे प्रमुख नेताओं से चर्चा

ढाका। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस देश के मौजूदा हालात पर कई राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं के साथ चर्चा करेंगे। वार्ता के लिए गनो फोरम, एलडीपी, जातीयताबादी सम्मान जोटे, 12-पार्टी गठबंधन, जातीय मुक्ति परिषद, लेबर पार्टी और बांग्लादेश जातीय पार्टी को आमंत्रित किया गया है। ढाका से छपने वाले बांग्ला अखबार (अंग्रेजी संस्करण) प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, मुख्य सलाहकार ने पांच अक्टूबर से राजनीतिक दलों के नेताओं से चर्चा कर रहे हैं। दुर्गा पूजा की छुट्टियों के कारण यह प्रक्रिया रोक दी गई थी। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद अंतरिम सरकार ने आठ अगस्त से काम करना शुरू किया है। सत्ता संभालते ही अंतरिम सरकार ने जातीय पार्टी समेत सभी राजनीतिक दलों से बातचीत की। अंतरिम सरकार ने इस बार जातीय पार्टी को बातचीत के लिए आमंत्रित करने से परहेज किया है। सबसे पहले पांच अक्टूबर को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी से राज्य अतिथि गृह जमुना में वार्ता की गई। इसके बाद जमात-ए-इस्लामी, गणतंत्र मंच, हिफाजत-ए-इस्लाम, लेफ्ट डेमोक्रेटिक अलायंस, इस्लामी आंदोलन, एबी पार्टी और गोनो ओधिकार परिषद के नेताओं से चर्चा की गई।

इजराइल का गाजा पर हमला 30 से अधिक लोग मारे गए

गाजा, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इजराइल के हमलों से मलबे के ढेर में तबदील हो चुके गाजा में आतंकवादी संगठन हमास प्रमुख याह्या सिनवार के मारे जाने के बाद दहशतगर्द बिलबिला गए हैं। अब हमास गाजा से बाहर रहने वाले किसी व्यक्ति को अपना सरगना बनाने पर विचार कर रहा है। इस बीच नासर जंक्शन के पास इजराइली हवाई हमले में 30 से अधिक नागरिक मारे गए।

फिलिस्तीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए (वाफा) ने नासर जंक्शन हमले की जानकारी दी। वाफा के अनुसार, गाजा पट्टी के उत्तर में जबालिया शिविर में नासर जंक्शन के पास इजराइली हवाई हमले में 20 बच्चों और महिलाओं सहित 30 से अधिक नागरिक मारे गए और 50 से अधिक अन्य घायल हो गए। इजराइल के सुरक्षा बलों ने गाजा पट्टी के उत्तर में नासर जंक्शन के पास कई घरों को बम से उड़ा दिया।

वाफा के अनुसार, इजराइल का सात अक्टूबर, 2023 से गाजा पट्टी पर आक्रमण जारी है। अब तक 42,500 नागरिक मारे गए और 99,546 अन्य घायल हो गए। इसके अलावा मध्य गाजा में अल-मगाजी शिविर पर इजराइली बमबारी में दो नागरिकों की मौत हो गई। इसके अलावा शुक्रवार सुबह गाजा पट्टी पर हुए हमले में 64 नागरिक मारे गए। इनमें 45 लोग जबालिया शिविर के शामिल हैं।

सीरिया में विभिन्न संचार माध्यमों की रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइली हमले में हमास सरगना याह्या सिनवार के मारे जाने के बाद आतंकवादी संगठन गाजा के बाहर रहने वाले किसी व्यक्ति को अपना सरगना बनाने पर विचार कर रहा है। अब याह्या के भाई मोहम्मद सिनवार से इजरायल के खिलाफ युद्ध में बड़ी भूमिका निभाने की उम्मीद है। याह्या सिनवार के सहयोगी खलील अल-हय्या को संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है।

अल-हय्या इस समय हमास का मुख्य वार्ताकार है। उसके अलावा नेतृत्व के अन्य दावेदारों में इस्माइल हानिया के पूर्ववर्ती खालिद मेशाल और शूरा परिषद के अध्यक्ष मोहम्मद दरवेश शामिल हैं। तीन महीने से कम समय के भीतर हमास के दो सरगना मारे जा चुके हैं। कई वर्षों तक हमास का नेतृत्व करने वाला इस्माइल हानिया 31 जुलाई को ईरान में मारा गया। इसके बाद हमास का नेतृत्व संभालने वाले याह्या सिनवार को इजराइली सैनिकों ने बुधवार को मार गिराया। सिनवार ने गाजा में सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व दोनों को एक साथ मिला दिया, लेकिन इस बार ऐसा संभव नहीं लगता। इजराइली सेना ने कहा है कि शुक्रवार को उसने जार्डन की सीमा पार कर दक्षिणी इजरायल में घुसने की कोशिश कर रहे दो हमलावरों को मार गिराया।

सिनवार की हत्याः पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हैरान करने वाला हुआ खुलासा

तेल अवीव। साउथ गाजा में ग्राउंड ऑपरेशन के तहत हमास चीफ याह्या सिनवार को मारकर बेंजामिन नेतन्याहू ने 7 अक्टूबर 2023 अटैक का बदला भी ले लिया। याह्या सिनवार की मौत कन्फर्म हो चुकी है। मगर उसकी मौत कैसे हुई, इसे लेकर अब पॉस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट की मानें तो याह्या सिनवार की मौत को कन्फर्म करने के लिए इजरायली सैनिकों ने उसकी उंगली काट दी थी। याह्या सिनवार हमास का पोलित ब्यूरो चीफ था। एक वीडियो में यह देखा गया कि याह्या सिनवार के चहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। उसकी खोपड़ी का कुछ हिस्सा उड़ा हुआ दिखा, जो कि पोस्टमॉर्टिम करने वाले चीफ पैथोलॉडिस्ट के दावों से मिलता है। बता दें कि इजरायली सैनिकों ने नुकसान के आकलन और किसी भी बचे हुए लोगों की तलाश के लिए जमीनी छापेमारी करने से पहले ठिकाने पर एक टैंक से गोला दागा था। गुप्त सूचना के आधार पर दक्षिणी गाजा में की गई एक ग्राउंड रेड में हमास नेता याह्या सिनवार मारा गया। याह्या सिनवार के शव का पोस्टमॉर्टम करने वाले चीफ पैथोलॉजिस्ट की मानें तो हमास चीफ सिनवार की मौत सिर में गोली लगने से हुई है। उन्होंने बताया कि हमास नेता को टैंक के गोले से भी चोटें आई थीं, मगर उन्होंने यकीन से कहा कि याह्या सिनवार की मौत सिर में गोली लगने से ही हुई है। सोशल मीडिया पर याह्या सिनवार का वीडियो वायरल है। उसमें वह मौत से कुछ देर पर सोफे पर बैठा नजर आता है। इजरायली सैनिक ड्रोन से इसकी पुष्टि कर रहे थे। याह्या सिनवार के बाएं हाथ की तर्जनी उंगली कटी हुई थी। वीडियो में बाएं हाथ की सभी उंगलियां पहले थी, मगर बाद में एक उंगली गायब दिखी। वह उंगली डीएनए मैच के लिए थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इजरायली सैनिकों ने उसकी मौत की पुष्टि के लिए उसकी उंगलियां काट दी थी। उसके सिर में गोली मारी गई थी, जिससे उसकी खोपड़ी उड़ गई। उसका हाथ बुरी तरह से घायल हो चुका था। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायली सैनिक जब सिनवार के ठिकाने में दाखिल हुए तो उन्हें याह्या सिनवार जैसा दिखने वाला एक शव मिला। मगर वे पूरी तरह से कन्फर्म होना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने डीएनए जांच के लिए उसकी उंगली काट दी। दरअसल, याह्या सिनवार इजरायल की जेल में पहले सजा काट चुका था। उसी दौरान इजरायल ने सिनवार का प्रोफाइल बना लिया था। दरअसल, 2011 में एक कैदी-अदला-बदली के तहत रिहा होने तक दो दशकों तक सिनवार इजरायली जेल में बंद था। उस दौरान इजरायली सैनिकों के पास सिनवार का प्रोफाइल था। बता दें कि याह्या सिनवार 7 अक्टूबर के हमले का मास्टरमाइंड था। हमास के उस हमले में इजरायल के 1200 लोगों की मौत हो गई थी।

अब तक बाबा वेंगा की भविष्यवाणियां सच हुईं, 2043 तक यूरोप में स्थापित होगा मुस्लिम शासन

सोफिया, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बाबा बेंगा की भविष्यवाणियां पूरी दुनिया में चर्चित हैं। अब तक उन्होंने जो भी भविष्यवाणी की है वो अधिकांशतः सही साबित हुई है। एक बार फिर उनकी भविष्यवाणी ने सुर्खियां बटोरी हैं, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि 2043 तक यूरोप में मुस्लिम शासन आ जाएगा। बाबा वेंगा ने अपनी भविष्यवाणियों में यूरोप के भविष्य को लेकर गंभीर चिंताएँ जताई हैं और इस दिशा में कुछ अहम घटनाओं की भविष्यवाणी की है। इसके अलावा, बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की थी कि साल 2025 में यूरोप में एक बड़ा संघर्ष होगा, जो महाद्वीप में तबाही का कारण बनेगा। इस संघर्ष के कारण यूरोप में हालात बिगड़ जाएंगे और यह मानवता के लिए एक संकट का समय साबित होगा। इसके बाद, 2033 में ग्लोबल वार्मिंग के गंभीर परिणामों की भविष्यवाणी भी की गई है। बाबा वेंगा का कहना था कि ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र स्तर बढ़ेगा, जिससे लोगों का जीवन और भी मुश्किल हो जाएगा। हालांकि, बाबा वेंगा की भविष्यवाणियाँ हमेशा सटीक नहीं होतीं, लेकिन जिन घटनाओं का उन्होंने पहले उल्लेख किया था, वे समय के साथ सच साबित हुईं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यूरोप में 2043 तक मुस्लिम शासन की भविष्यवाणी भी सच साबित होती है या नहीं। इस प्रकार की भविष्यवाणियाँ लोगों के मन में डर और अज्ञात की जिज्ञासा को जन्म देती हैं, लेकिन इन पर विश्वास करने से पहले तथ्यात्मक आधार पर विचार करना जरूरी है। बाबा वेंगा, जिनका जन्म बुल्गारिया में हुआ था, ने अपनी मृत्यु से पहले साल 5079 तक की भविष्यवाणी की थी। उनकी भविष्यवाणियों में कई घटनाएँ पहले ही सही साबित हो चुकी हैं, जैसे सोवियत यूनियन का विघटन और 9/11 के आतंकी हमले। अब उनका दावा है कि 2043 तक यूरोप में मुस्लिम शासन का उदय होगा और पूरे महाद्वीप में नारा-ए-तकबीर गूंजेगा। इस बयान के बाद, कई लोग इसे भारत में हो रही सांप्रदायिक चर्चाओं से जोड़ कर देख रहे हैं, जहां कुछ लोग हिंदू एकता की बात करते हुए मुस्लिम आबादी के बढ़ने को लेकर चिंतित हैं।

जापान में सत्तारूढ़ एलडीपी के मुख्यालय पर पेट्रोल बम फेंके गए

टोक्या, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जापान की राजधानी टोक्यो में सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के मुख्यालय पर शनिवार सुबह पेट्रोल बम फेंकने के आरोप एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। जापान टुडे अखबार ने सार्वजनिक प्रसारक एनएचके के हवाले से यह जानकारी दी।

खबर के अनुसार, इस व्यक्ति ने अपनी कार से दंगा निरोधी पुलिस वाहन को टक्कर मार दी। इससे आग लग गई। आग को जल्द ही बुझा लिया गया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। इस व्यक्ति ने अपनी कार को प्रधानमंत्री कार्यालय के मैदान में ले जाने की कोशिश की, लेकिन बाड़ के कारण सफल नहीं हो सका। इसके बाद उसने एक धुआं बम फेंकने की कोशिश की। वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों ने उसे हिरासत में ले लिया।

पार्टी महासचिव हिरोशी मोरियामा ने कहा, अपराधी के मकसद ज्ञात नहीं हैं, लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को हिंसा से चुप नहीं कराया जाना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि घटना सुबह 6 बजे से कुछ देर पहले हुई।

भारत के बाहर रह रहे देशवासियों की सेवा करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: राष्ट्रपति मुर्मू

लिलोंग्वे, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

तीन अफ्रीकी देशों की यात्रा के अंतिम चरण में मलावी पहुंचीं भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत के बाहर रह रहे अपने देशवासियों का कल्याण करना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उनकी सरकार भारतीयों की चिंता को दूर करने और उनकी सुरक्षा, कल्याण और उन्नति सुनिश्चित करने के लिए विश्व में अपने सहयोगियों के साथ कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि भारत आपसी विश्वास, समानता, और पारस्परिक लाभ के सिद्धांतों पर आधारित अफ्रीकी महाद्वीप के साथ अपनी साझेदारी को महत्व देता है। अफ्रीका के साथ सहयोग का हमारा मॉडल स्थानीय संसाधन का उपयोग करने और क्षमता निर्माण का है। यह अफ्रीका की आवश्यकताओं की प्राथमिकता पर आधारित है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि ग्लोबल साउथ के अग्रणी सदस्य के रूप में भारत विश्व की दोतिहाई जनसंख्या के हितों का प्रतिनिधित्व करने की अपनी भूमिका को गंभीरता से लेता है। मलावी में आप सभी के बीच उपस्थित होकर प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। भारत और मलावी के राजनयिक संबंधों को 60 वर्ष पूरे हो गए हैं। यह रिश्ते ऐतिहासिक हैं। मलावी से भारत के गहरे सांस्कृतिक संबंध भी हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का मलावी के राष्ट्रपति लाजर मैक्कार्थी चकवेरा ने स्टेट हाउस में गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों नेताओं ने भारत-मलावी संबंधों को सुदृढ़ करने के अलावा कई अन्य मुद्दों पर चर्चा की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने लिलोंग्वे में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा किया। उन्होंने प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध और अन्य सैन्य अभियानों के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों और नागरिकों को पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति ने उन भारतीय सैनिकों को भी श्रद्धांजलि दी, जिनके बलिदान को इस स्मारक में महत्व दिया गया है। राष्ट्रपति मुर्मु ने मलावी के पहले राष्ट्रपति डॉ. हेस्टिंग्स कामुजु की समाधि पर भी पुष्पांजलि अर्पित की।

अमेरिका में कौन बनेगा राष्ट्रपति- सट्टा बाजार में किसकी चमक रही है किस्मत

न्यूयॉर्क, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पूरी दुनिया की नजर अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव पर है। यहां कौन जीतेगा और हारेगा इसको लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। इस पर सट्टा बाजार की भी नजर है। कमला हैरसि और डोनाल्ड दोनों अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। इस बीच कई ओपनियिन पोल्स भी आए हैं, जिनमें ट्रंप-हैरसि के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। लेकिन सट्टा बाजार क्या कह रहा है।

सट्टा बाजार को अमेरकिी चुनाव की भवष्यिवाणी में काफी विश्वसनीय माना जाता है। क्योंक‍ि लोग उसमें पैसे लगाते हैं। पहले के सर्वे में माना गया था क‍ि हैरसि ट्रंप से कुछ आगे हैं। लेकिन अब पूरा खेल पलटता नजर आ रहा है। पॉलीमार्केट के अनुसार, 15 अक्टूबर तक पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के जीतने की संभावना 60 प्रतिशत तक थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नेशनल सर्वे ट्रैकर की मानें तो 49 प्रतिशत वोटर कमला हैरसि को वोट देने का प्लान बना रहे हैं जबक‍ि सिर्फ 47प्रतिशत वोट ट्रंप के समर्थन में हैं। जबक‍ि सट्टा बाजार इसके बिल्कुल उलट कहानी बयां कर रहा है। नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी में डेटा साइंस के प्रोफेसर थॉमस मिलर ने फॉर्च्यून को बताया,

सट्टेबाजी पोर्टल सटीक अनुमान लगाते हैं, क्योंक‍ि इनमें लोगों का पैसा लगा होता है। मिलर खुद एक साइट चलाते हैं, जो प्रेडिक्टइट कॉन्ट्रैक्ट कीमतों के आधार पर इलेक्टोरल कॉलेज के नतीजों का अनुमान लगाती है। इससे भी पता चलता है क‍ि ट्रंप भारी मतों से जीत रहे हैं। पॉपुलर सट्टेबाजी प्लेटफार्म प्रेडिक्टइट ने दावा कयिा क‍ि लोग ट्रंप की जीत पर ज्यादा पैसा लगा रहे हैं। अब ट्रंप के जीतने की संभावना 54 प्रतिशत है, जबक‍ि हैरसि के जीतने की संभवना 49 प्रतिशत रह गई है। जुलाई से अब तक ऐसा पहली बार है क‍ि हैरसि को 50 प्रतिशत से कम लोगों का समर्थन मिल रहा है। ज्यादातर सट्टेबाजी प्लेटफार्म ट्रंप को ही जीतते हुए देख रही हैं। बेटफेयर ने ट्रंप की जीत की संभावना लगभग 58 प्रतिशत तक मानी है जबक‍ि कलशी ने 57 प्रतिशत फीसदी। प्रेडिक्टइट 54 प्रतिशत तथा स्मार्केट ने ट्रंप की जीत की संभावना 58 प्रतिशत मानी है। पोल ऑफ पोल करें तो पाएंगे क‍ि ट्रंप के जीतने की संभावना 57 प्रतिशत से ज्यादा है। सितंबर के अंत में यह लगभग 48 प्रतिशत थी। लेकिन उसके बाद से जबरदस्त बदलाव आया है।

ट्रंप-हैरसि में कौन कतिना आगे

- कलशी: ट्रम्प 57 प्रतिशत, हैरिस 43 प्रतिशत
- स्मार्केट्स: ट्रम्प 58 प्रतिशत, हैरिस 42 प्रतिशत
- पॉलीमार्केट: ट्रम्प 60 प्रतिशत, हैरिस 40 प्रतिशत
- प्रेडिक्टइट: ट्रम्प 54 प्रतिशत, हैरिस 49 प्रतिशत
- बेटफ़ेयर: ट्रम्प 58 प्रतिशत, हैरिस 42 प्रतिशत।

सनातन के खिलाफ बोलने वाले द्रविड़ शब्द पर चिहुंक रहे

स्टालिन और उदयनिधि गैर संवैधानिक हरकतों पर उतरे

चेन्नई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। सनातन के खिलाफ अपशब्द बोलने वाले नेता द्रविड़ शब्द पर चिहुंक रहे हैं। इसे मुद्दा बना कर तमिलनाडु के सीएम स्टालिन और उनके पुत्र उदयनिधि गैर संवैधानिक हरकतों पर उतर आए हैं। स्टालिन और उदयनिधि तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि को राज्यपाल बने रहने को लेकर भी चुनौती देने लगे हैं। तमिलनाडु में सुनियोजित तरीके से सियासी पारा गरम किया गया है। यहां राज्य गीत में द्रविड़ शब्द छूटने पर हंगामा हो गया है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्यपाल आरएन रवि पर गंभीर आरोप लगाए। इस पर राज्यपाल ने सफाई भी दी। हालांकि, राज्यपाल के बयान पर सीएम स्टालिन ने कहा कि यदि आर एन रवि राज्यपाल बने रहना चाहते हैं तो उन्हें खुद को विभाजनकारी ताकतों से मुक्त कर लेना चाहिए और संवैधानिक मानदंडों के अनुसार कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने उनसे राजभवन को राजनीतिक पार्टी कार्यालय में बदलने से बचने की भी सलाह दी।

मामला दूरदर्शन के हिंदी महोत्सव समापन समारोह से जुड़ा है। इस समारोह में तमिल थाई वाज्थु गाया जा रहा था। इस दौरान गलती से गीत से द्रविड़ शब्द छूट गया, जिसके बाद सीएम एमके स्टालिन ने इसे तमिल भाषा का अपमान बताया। स्टालिन ने

कहा कि राज्यपाल को द्रविड़ियन एलर्जी है और केंद्र सरकार को तुरंत उन्हें पद से हटाना चाहिए। हालांकि, इसके बाद राज्यपाल ने सफाई दी थी। वहीं, दूरदर्शन केंद्र ने इस पर स्पष्टीकरण देते हुए माफी मांगी है।

उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि राज्य के लोग इस वाकये से बेहद नाराज हैं। उन्होंने राज्यपाल पर एकता को खत्म करने का आरोप लगाया। साथ ही मांग की कि केंद्र सरकार राज्यपाल को तुरंत वापस बुलाए। उन्होंने कहा, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि की मौजूदगी में डीडी तमिल हिंदी उत्सव कार्यक्रम हुआ। यहां तमिल राज्य गान से द्रविड़ थिरुनाडु लाइन को हटा दिया गया। इससे तमिलनाडु के लोगों में बहुत गुस्सा है। उदयनिधि ने राज्यपाल के इस आरोप का परोक्ष रूप से जिक्र किया कि मुख्यमंत्री ने उनके खिलाफ नस्लवादी टिप्पणी करके अपने पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई है, डिप्टी सीएम स्टालिन ने कहा, अन्नादुरई की राह पर चलने वाले हमारे नेता (एमके स्टालिन) को गरिमा का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं है।

पहले सीएम एमके स्टालिन ने सवाल उठाते हुए कहा था कि अगर राष्ट्रीय गान से इस तरह का कोई शब्द हटाया जाता तो क्या राज्यपाल इसे स्वीकार करते? उन्होंने इस घटना को तमिलनाडु और तमिल भाषा का अपमान बताया और आरोप लगाया कि राज्यपाल रवि ने राज्य की भावनाओं का अनादर किया है। स्टालिन ने केंद्र सरकार से अपील की है कि वे ऐसे व्यक्ति को पद से हटा दें, जो तमिल संस्कृति और कानून का सम्मान नहीं करता।

हालांकि, राज्यपाल के कार्यालय ने इस आरोप का खंडन किया। उनके मीडिया सलाहकार थिरुग्णना संबंदम ने कहा था कि यह भूल से हुआ था और राज्यपाल का इसमें कोई हाथ नहीं था। उनके मुताबिक, कार्यक्रम की शुरुआत में गायकों की टीम ने अनजाने में द्रविड़ शब्द छोड़ दिया था। उन्होंने इसे तुरंत आयोजकों के ध्यान में लाने की बात कही और इसे एक सामान्य गलती बताया।

राज्यपाल रवि ने स्टालिन के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे नस्लीय टिप्पणी बताया था। उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री ने उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाए और तमिल गीत का सम्मान न करने का आरोप लगाया। रवि ने दावा किया था कि वे हर समारोह में पूरे सम्मान के साथ तमिल थाई वल्थू गाते हैं और तमिल भाषा को गहराई से सम्मान देते हैं। स्टालिन ने न केवल राज्यपाल पर निशाना साधा था, बल्कि हिंदी महोत्सव के आयोजन को लेकर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा था कि गैर-हिंदी भाषी राज्यों में इस तरह के आयोजनों से अन्य भाषाओं का अपमान होता है। उन्होंने सुझाव दिया था कि केंद्र सरकार को हिंदी के बजाय स्थानीय भाषा के महीने का आयोजन करना चाहिए। शुक्रवार शाम को दूरदर्शन तमिल कार्यालय में आयोजित हिंदी माह के समापन समारोह में तमिल थाई वाज्थु गाते समय, जिसमें राज्यपाल भी शामिल हुए थे, राष्ट्रगान गा रहे समूह ने अनजाने में एक पंक्ति छोड़ दी। दूरदर्शन केंद्र ने इस पर स्पष्टीकरण देते हुए माफी मांगी है।

देश की एकता को तबाह कर रहे हैं बाप-बेटे

चेन्नई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में द्रविड़ शब्द को लेकर जारी विवाद पर अब भाजपा नेताओं ने भी प्रतिक्रिया दी है और तमिलनाडु के सीएम पर तीखा हमला बोला है। दरअसल सीएम स्टालिन ने चेन्नई में एक कार्यक्रम के दौरान तमिलनाडु के राज्य गान से द्रविड़ शब्द हटाए जाने का आरोप लगाया और इसे लेकर राज्यपाल को हटाने की मांग तक कर डाली।

इस पर तमिलनाडु भाजपा के उपाध्यक्ष नारायण तिरुपति ने कहा कि देश की एकता को इंडी गठबंधन और खासकर एमके स्टालिन और उनके बेटे द्वारा तबाह किया जा रहा है। बीआर अंबेडकर ने साफ कहा था कि आर्यन और द्रविड़ रेस जैसा कुछ नहीं है। ये सब एक मिथक है। द्रविड़ियन एक भौगोलिक स्थान है। ये लोग बीते 50-60 वर्षों से देश को धर्म, जाति, क्षेत्र और भौगोलिक आधार पर देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं।

तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. तमिलसाई सुंदरराजन ने कहा कि डीएमके बार-बार ऐसा दिखाना चाहती है कि जैसे केंद्र सरकार हिंदी थोप रही है। असल में हिंदू बनारस यूनिवर्सिटी में तमिल चेयर की स्थापना की गई। महाराष्ट्र में एक बंदरगाह का नाम राजेंद्र चोल के नाम पर रखा गया और साथ ही वहां उनकी प्रतिमा भी लगाई गई। प्रधानमंत्री तमिल भाषा को अन्य राज्यों में लेकर गए हैं। मैं सीएम स्टालिन से सवाल पूछती हूं कि सेंगोल, जो तमिल परंपरा का प्रतीक है, उसे संसद में स्थापित किया गया है। उन्होंने उसे क्या सम्मान दिया? तीन भाषा की नीति हिंदी सीखने के लिए ही नहीं है, बल्कि ये अपनी मातृभाषा से अलग कोई अन्य भाषा सीखने के लिए है, फिर वो क्यों उसका विरोध कर रहे हैं? अन्य राज्यों के लोग भी तमिल भाषा सीख रहे हैं तो फिर आप यहां के लोगों को दूसरी भाषा सीखने क्यों नहीं दे रहे हैं?

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की महत्वपूर्ण कार्रवाई

राजद नेता गुलाब यादव और आईएएस संजीव हंस गिरफ्तार

पटना, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिहार के पूर्व विधायक राजद नेता गुलाब यादव और आईएएस अधिकारी संजीव हंस को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने अवैध धन से करोड़ों की सम्पत्ति अर्जित की।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संजीव हंस बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी माने जाते हैं। हंस पर आरोप है कि उन्होंने गुलाब यादव के साथ मिलकर अवैध रूप से करोड़ों की सम्पत्ति जुटाई। जांच में यह सामने आया है कि हंस और यादव ने 95 करोड़ रुपए का एक रिसॉर्ट और 10 करोड़ रुपए का एक फ्लैट खरीदा, जो काली कमाई का हिस्सा है। ईडी का कहना है कि इन सम्पत्तियों की खरीद में हवाला के जरिए पैसे का लेन-देन किया गया।

संजीव हंस की गिरफ्तारी उनके पटना स्थित सरकारी आवास से हुई।

इसके पहले उनके ऊर्जा स्टेडियम के निकट वाले आवास और दिल्ली के तीन ठिकानों पर ईडी ने शुक्रवार को छापा भी मारा था। पूर्व विधायक गुलाब यादव को दिल्ली स्थित रिसॉर्ट से गिरफ्तार किया गया।

आरजेडी विधायक रह चुके गुलाब यादव के व्यवसायिक संबंध संजीव हंस के साथ काफी गहरे रहे हैं। ईडी की कार्रवाई के बाद से बिहार की राजनीतिक प्रशासनिक हलचल बढ़ गई है। ईडी ने इस मामले में अन्य गिरफ्तारियों की संभावना से इन्कार नहीं किया है।

नक्सलियों के आईईडी धमाके में दो जवान शहीद, दो घायल

छत्तीसगढ़, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ के मोहंदी में नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट किया, जिसमें इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस (आईटीबीपी) के चार जवान घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक इलाज के लिए रायपुर एयर लिफ्ट किया गया, लेकिन उनमें दो जवान शहीद हो गए। अन्य दो की हालत सामान्य है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, नारायणपुर जिले के ओरछा, मोंडी एवं एरठभट्टी से तिब्बत सीमा सुरक्षा बल, सीमा सुरक्षा बल एवं जिला रिजर्व पुलिस बल की संयुक्त पार्टी नक्सली अभियान के लिए धुरबेड़ा की ओर रवाना हुए थे। वापसी के दौरान दोपहर ग्राम कोडलियर के पास जंगल में बारूदी सुरंग के चपेट में आने से तिब्बत सीमा सुरक्षा बल के दो जवान शहीद हो गए। शहीद अमर पंवार (36) महाराष्ट्र और शहीद के राजेश (36) आंध्रप्रदेश के रहने वाले थे।

स्कार्पियों की चपेट में आने से छह कावड़ियों की मौत,12 घायल

बांका, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में बांका जिले के फुल्लीडुमर थाना क्षेत्र में स्कार्पियो की चपेट में आने से चार महिला समेत छह कावड़ियों की मौत हो गयी तथा 12 अन्य घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यहां बताया कि शुक्रवार की रात कांवरियों का दल अमरपुर के जेठौरनाथ मंदिर जा रहा था। इस दौरान नगरडीह मोड़ के समीप स्कार्पियो ने कांवरियों को कुचल दिया। इस घटना में चार महिलाओं समेत छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य घायल हो गये।

मृतकों की पहचान अमरपुर थाना क्षेत्र के रामचंद्रपुर इटहरी निवासी राम चरण तांती (50), गौतम यादव की पत्नी पुतुल देवी, रजौन थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव निवासी अर्जुन यादव की पत्नी ललिता देवी (50), अरुण पासवान की पत्नी चुन्नी देवी (45), दिनेश यादव की पत्नी सुमित्रा देवी(45) और शोभानपुर गांव निवासी सहदेव यादव की पुत्री लक्खी कुमारी (17) के रूप में की गयी है।

कर्मयोगी सप्ताह से मिलने वाली सीख व अनुभव से विकसित भारत में मदद मिलेगी: मोदी

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां कर्मयोगी सप्ताह- राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह का शुभारंभ किया और कहा कि इससे मिलने वाली नयी सीख और अनुभव विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री ने डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मिशन कर्मयोगी के माध्यम से हमारा लक्ष्य ऐसा मानव संसाधन तैयार करना है जो देश के विकास की प्रेरक शक्ति बने।

अभी तक की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर हम इसी उत्साह के साथ काम करते रहेंगे तो देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह के दौरान मिली नई सीख और अनुभव हमें कार्य प्रणालियों को बेहतर बनाने की क्षमता और मदद देंगे, जिससे हमें 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने पिछले दस वर्षों में सरकार की मानसिकता बदलने के लिए उठाए गए कदमों की चर्चा की, जिसका

असर आज लोगों को महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार में काम करने वाले लोगों के प्रयासों और मिशन कर्मयोगी जैसे कदमों के प्रभाव से संभव हुआ है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को एक अवसर के रूप में देखती है, जबकि भारत के लिए यह एक चुनौती और अवसर दोनों प्रस्तुत करता है। उन्होंने दो एआई के बारे में बात की, एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और दूसरा आकांक्षी भारत। प्रधानमंत्री ने दोनों के बीच संतुलन के महत्व पर जोर दिया और कहा कि अगर हम आकांक्षी भारत की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सफलता-पूर्वक उपयोग करते हैं, तो इससे परिवर्तनकारी बदलाव हो सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि डिजिटल क्रांति और सोशल मीडिया के प्रभाव के कारण सूचना समानता एक मानक बन गई है। एआई के साथ, सूचना तैयार करना भी समान रूप से आसान हो रहा है, जिससे नागरिकों को जानकारी मिल रही है और उन्हें सरकार की सभी गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए सशक्त बनाया जा रहा है। इसलिए, सिविल सेवकों को नवीनतम तकनीकी विकास के साथ खुद को अपडेट रखने की आवश्यकता है, जिससे बेहतर होते मानकों को पूरा किया जा सके, जिसमें मिशन कर्मयोगी मददगार साबित हो सकता है।

उन्होंने नई सोच और नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने नए विचारों के लिए स्टार्टअप, शोध एजेंसियों और युवाओं से मदद लेने का उल्लेख किया। उन्होंने विभागों से फीडबैक तंत्र की व्यवस्था करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने आईजीओटी प्लेटफॉर्म की सराहना की और कहा कि इस प्लेटफॉर्म पर 40 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारियों ने पंजीकरण कराया है। इस पर1400 से अधिक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं और अधिकारियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में 1.5 करोड़ से अधिक प्रमाण पत्र प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थान अलग-अलग काम करने को मजबूर होते रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने उनके बीच साझेदारी और सहयोग बढ़ाने की कोशिश की है। उन्होंने प्रशिक्षण संस्थानों से संचार के उचित चैनल स्थापित करने, एक-दूसरे से सीखने, चर्चा करने और वैश्विक स्तर के सर्वोत्तम तौर तरीकों को अपनाने तथा समग्र सरकारी दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया।

मिशन कर्मयोगी की शुरुआत सितंबर 2020 में की गई थी, जिसका उद्देश्य वैश्विक दृष्टिकोण के साथ भारतीय लोकाचार पर आधारित भविष्य के लिए तैयार सिविल सेवा की कल्पना करना था। राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह (एनएलडब्ल्यू) सिविल सेवकों के लिए व्यक्तिगत और संगठनात्मक क्षमता विकास को प्रोत्साहन देगा, जिससे एक सरकार का संदेश मिलेगा और सभी को राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ जोड़ा जाएगा और आजीवन शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

बुनियादी ढांचा राष्ट्रीय विकास की कुंजी है: गड़करी

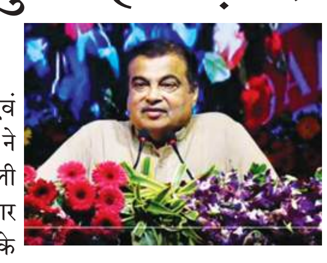

भोपाल, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि बेहतर परिवहन प्रणाली आर्थिक विकास के नए द्वार खोलती है और रोजगार के अवसर पैदा करती है। श्री गड़कारी यहाँ मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग और भारतीय सड़क कांग्रेस द्वारा आयोजित सड़क और पुल निर्माण में नवीनतम उभरते रुझान और प्रौद्योगिकी विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने दोहराया कि बुनियादी ढांचे का विकास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है, क्योंकि यह क्षेत्र न केवल प्रगति को गति देता है बल्कि भारत के भविष्य का खाका भी तैयार करता है। उन्होंने गुणवत्ता सुनिश्चित करने, सड़क दुर्घटनाओं को कम करने, पर्यावरण की रक्षा करने और जमीनी चुनौतियों का समाधान करने जैसे प्रमुख उद्देश्यों पर जोर दिया, जिनके बारे में उनका मानना है कि सभी स्तरों पर सामूहिक प्रयासों से ही इन्हें हासिल किया जा सकता है। श्री गडकरी ने अपशिष्ट से संपदा नीति अपनाने की वकालत की, जो सड़क निर्माण में अपशिष्ट पदार्थों के उपयोग को बढ़ावा देती है, जिससे वित्तीय और पर्यावरणीय दोनों तरह का फायदा है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह सम्मेलन राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास में नई गति लाएगा, जो विभिन्न निर्माण परियोजनाओं की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देगा। दो दिवसीय सम्मेलन में कई तकनीकी सत्र शामिल हैं, जहां देश भर के विशेषज्ञ नवीन तकनीकों, निर्माण सामग्री और इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) समझौता प्रक्रिया में चुनौतियों पर विचार-विमर्श करेंगे। कार्यक्रम में सड़क और पुल निर्माण में उपयोग की जाने वाली नवीनतम मशीनरी और तकनीकों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई है।

रायपुर में आठ करोड़ का सोना जब्त, तीन तस्कर गिरफ्तार

रायपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के भाटागांव बस स्टैंड में शुक्रवार को पुलिस ने लगभग आठ करोड़ रुपये का सोना जब्त किया है। साथ ही सोने के साथ तीन तस्कर को भी पुलिस ने गिरफ्तार भी किया है। यह जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी। पूरा मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने आज आकस्मिक चेंकिग के दौरान बस स्टैंड भाठागांव रायपुर में तीन तस्करों से लगभग 12 किलो 800 ग्राम सोना बरामद किया जिसकी कीमत आठ करोड़ रुपये बताया जा रहा है। मामले में पुलिस ने तीनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बस स्टैंड भाठागांव में आकस्मिक चेकिंग किया। चेकिंग दौरान बस स्टैंड में यात्री लिंगराज नायक, हितेश तांडी और शुभम पात्रों के बैगों की चेकिंग की। इस दौरान पुलिस को 12 किलो 800 ग्राम का सोना मिला। इस मौके पर पुलिस ने तीनों से सोने के संबंध में पूछताछ की। इस पर तीनों ने गोल-मटोल जवाब देने लगे। पुलिस ने सोने के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग की। इस पर किसी प्रकार का कोई भी दस्तावेज उपलब्ध नहीं दिया गया। जिसके कारण बरामद सोने की सामग्री को सीलबंद कर अग्रिम कार्रवाई के लिए आयकर विभाग को सौंपी गई है। गिरफ्तार तस्कर युवको के नाम लिंगराज नायक (34), निवासी थाना तेलीबांधा रायपुर, हितेश तांडी (27), निवासी थाना तेलीबांधा रायपुर, शुभम पात्रों (28) साल, निवासी थाना टिकरापारा रायपुर है।

कृषि रोडमैप से सब्जी, दूध, अंडा, मांस और फल का उत्पादन बढ़ा : नीतीश

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज कहा कि कृषि रोडमैप लागू होने से राज्य में सब्जी, दूध, अंडा, मांस और फल सहित अन्य फसलों का उत्पादन बढ़ा है। श्री कुमार ने शनिवार को यहां सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र स्थित ज्ञान भवन में मत्स्य पालन के क्षेत्र में ड्रोन तकनीक के उपयोग एवं प्रत्यक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2005 से पहले बिहार में विकास कार्यों की क्या स्थिति थी सभी को पता है। वर्ष 2005 से पहले मछली उत्पादन बहुत कम था। दूसरे राज्यों से यहां मछलियां मंगाई जाती थी। उन्होंने कहा, 24 नवंबर, 2005 को जब हमलोग सरकार में आए तो राज्य के विकास के लिए नीति और कार्यक्रम बनाए गए। कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन सहित सभी क्षेत्रों का विकास किया गया। लोगों की सुविधाओं के

लिए कई कदम उठाए गए। साथ ही महिलाओं की तरक्की के लिए कई कार्य किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2008 से वर्ष 2012 के लिए प्रथम कृषि रोड मैप बनाया गया। वर्ष 2012 से वर्ष 2017 के लिए दूसरा कृषि रोड मैप बनाया गया जिसका शुभारंभ तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने किया था। वर्ष 2017 से वर्ष 2023 के लिए तीसरा कृषि रोड मैप बनाया गया, जिसका शुभारंभ तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था।

वर्ष 2024 से चौथा कृषि रोड मैप लागू किया गया है, जिसका शुभारंभ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया। उन्होंने कहा कि कृषि रोड मैप के लागू होने से सब्जी, दूध, अंडा, मांस और फल सहित अन्य फसलों का उत्पादन बढ़ा है। श्री कुमार ने कहा कि चौथे कृषि रोडमैप के लिए एक लाख 62 हजार करोड़ रुपये की राशि की स्वीकृति दी गई। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 में मछली का उत्पादन दो लाख 88 हजार मीट्रिक टन था, जो अब बढ़कर आठ लाख 73 हजार मीट्रिक टन हो गया है। मछली उत्पादन में बिहार आत्मनिर्भर हो गया है। पहले दूसरे राज्य की मछलियां बिहार में मंगाई जाती थीं और अब बिहार की मछलियां दूसरे राज्यों में भेजी जाती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप को धैर्य से काम लेने की आवश्यकता हैं संयम से काम करने से प्रगति होगी दिन उपलब्धियों वाला रहेगा ।आपकी समझदारी और प्रयास आपको कामयाबी ज़रूर दिलाएंगे। व्यवसाय में मुनाफा होने के योग बन रहे हैं। नई खुशखबरी आपके प्रसन्न रहेंगे। दोस्तों के साथ समय बिता सकतेहैं। छात्रों की दिक्कत दूर होगी। युवाओं को नई जानकारी मिलेगी। कैरियर से जुड़ी समस्या का समाधान होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आज का डिनर बहुत ही संतुलित लें स्वास्थ्य एकदम तंदरुस्त रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज शिवलिंग पर कच्चे दूध से अभिषेक करें आपको ऋण से मुक्ति मिलेगी। मित्रों का सहयोग भी मिलेगा किसी काम को लेकर काफी दिनों से हो रही परेशानी दूर होगी। परिवारिक कार्यक्रम के दौरान के किसी सदस्य के साथ मतभेद होने की संभावना है। बेहतर होगा कि तनाव न लें। धन लाभ होने की संभावना है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। कारोबार में लाभ होगा। देर रात घर के किसी सदस्य की एकाएक तबीयत बिगड़ सकती हैं सचेत रहना होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आप को अपनी सोच काफी सकारात्मक रखने की आवश्यकता हैं जिससे शुभ संकेत मिलेगें । पुरानी समस्या का समाधान होगा। पैतृक मामलों में तेजी आएगी। आपके प्रेम जीवन में ऊर्जा का संचार होगा । आपका साथी काफी सकारात्मक रवैया अपना सकता है। नई जगह घूमने जा सकते हैं। अविवाहितों के लिए रिश्ते की सूचना मिल सकती है। युवाओं को काम को लेकर दिक्कत होगी। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ेगी। घर में नए सदस्य का आगमन हो सकता है । व्यर्थ के खर्चे को रोकने जरूरत हैं नही तो समस्याएं बढते रहेगी

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप अगर नौकरी की तलाश मे हैं तो घर से निलते वक्त बच्चों को कुछ उपहार अथवा पैसे देकर निकले कार्य सिद्ध होगा । किसी भी तरह के मतभेद से दूर रहें। अगर आपको कोई दुखद खबर मिले तो चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं शाम होते होते स्थिति सुधर जाएगी । अपने रिश्ते में ग़लतफ़हमी पैदा न होने दें। दफ्तर में सहयोगियों की मदद मिलेगी। किसी भी नया काम को शुरू करने से पहले बुजुर्गों का आशीर्वाद जरूर लें। विरोधी पक्ष आज बेहद सक्रिय रहेगा। आपको नुकसान होने की आशंका है। बोलचाल के दौरान सतर्क रहें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। कामकाज से समय मिलने पर परिवार के साथ घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बच्चों के लिए दिन कामयाबी वाला होगा । आप फ्री महसूस करेंगे। कारोबार को लेकर नया प्लान कर सकते हैं। जोखिम वाले कार्य करते समय सावधान रहें। आपकी दिनचर्या में आज सुधार होगा। आप किसी के प्रति अपने मन में विद्वेष न रखें। सामाजिक रूप से आपकी सराहना होगी। नई जिम्मेदारी मिलेगी। शत्रु पक्ष पर आप हावी रहेंगे। धन लाभ होगा। किसी से विवाद न करें। गैरजरूरी कार्यों में खर्च करने से बचें। घर का खाना ही आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा रहेगा चिकने भोजन से परहेज करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज परिवार की जिम्मेदारी को निभाने मे ही समय व्यतीत होता हुआ नजर आ रहा हैं मित्रों का सहयोग जरूर लेते रहें। आपके कैरियर को नई दिशा मिलेगी। धनलाभ होगा। यात्रा करने करते समय सावधान रहें। किसी प्रकार की चोट लगने की संभावना रहेगी । बोलते हुए सावधान रहें द किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है । कार्यस्थल पर स्थायित्व बना रहेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशी रहेगी। आज अगर कार्यस्थल पर अवकाश है तो दिन का लाभ उठाए और बच्चों के साथ घूमने का प्लान बनाए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज लक्ष्मी जी को कमल पुष्प अर्पित करें धनकोष मे वृद्धि होगी परिवार की जरूरतों को पूरा कर पाएंगे । रिश्तेदारों से मुलाकात कर सकते हैं। परेशानियों को छोड़ें और अपने साथी के साथ रोमांटिक समय बिताएं। पुराने निवेश से अच्छा खासा लाभ होने की उम्मीद है। जो काम आपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। आपकी तबियत ठीक रहेगी। जी-वनसाथी का सहयोग मिलेगी। किसी काम को लेकर आप दिक्कत में आ सकते हैं। अपनी सामर्थ्य अनुसार कुछ दान के रुप मे धन का सदुपयोग करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन ध्यान और आरधना से आरंभ करें जिससे शरीर के अंदर नया उत्साह देखने को मिलेगा। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आप दूसरों की मदद करने के लिए आगे आएंगे। बुजुर्गों की स्वास्थ्य पर ध्यान दे । आप अपनी नई जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे। अपने आप को साबित करने के लिए आपको ज्यादा मेहनत करनी होगी। आप अपने कौशल से हर किसी को प्रभावित करेंगे। आप को सामाजिक कार्य करने मे रुचि बनेंगे राजनीति क्षेत्र मे पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सुबह उठते ही कोई खबर आप को चिंता मे डाल सकती है, हो सकता हैं परिवार मे किसी सदस्य का स्वास्थ्य खराब होवे । आज दिन भर थकान महसूस कर होगी । किसी को निजी बातें न बताए । अनजान लोगों से सावधान रहें है। परिवार के साथ घूमने जाएं, बच्चों से बातचीत करें। सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होगी। आज किसी रिश्तेदार के यहां जाने का दिन हो सकता हैं नये लोगों से मुलाकात होगी आपको अपने मुंह से अपनी बढाई नही करनी चाहिए

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज कुछ नया खरिदने का अवसर बन रहा हैं आप के सुख सुविधाओं मे बढोतरी होगी आप को बेहद खुशी होगी । आप अपनी अधिकांश जिम्मेदारियों को पूरा कर सकेंगे। किसी नए काम को लेकर यात्रा कर सकते हैं। कारोबारियों को अपने काम को आगे बढ़ाने के मौके मिलेंगे। शासकीय कार्य पूरे होंगे। कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए लोन ले सकते हैं।दफ्तर में किसे से विवाद हो सकता है। आपको शांत रहना होगा। सेहत ठीक रहेगी। बटुक ब्राहाणों को दूध जलेबी का भोजन कराए ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आज सम्भव हो तो एक सौ आठ बिल्वपत्र से शिव अर्चना करें धन लाभ होने की संभावना बनेगी। सेहत को लेकर बेफिक्री रहेगी । जीवनसाथी की मदद मिलेगी। अपनी नौकरी और कैरियर के लिए अधिक प्रयास करेंगे। रिश्तेदारों से किसी बात को लेकर मतभेद होने की संभावना है। आज आप मानसिक रूप से मजबूत स्थिति में रहेंगे। यात्रा करते समय सतर्क रहें। आज नुकसान होने वाले निवेश से दूर रहे । धन की स्थिति सामान्य रहेगी। निवेश से जुड़े काम न करें। एक्सपर्ट से सलाहमशवरा जरूर करले।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज भगवान नारायण का विधिवत पूजन करके दिन का आरंभ करें आज का दिन दिक्कतों का हो सकता हैं । किसी के झगड़े मे जाने से बचें और शांत रहने का प्रयास करें। जीवनसाथी की बीमारी के चलते चिंतित रहेंगे। बच्चे खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने खर्चों की लिमिट तय करें । अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी को महत्व देना होगा । संतान पक्ष से मनमुटाव को हो सकता है। आवेश मे आकर मर्यादा का उल्लंघन न करें।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 20 अक्टूबर 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक,कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया प्रात: 06:48 तक
नक्षत्र : कृतिका प्रात: 08:31 तक
योग : व्यतीपात दोपहर 02:10 तक
करण : विष्टि प्रात: 06:48 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 05:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 05:58 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 05:50 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 05:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : करक चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 08:15 (हैदराबाद) , भद्रा प्रात: 06:48 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लु महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

व्यावसायीकरण ने शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित किया है : धनखड़

शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग से सुनिश्चित होगी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

सीकर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित होना बताते हुए शैक्षणिक संस्थानों एवं उद्योग जगत में आसीन लोगों से सेमिनार आयोजित कर युवाओं को जागरूक करने का आह्वान किया और कहा है कि आज युवाओं के बीच लगातार बढ़ते अवसरों को लेकर जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है।

श्री धनखड़ शनिवार को यहां शोभासारिया शैक्षिक समूह के रजत जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के व्यावसायीकरण ने इसकी गुणवत्ता को प्रभावित किया है ऐसे में शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग से इसकी गुणवत्ता को सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा कभी भी आय का स्रोत नहीं था, यह त्याग और दान का एक माध्यम था, जिसका उद्देश्य समाज की मदद करना था लेकिन हम देखते हैं कि इसको फायदे के लिए बेचा जा रहा है। कुछ मामलों में तो यह जबरन वसूली का रूप ले रहा है। श्री धनखड़ ने कहा समय आ गया है कि हमें अपने टियर 2 और टियर 3 शहरों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, पारिस्थितिकी तंत्र और समग्र विकास के लिए छात्रों के लिए स्थानीय लाभ मौजूद है। उन्होंने कहा हमारा संकल्प होना चाहिए कि जब भारत 2047 में विकसित राष्ट्र बने तो हम विश्व की महाज्ञान शक्ति बनें।

उन्होंने व्यापार, उद्योग, वाणिज्य और व्यवसाय जगत में लोगों से अपील करते हुए उन्हे संस्थानों के विकास में उदारतापूर्वक योगदान देने की बात कही। उन्होंने कहा शिक्षा में कोई भी निवेश हमारे भविष्य, हमारे आर्थिक उत्थान में, शांति और स्थिरता में निवेश है। श्री धनखड़ ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि एक नई बीमारी और है – विदेश जाने की, विदेश में पढ़ाई करने की। बच्चा लालायित होकर जाना चाहता है, उसको नया सपना दिखता है, उसको लगता है कि वहां जाते ही स्वर्ग मिल जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह एक अंधाधुन्ध रास्ता है जिसमें देश का युवा विज्ञापनों से प्रभावित होकर फैसले ले लेता है। उन्होंने कहा कि उसका यह फैसला देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर एक गहरी चोट है।

उपराष्ट्रपति ने कहा आज के दिन टेक्नोलॉजी हमारे बीच आ गई है। हम इसका उतना उपयोग नहीं कर पा रहे हैं जितना होना चाहिए। हमारे अध्यापक और अध्यापिकाओं में यह प्रतिभा है किन्तु हम भौतिक बाधाओं से घिरे हुए हैं। हमें शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उपयोग करना चाहिए जिससे हमारे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में काफी मदद मिलेगी। उन्होंने भारत के गौरवशाली इतिहास का जिक्र करते हुए कहा एक जमाना था हमारे भारत में तक्षशिला, नालंदा, मिथिला, वल्लभी, विक्रमशिला ऐसी अनेक संस्थाएं थी जो पूरे भारत में छाई हुई थी। दलाई लामा जी ने कहा कि जो भी बुद्ध का ज्ञान है वह सब नालंदा से निकला किन्तु बख्तियार खिलजी ने अपनी घनघोर कट्टरता के कारण नालंदा में स्थित शिक्षा के उस महान केंद्र को नष्ट कर दिया।

उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासन के तहत भारतीय संस्थानों को व्यवस्थित रूप से नष्ट कर दिया गया किन्तु महापुरुष स्वामी विवेकानंद ने अपने प्रयासों से उसे पुनर्जीवित किया।

अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत की अहम भूमिका को उल्लेखित करते हुए श्री धनखड़ ने कहा आज भारत का विश्व में बहुत महत्व है। आज, भारत की आवाज़ वैश्विक स्तर पर पहले से कहीं अधिक बुलंद है। ऐसी स्थिति में, हर व्यक्ति को यह धारणा और निष्ठा रखनी चाहिए कि हमें अपने राष्ट्र पर विश्वास करना है। हर परिस्थिति में, हमें राष्ट्र को पहले रखना चाहिए।

श्री धनखड़ ने कहा कि राजनीतिक, व्यक्तिगत या आर्थिक हितों को राष्ट्र के ऊपर नहीं रखना चाहिए तथा यह हमारा दायित्व है कि हम राष्ट्रविरोधी शक्तियों को निष्क्रिय करें।

सीएम सैनी ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से की मुलाकात

चंडीगढ़/नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को यहां केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से शिष्टाचार मुलाकात कर कई अहम विषयों पर चर्चा की। शपथ ग्रहण के पश्चात पदभार ग्रहण करने के उपरांत श्री सैनी ने श्री प्रधान से विभिन्न राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक विषयों पर चर्चा की और विचार-विमर्श किया। इस दौरान श्री सैनी ने केंद्रीय मंत्री को शॉल ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को पटका पहनाकर स्वागत किया।

गौरतलब है कि शपथ ग्रहण के पश्चात अपना पदभार ग्रहण करने के उपरांत श्री सैनी का नई दिल्ली में पहला दौरा है और इस दौरान उन्होंने विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की है। मुख्यमंत्री को नई दिल्ली के हरियाणा भवन में प्रदेश की जनता बधाइयां और शुभकामनाएं देने के लिये लगातार आ रही है।

नशा तस्करी में हनुमानगढ़ का भाजपा नेता गिरफ्तार

सिरसा, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यूनिट सिरसा ने महत्वपूर्ण सुराग जुटाते हुए ऐलनाबाद एरिया से बोलेरो गाड़ी में एक नशा तस्कर को 20 किलो 210 ग्राम डोडा पोस्त सहित गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। इस संबंध में थाना ऐलनाबाद में मादक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत अभियोग अंकित किया गया है। बताया जा रहा है की नशा तस्करी में पकड़ा गया आरोपी विजय सिंह हनुमानगढ़ भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई का पदाधिकारी है। आरोपी को 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए इन्चार्ज सिरसा यूनिट उप निरीक्षक तरसेम सिंह ने बताया कि एक पुलिस टीम सहायक उप निरीक्षक चानन राम के नेतृत्व में गावं निमला की फिरनी से होते हुए गाँव निमला जा रहे थे तो सामने से एक गाडी आती दिखाई दी जो पुलिस की गाडी की जलती बत्ती को देखकर गाडी चालक ने गाडी को वापिस मोडने की कोशिश की तो गाड़ी गली मे बाई साईड बने मकान की दीवार में टकराकर बंद हो गई।

तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने गाड़ी चालक को गाडी वापिस मोडने का कारण पुछा तो कोई सन्तोष जनक जबाब नहीं दे सका। फिर मौके पर राजपत्रित अधिकारी को बुलाकर जब गाड़ी की तलाशी ली गयी तो गाड़ी में रखे एक कट्टे में भारी मात्रा मे डोडा पोस्त बरामद हुआ। जिसका कुल वजन 20 किलो 210 ग्राम हुआ। सब इंस्पेक्टर ने बताया की पकड़े गए आरोपी का नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम विजय सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह वासी चक-7 वार्ड नं.3 रणजीतपुरा थाना हनुमानगढ टाऊन जिला हनुमानगढ राजस्थान बताया। बताया जा रहा है कि आरोपी हनुमानगढ़ जिला भाजपा इकाई में पदाधिकारी है। श्री सिंह ने आगे बताया कि आरोपी को पूछताछ के बाद मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया जहां से 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

भारत पाकिस्तान सीमा के निकट खेत में सेंसर, कैमरा युक्त ड्रोन बरामद

श्रीगंगानगर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के सीमावर्ती हिंदुमलकोट थाना क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट एक खेत में शुक्रवार को सेंसर और कैमरा युक्त पाकिस्तानी ड्रोन बरामद हुआ। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब ढाई किलोमीटर भारतीय क्षेत्र में दूलापुर केरी गांव में एक किसान दोपहर खेत में काम करने के लिए गया तो उसे ड्रोन पड़ा दिखाई दिया। उसकी सूचना पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), पुलिस और खुफिया एजेंसियों के अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। इसके साथ ही आसपास के पूरे क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया गया। आसपास के सभी खेतों को अच्छी तरह से देखा गया, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

पुलिस सूत्रों के अनुसार पाकिस्तानी तस्करों ने इस ड्रोन को हेरोइन, हथियार अथवा नकली नोट की खेप के साथ दो तीन पहले रात में भारतीय क्षेत्र में भेजा है। ड्रोन किसी तकनीकी खराबी के चलते पाकिस्तानी तस्करों के नियंत्रण से बाहर हो गया जिससे वह भारतीय क्षेत्र में एक खेत में गिर गया। इसके साथ जो भी वस्तु बंधी थी उसे संभवतः भारतीय क्षेत्र के तस्कर उठा ले जाने में कामयाब हो गए।पुलिस के एक उच्च अधिकारी ने बताया कि बरामद ड्रोन डीजीआई कंपनी के मैविक-3 मॉडल का है। इस ड्रोन की क्षमता करीब 30 किलोमीटर उड़ान भरने की है।

भाजपा के चुनावी घोषणापत्र में किए वादे पूरे होंगे : बड़ौली

चंडीगढ़, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हरियाणा इकाई के अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने शनिवार को कहा कि भाजपा ने जो चुनावी घोषणापत्र जारी किया था, पार्टी की सरकार उसे पूरा करेगी।

श्री बड़ौली ने यहां जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जो वादे किए थे उन्हें भी पूरा करने का काम जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि श्री सैनी ने शपथ ग्रहण समारोह से पहले 24 हजार युवाओं को नौकरी देने की बात कही थी और उन्होंने 24 हजार युवाओं को रोजगार देकर अपना वादा पूरा किया है।

भाजपा नेता ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के जो नेता हिसाब मांगते घूम रहे थे उनका हिसाब हरियाणा की जनता ने चुनाव में कर दिया है और अब कांग्रेस के विधायक ही श्री हुड्डा का भी हिसाब करेंगे।

लॉरेंस गिरोह को बिश्नोई गिरोह कहने पर बिश्नोई समाज ने जताई कड़ी आपत्ति

फतेहाबाद, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिश्नोई समाज ने लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह को बिश्नोई गिरोह कहे जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। फतेहाबाद में शनिवार को बिश्नोई समाज के लोगों की एक बैठक हुई, जिसमें समाज के अलग-अलग प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों ने भाग लेकर विरोध जताया। बैठक में कुछ लोगों ने कहा कि यदि उन्हें इसको लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा, तो वे वहां भी जाएंगे, लेकिन इस गिरोह को बिश्नोई समाज के नाम से जोड़ा जाना सहन नहीं करेंगे।

समाज के नेताओं ने स्पष्ट करना चाहा कि लॉरेंस यदि गलत कर रहा है, तो वह भी गलत है, समाज उसके गलत कार्यों में साथ नहीं है, लेकिन यदि वह हिरण मामले में समाज की मांग उठा रहा है, तो वह सही है। समाज के जीव रक्षा दल के अध्यक्ष हंसराज गोदारा ने कहा कि एक आदमी का गिरोह हो सकता है, पूरा समाज गिरोह नहीं हो सकता। अभिनेता सलमान खान ने हिरण मारा, आरोप भी अदालत में तय हो गया और यह मामला अदालत का है, इसलिये ज्यादा कुछ नहीं कहेंगे। उन्होंने कहा कि लॉरेंस पर आरोप अभी तय नहीं हुए लेकिन उसको लेकर पूरे समाज को गिरोह से जोड़ दिया जाता है। यह सही नहीं है, इससे समाज के लोगों को दुख हुआ है। जीव रक्षा दल के महासचिव विनोद काकड़ और राजस्थान के जोधपुर से आये लोगों ने कहा कि बिश्नोई समाज पूरे विश्व में जीव प्रेमी और पर्यावरण प्रेमी समाज के रूप में जाना जाता है। इसकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक तारीफ कर चुके हैं। सैकड़ों सालों से बिश्नोई समाज पेड़ों और जीवों को बचाने का संदेश देता आया है, इसलिए किसी ने हिरण मारा तो उसके खिलाफ समाज ने आवाज उठाई।

बैठक में बिश्नोई सभा प्रधान भूप सिंह मांझू, सचिव महावीर मांझू, सेवक दल सुरजीत ढुकिया, जीव रक्षा दल से नरसी काकड़ सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के नेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई में पिछले दिनों हत्या में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का हाथ होने की बात सामने आई है। कनाडा के साथ भारत के कूटनीतिक विवाद में भी लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह का नाम आया है। इसके बाद राजनीतिक हल्कों से लेकर मीडिया में डी गिरोह (दाऊद इब्राहिम गिरोह) की तर्ज पर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह को बी गिरोह और बिश्नोई गिरोह कहा जा रहा है।

पराली जलाने के मामलों में किसानों पर कार्रवाई का फैसला वापस ले सरकार : हुड्डा

चंडीगढ़, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने शनिवार को कहा कि हरियाणा सरकार को पराली जलाने के मामलों में किसानों पर कार्रवाई का फैसला वापस लेना चाहिए।

श्री हुड्डा ने अपने आवास पर पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि सरकार को पराली का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करके किसानों से इसकी खरीद करनी चाहिये। उन्होंने कहा कि पराली जलाने को लेकर सरकार द्वारा किसानों पर की गयी कार्रवाई पूरी तरह निंदनीय है और सरकार को यह किसान विरोधी फैसला वापिस लेना चाहिये। उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों पर जुर्माना लगाने, उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और उनको रेड लिस्ट करने की बजाय इसके समाधान पर काम करना चाहिये। उन्होंने कहा कि पराली की खरीद करके इसका इस्तेमाल से कई तरह की चीज़ें बनाई जा सकती हैं, जैसे ईंधन, बायो-थर्मोकोल, इथेनॉल, बायो-बिटुमन, पैलेट, लुगदी, खाद, ईंट और बिजली आदि उत्पादन जैसे कार्यों में उपयोग करना चाहिये।

कॉंग्रेस नेता ने कहा कि प्रदूषण में पराली जलने का बेहद कम अंश होता है। प्रदूषण का असली कारण कारखाने, गाड़ियां और धूल होती है। इसलिये सरकार को चाहिये कि वह पराली का निस्तारण करे या किसानों से पराली की खरीद की जाये। उन्होंने कहा कि फिलहाल पराली के निस्तारण के लिये सरकार जो मशीन देने की बात कर रही है, वह कारगर साबित नहीं हो रही है। मशीनों की संख्या भी बहुत कम है। खास तौर पर छोटे किसान इनका इस्तेमाल करने में अक्षम हैं, क्योंकि एक कार्य के लिये कई-कई बार मशीनों को खेत में बुलाना पड़ता है। पहले धान के अवशेष को काटने, फिर उसके बाद उसे इकट्ठा करने और उसके बाद गांठ बनने के लिये अलग-अलग मशीनों को बुलाना पड़ता है। उसके बाद उठान में भी लंबा समय लग जाता है।

एसीबी ने महाप्रबंधक के विभिन्न ठिकानों पर की छापेमारी

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने व्यापक कार्रवाई करते हुए तकनीकी, राजकॉम्प इन्फो सर्विस लि, योजना भवन, जयपुर में महाप्रबंधक छत्रपाल सिंह के विरूद्ध दर्ज आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित करने के मामले में आरोपी के जयपुर, हनुमानगढ़ और उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में 10 से अधिक ठिकानों पर सुबह छापा मारकर करोड़ों रुपए की सम्पत्ति का पता लगाया और दस्तावेज बरामद किए।

ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक डॉ रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि मुखबिर से ब्यूरो मुख्यालय को गोपनीय सूचना प्राप्त हुई थी कि छत्रपाल सिंह ने भ्रष्टाचार के जरिये अपने एवं अपने परिजनों के नाम से अपनी वैध आय से आनुपातिक रूप से अधिक चल-अचल सम्पत्तियाँ अर्जित की हैं, जिनकी अनुमानित खरीद कीमत करोड़ों रुपयों से अधिक है।

उन्होंने बताया कि इस शिकायत का ब्यूरो की इन्टेजिलेन्स शाखा द्वारा गोपनीय रूप से सत्यापन किया और तथ्यों की पुष्टि होने पर आय से अधिक सम्पत्तियां अर्जित का मामला दर्ज किया गया। इसके बाद एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक कालूराम रावत की देखरेख में सक्षम न्यायालय से तलाशी वारंट प्राप्त किया गया। डॉ मेहरड़ा ने बताया कि कार्रवाई के लिये ब्यूरो के कई दल गठित किये गये। इन दलों ने एक साथ, आज अलसुबह आरोपी के जयपुर, हनुमानगढ़ एवं गाजियाबाद में स्थित 10 विभिन्न ठिकानों पर तलाशी की कार्रवाई की। तलाशी में छत्रपाल सिंह एवं इसके परिवाजनों के नाम एयर अपार्टमेन्ट श्याम नगर सब्जी मण्डी के पास जयपुर में दो फ्लैट (एक डूप्लेक्स एवं एक अन्य), महादेव नगर सोडाला में एक मकान, करोड़ों रुपये की कीमत के पांच चौपहिया महंगे लग्जरी वाहन (एक पोर्से कार, एक जगुआर लैण्ड रोवर डिफेण्डर कार, एक महिन्द्रा थार, एक महिन्द्रा स्कॉर्पियो, शेवर्ले कुज वीसीडीआई), एक बीएमडब्लयू बाईक एवं करीब छह लाख की नगदी मिले हैं।

उन्होंने बताया इसके अतिरिक्त कई बीमा पॉलिसियों में निवेश, एक बैंक लॉकर (जिसकी तलाशी ली जानी है) एवं विभिन्न बैंको में कई बैंक खाते जिनमें लाखों रुपये जमा हैं, भी मिले हैं। आरोपी द्वारा राजापार्क में एक किराये की सम्पत्ति जिसमें सिम्पली डिवाइन नाम से स्पा होना एवं वर्तमान में स्पा को किसी अन्य को किराये पर देना, अशोक नगर जयपुर में एक हैपी हार्ट फाउण्डेसन भी संचालित करना भी पाया गया है, जिसकी तलाशी में लाखों रूपये निवेश करना पाया गया है। तलाशी में आरोपी द्वारा महंगे रिसोटर्स में रूकने संबंधी कागजात मिले और विदेश यात्राओं की जानकारी भी प्राप्त हुई जिनके संबंध में जांच की जा रही है।

आज मंगल नीच राशि कर्क में करेंगे गोचर

मंगल शनि बनाएंगे षडाष्टक योग

ग्रहों के सेनापति मंगल ग्रह 20 अक्तूबर को मिथुन राशि से कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। कर्क चंद्रमा की राशि है और यह मंगल देव की नीच राशि मानी जाती है। जबकि मकर राशि में ये उच्च के माने जाते हैं। मंगल ग्रह कर्क और सिंह राशि में अधिक शुभ फल देते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि मंगल ग्रह जिन्हें मेष और वृश्चिक राशि का स्वामी ग्रह माना गया है वह 20 अक्तूबर को कर्क राशि में गोचर करेंगे। 20 अक्टूबर को दोपहर 02:22 मिनट पर मंगल मिथुन राशि से निकल कर कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। इसके बाद 7 दिसंबर को मंगल कर्क राशि में ही वक्री होंगे और वक्री गति से गोचर करते हुए 21 जनवरी 2025 की सुबह 10:05 मिनट पर फिर से मिथुन राशि प्रवेश कर जाएंगे। इस दौरान मंगल और शनि एक दूसरे से छठे आठवें भाव में होकर षडाष्टक योग बनाएंगे। ऐसे में मंगल शनि के योग से दुनिया के विभिन्न देशों में हिंसक घटनाओ के होने की आशंका है। दुनिया के कई देशों के बीच चल रहे युद्ध से हाल और बेहाल होंगे। मंगल ग्रह भूमि, जमीन-जायदाद, प्रापर्टी, युद्ध, सेना, रक्त और क्रोध के कारक ग्रह माने जाते हैं। जब भी मंगल ग्रह राशि परिवर्तन करते हैं तो इनका विशेष प्रभाव लोगों के जीवन पर पड़ता है। कर्क राशि में मंगल ग्रह का गोचर करने से कुछ राशि के जातकों को विशेष लाभ मिलने के संकेत हैं। भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा और धन लाभ के मौके बनेंगे।

वैदिक ज्योतिष में भूमि पुत्र मंगल को अग्नि का कारक कहा गया है इसलिए चन्द्रमा की राशि कर्क में जाकर वो नीच के हो जाते हैं। चन्द्रमा जल का कारक है और अग्नि जल का कोई मेल नहीं है इसलिए मंगल पूर्ण बलहीन होकर अपना कोई भी शुभ प्रभाव यहां नहीं देते हैं। मंगल के लिए कर्क राशि नीच राशि कहलाती है इसलिए मंगल का यह गोचर बहुत ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

देश और दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में गति आएगी। मंगल के कारण प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। मंगल की वजह से दुर्घटना होने की आशंका है। देश के कुछ हिस्सों में हवा के साथ बारिश रहेगी। भूकंप या अन्य तरह से प्राकृतिक आपदा आने की भी आशंका है।

ग्रहों के सेनापति हैं मंगल

ज्योतिष शास्त्र में मंगल को सभी ग्रहों का सेनापति होने का दर्जा प्राप्त है। मंगल मेष राशि और वृश्चिक राशि के स्वामी माने गए हैं। विख्यात भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि मकर राशि में मंगल उच्च के हो जाते हैं वहीं कर्क राशि में मंगल को नीच का माना जाता है। सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति से इनकी मित्रता है। बुध से मंगल की नहीं बनती है। जबकि शुक्र और शनि इनके सम संबंध हैं। मंगल देव पराक्रम, स्फूर्ति, साहस, आत्मविश्वास, धैर्य, देश प्रेम, बल, रक्त, महत्वकांक्षा एवं शस्त्र विद्या के अधिपति माने गए है। यहां आपको विशेष रूप से बताना चाहता हूं कि अग्नि तत्व होने से मंगल सभी प्राणियों को जीवन शक्ति देता है। यह प्रेरण, उत्साह एवं साहस का प्रेरक होता है।

शुभ-अशुभ प्रभाव

प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। रोजगार के क्षेत्रों में वृद्धि होगी। आय में बढ़ोतरी होगी। देश की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ रहेगा। खाने की चीजों की कीमतें सामान्य रहेंगी। मंगल-शनि षडाष्टक योग के कारण दुर्घटनाएं आगजनी आतंक और तनाव होने की संभावना। आंदोलन धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, वायुयान दुर्घटना, विमान में खराबी, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव होगा। राजनीतिक आर-ोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। मनोरंजन फिल्म खेलकूद एवं गायन क्षेत्र से बुरी खबर मिलेगी। बड़े नेताओं का दुखद समाचार मिलने की संभावना।

करें पूजा-पाठ और दान

मंगल के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। लाल चंदन या सिंदूर का तिलक लगाना चाहिए। तांबे के बर्तन में गेहूं रखकर दान करने चाहिए। लाल कपड़ों का दान करें। मसूर की दाल का दान करें। शहद खाकर घर से निकलें। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। मंगलवार को बंदरों को गुड़ और चने खिलाएं।

मंगल का कर्क राशि में गोचर का सभी 12 राशियों पर प्रभाव।

मेष राशि–कार्यक्षेत्र में सफलता मिल सकती है। नौकरी और व्यापार में तरक्की के योग बन रहे हैं। मान- सम्मान और पद- प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। मनमुटाव हो सकता है।

वृष राशि–मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। इस समय धैर्य से काम लें। कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। धन- लाभ होने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

मिथुन राशि–किसी भी तरह के वाद- विवाद से दूर रहें। धन- हानि हो सकती है, इसलिए खर्च सोच-समझकर ही करें। लेन- देन के लिए समय शुभ नहीं है। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

कर्क राशि–तनाव का सामना करना पड़ सकता है। गुस्सा करने से नुकसान हो सकता है, इसलिए गुस्से पर नियंत्रण रखने का प्रयास करें। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।

सिंह राशि–व्यापार से जुड़े लोगों को विशेष सावधानी बरतनी होगी। धन- हानि हो सकती है। लेन- देन न करें। इस समय निवेश करने से नुकसान हो सकता है। दांपत्य जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या राशि–आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। धन- खर्च न करें। निवेश सोच-समझकर ही करें। दांपत्य जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखना होगा।

तुला राशि–कार्यक्षेत्र में दबाव और तनाव रह सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ कुछ अनबन हो सकती है।

वृश्चिक राशि–शारीरिक और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। भाग्य का साथ नहीं मिलेगा। लक्ष्य प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। आर्थिक समस्याओं से छुटकारा मिल जाएगा। परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु राशि–धनु राशि के जातकों को इस गोचर से सावधान रहने की आवश्यकता है। अधिक मेहनत करनी होगी। अधिक खर्चों से बचने का प्रयास करें। लेन- देन से दूर रहें। पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा।

मकर राशि –जीवनसाथी के साथ मनमुटाव हो सकता है। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा। खान- पान का विशेष ध्यान रखें नहीं तो स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ राशि– गुस्से पर नियंत्रण करने का प्रयास करें। अधिक खर्च करने से बचें। जीवनसाथी के साथ रिश्ते मधूर बनाए रखने के लिए जीवनसाथी के साथ अधिक से अधिक समय व्यतीत करें।

मीन राशि– संतान पक्ष की तरफ से कुछ समस्याएं हो सकती हैं। आर्थिक समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। खर्चा सोच- समझकर ही करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना होगा।

घर की इस दिशा में लगाएं भगवान शिव का पसंदीदा पौधा, मां लक्ष्मी पैसों से भर देंगी घर

भगवान शिव को चढ़ाए जाने वाले बेलपत्र का पेड़ उन चुनिंदा पेड़-पौधों में है, जिन्हें हिंदू धर्म में सबसे ज्यादा महत्व दिया गया है। वैसे तो गर्मियों में बेल फल का शरबत ठंडक पहुंचाता है और काफी फायदेमंद भी होता है। बेल का पेड़, जड़, फल और पत्तियों में कई औषधीय गुण होते हैं। बेलपत्र का पेड़ न केवल औषधीय और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह घर में सकारात्मकता और समृद्धि भी लाता है।

भगवान भोले का प्रिय

बेल को महादेव का प्रिय माना जाता है, पुराणों के अनुसार, शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित करने से भगवान शिव प्रशन्न होते हैं। भगवान शिव की पूजा बेलपत्र के बिना अधूरी मानी जाती है। यह माना जाता है कि जिस घर में बेलपत्र का वृक्ष होता है, वहां महादेव की विशेष कृपा बनी रहती है। इसके साथ ही, माता लक्ष्मी का वास भी होता है, जिससे धन-धान्य की कमी नहीं होती।

किस दिशा में लगाए बेलपत्र का पौधा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, बेलपत्र का पौधा हमेशा उत्तर या पश्चिम दिशा में लगाना चाहिए। इस दिशा में लगाने से कई समस्याओं का समाधान होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इससे घर में रहने वाले सदस्य तेज और ऊर्जावान बनते हैं। माना जाता है कि, बेलपत्र का पेड़ लगाने से बुरी शक्तियों का घर में प्रवेश नहीं होता।

यह तंत्र संबंधी बाधाओं को दूर करने में मदद करता है और परिवार के सदस्यों की सुरक्षा करता है। घर में बेलपत्र होने से चंद्र दोष से भी मुक्ति मिलती है, जिससे मानसिक शांति बनी रहती है।

दूसरे दिन भी चढ़ा सकते हैं बेलपत्र

बेलपत्र की तीन पत्तियों के डंठल को तोड़कर महादेव को अर्पित करने का विधान है। इसको लेकर दिलचस्प तथ्य यह है कि पत्ता कभी बासी नहीं होता।

यदि पूजा के लिए बेलपत्र की आवश्यकता हो, तो आप दूसरे के चढ़ाए हुए बेलपत्र को धोकर पुनः उपयोग कर सकते हैं, जिससे पूजा में कोई कमी नहीं आती।

बेलपत्र कब नहीं तोड़ना चाहिए

हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार, चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी और अमावस्या तिथि पर बेलपत्र नहीं तोड़ना चाहिए, साथ ही सोमवार को भी तोड़ने से बचें। बेलपत्र को टहनी सहित कभी नहीं तोड़ना चाहिए।

कब है अहोई अष्टमी? यहां जानिए पूजा विधि और महत्व

अहोई अष्टमी का व्रत संतान की लंबी आयु की कामना और तरक्की के लिए किया जाता है। यह व्रत कठिन व्रतों में से एक है, जिसे कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रखा जाता है। यह व्रत तारे देखकर खोला जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं इसबार अहोई अष्टमी व्रत कब है, पूजा विधि और महत्व क्या है।

अहोई अष्टमी कब है –

पंचांग के अनुसार, अष्टमी तिथि 24 अक्टूबर रात 1 बजकर 18 मिनट पर शुरू होगी और 25 अक्तूबर को देर सुबह 1 बजकर 58 मिनट पर समाप्त होगी। उदयातिथि पड़ने के कारण 24 अक्टूबर 2024 गुरुवार को व्रत रखा जाएगा।

अहोई अष्टमी व्रत महत्व – अहोई अष्टमी का व्रत अपने बच्चों की खुशहाली और लंबी उम्र के लिए महिलाएं रखती हैं। साथ ही जो नि:संतान हैं वो संतान प्राप्ति के लिए उपवास करती हैं।

अहोई अष्टमी पूजा विधि

– इस उपवास में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है।

–इस दिन दूध भात का भोग लगाएं।

–वहीं, शाम के समय पीपल के पेड़ के नीचे दिया जलाएं।

–आप अहोई अष्टमी के दिन देवी पार्वती को सिंदूर चढ़ाएं। इससे आपके वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहेगी।

–अगर आप संतान की प्राप्ति चाहते हैं तो इस दिन चांदी के 9 मोतियों को लाल धागे में पिरो लीजिए और फिर माता अहोई को को अर्पित करिए।

– इसके अलावा अहोई अष्टमी पर देवी पार्वती को सभी श्रृंगार के सामान चढ़ाएं। मान्यता है ऐसा करने से संतान के जीवन में सुख शांति बनी रहती है।

करवा चौथ पर सरगी क्यों खाते हैं इस बार कितने बजे खाई जाएगी

करवाचौथ विवाहित स्त्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह पर्व महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए मनाती हैं। इस दिन स्त्रियां निर्जला उपवास रखती हैं और रात को चांद के दर्शन करने बाद अपने पति के हाथों पानी पीकर व्रत खोलती हैं। आपको बता दें कि करवाचौथ का उपवास सरगी खाने के बाद शुरू होता है, जिसे सास अपनी बहु के लिए तैयार करती है। इसमें, फल, पानी, मेवे और मिठाई आदि चीजें शामिल होती हैं। इस साल सरगी खाने का शुभ मुहूर्त और महत्व क्या है आगे आर्टिकल में जानते हैं।

करवा चौथ पर सरगी खाने का शुभ मुहूर्त –

इस साल करवा चौथ के दिन सरगी खाने का शुभ मुहूर्त सुबह 3 : 30 मिनट से लेकर 4 :30 मिनट तक रहेगा।

सरगी खाने का महत्व –

दरअसल, सरगी इसलिए खाई जाती है ताकि आप दिनभर के उपवास के लिए आपका शरीर तैयार रहे। इसलिए सरगी में उच्च फाइबर और प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थ शामिल किए जाते हैं, जिससे आप पूरा दिन ऊर्जावान बनी रहें।

करवा चौथ शुभ मुहूर्त –

इस साल करवाचौथ का शुभ मुहूर्त 20 अक्टूबर दिन रविवार की सुबह 6 : 46 मिनट से शुरू होगा और 21 अक्टूबर की सुबह 4:16 मिनट पर समाप्त होगा। वहीं, करवा चौथ की पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 05:46 से 07:02 तक रहेगा।

चांद निकलने का समय–

करवा चौथ पर चांद निकलने का समय शाम 7 : 54 मिनट का है। लेकिन, अलग-अलग शहरों में चंद्रोदय की टाइमिंग में कुछ मिनटों का अंतर हो सकता है।

कब है कार्तिक माह का पहला प्रदोष व्रत जानिए व्रत की तिथि, पूजा का मुहूर्त

हर माह की त्रयोदशी तिथि देवों के देव महादेव की पूजा के लिए समर्पित होती है। त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत रखा जाता है और संध्या के समय विधि-विधान से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। मान्यता है कि भगवान शिव प्रदोष व्रत रखने वाले अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी कर देते हैं। प्रदोष व्रत का महत्व और फल दिन के अनुसार होता है। 18 अक्टूबर से कार्तिक माह शुरू हो गया है। ऐसे में आइए जानते हैं कार्तिक माह में पहला प्रदोष व्रत कब और किस दिन है और इस दिन कौन से योग बनने रहे हैं।

कार्तिक माह में पहला प्रदोष व्रत

कार्तिक माह में कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 29 अक्टूबर को सुबह के समय 10 बजकर 31 मिनट से शुरू हो रही है और 30 अक्टूबर को दोपहर 1 बजकर 15 मिनट पर समाप्त होगी। कार्तिक माह में पहला प्रदोष व्रत 29 अक्टूबर मंगलवार को रखा जाएगा। मंगलवार के दिन आने के कारण यह भौम प्रदोष व्रत होगा। भौम प्रदोष व्रत करने से धन संपत्ति से संबधित परेशानियां दूर होती हैं।

पूजा का मुहूर्त

29 अक्टूबर को प्रदोष काल में 5 बजकर 38 मिनट से 8 बजकर 13 मिनट तक भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा का शुभ मुहूर्त है।

बन रहे हैं ये शुभ योग

कार्तिक माह के पहले प्रदोष व्रत पर दुर्लभ शिववास योग का निर्माण हो रहा है। 29 अक्टूबर को सुबह 10 बजकर 31 मिनट तक महादेव अपने प्रिय वाहन नंदी पर सवार रहेंगे। इस शुभ समय पर महादेव की पूजा व अभिषेक से सभी काम में सफलता प्राप्त करने का संयोग प्रबल हो सकता है। इसके साथ ही इस दिन इंद्र योग, तैतिल और गर के साथ करण योग का भी निर्माण होने वाला है। इन सभी योगों के कारण प्रदोष व्रत में भगवान शिव की पूजा फलदाई होगी।

29 अक्टूबर का पंचांग

सूर्य के उदय होने का समय सुबह 6 बजकर 31 मिनट

सूर्य के अस्त होने का समय शाम 5 बजकर 38 मिनट

चंद्रोदय का समय सुबह 4 बजकर 27 मिनट (30 अक्टूबर)

चंद्रास्त का समय शाम 3 बजकर 57 मिनट

ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 48 मिनट से 5 बजकर 40 मिनट

गोधुलि मुहूर्त शाम 5 बजकर 38 मिनट से 6 बजकर 4 मिनट

निशिता मुहूर्त रात को 11 बजकर 39 मिनट से 12 बजकर 31 मिनट

बिग बॉस 17 फेम सना ने नहीं मानी चुनौतियों से हार

बताया कैसे किया सामना

बिग बॉस 17 से सुर्खियों में आई सना रईस खान ने हाल ही में अपना एक अनुभव साझा किया। अपने पेशे की चुनौतियों से डट कर मुकाबला करने की कहानी बताई। ये भी बताया कि कैसे वो अपने वकालत के पेशे और जिंदगी में सामंजस्य बनाकर आगे बढ़ती हैं।सना की मानें तो जिंदगी और प्रोफेशन को लेकर विचार स्पष्ट है।कहती है मैं काम को उसकी अहमियत और जरूरत के हिसाब से प्राथमिकता देती हूं।नामी वकील टीम वर्क पर भरोसा करती हैं। यही वजह है कि प्रशासनिक जिम्मेदारियों को मैनेज करने के लिए अपनी टीम बना रखी है। उन्होंने बताया कि टीम की वजह से ही उन्हें अपने काम पर फोकस करने में मदद मिलती है।रियलिटी शो स्टार ने आगे कहा मैं पहले एक वकील थी, लेकिन बिग बॉस ने मुझे पूरे भारत में पहचान दिलाई और अब देश की आम जनता सनसनीखेज और हाई-प्रोफाइल मामलों को लेकर मेरे केस के बारे में जानती है। बिग बॉस 17 के बाद इंद्राणी नेटफ्लिक्स डॉक्यू सीरीज ने मुझे इंटरनेशनल पहचान दिलाई। यह देश का सबसे बड़ा मर्डर केस था जिसे सीरीज ने जाहिर किया।फिर सना रईस खान ने अपने प्रोफेशन में आने वाली अन्य मुसीबतों और चुनौतियों पर भी खुलकर बात की। सना ने बताया कि मेरे पेशे में बहुत जोखिम है, जहां लोगों की जान दांव पर लगी होती है। मैं सोशल जस्टिस में विश्वास रखती हूं जानती हूं कि हरेक केस के साथ लोगों की जिंदगी और मौत जुड़ी होती है।सना ने फिर उन धमकियों का जिक्र किया जिसने उन्हें परेशान तो किया लेकिन डट कर मुकाबला करने का सबक भी दिया। उन्होंने बताया, हरियाणा एनकाउंटर केस में अपनी मुवक्किल दिव्या पाहुजा के लिए लड़ते समय मुझे जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं। खैर मैंने उसे जमानत दिलाई लेकिन फिर उसकी हत्या कर दी गई। इस घटना की वजह से मैं काफी दिनों तक परेशान थी।बिग बॉसळ फेम स्टार ने बताया कि समय बीतने के साथ मुझे अहसास हुआ कि मैं अपने काम से समाज में किस तरह का प्रभाव डाल सकती हूं, क्योंकि अल्लाह ने मुझे इस पेशे में रखा है, जहां मैं लोगों की जान बचा सकती हूं और खुशी का कारण बन उन्हें दूसरा जीवन दे सकती हूं।सना रईस खान ने अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर भी बड़ा अपडेट दिया। कहा मुझे हमेशा से खेल का शौक रहा है और जल्द ही एक नए स्पोर्ट्स प्रोजेक्ट की घोषणा होगी।

अमेरिकन एक्ट्रेस ओलिविया मुन्न के लिए ओरिगेमी से भी ज़्यादा मुश्किल है बेबी रैप

अभिनेत्री ओलिविया मुन्न को अभी भी पेरेंटिंग कला में पूरी तरह महारत हासिल नहीं है। 44 वर्षीय अमेरिकी अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसका मकसद फैलो मॉम से बेबी रैप का सही तरीके से उपयोग करने की सलाह लेना था, ताकि वह अपनी 3 हफ्ते की बेटी मेई को सीने से लगाकर घूम सकें। इस वीडियो में मुन्न अपनी बेटी के साथ किचन में खड़ी हैं। थोड़ी कंफ्यूज हैं और कह रही हैं, मुझे पता है कि मैं यह गलत कर रही हूं, इसलिए मैं ऐसे ही रहने दे रही हूं।मुन्न ने गुजरे वक्त को याद किया। उन्होंने अपने 2 साल के बेटे मैल्कम का जिक्र करते हुए कहा, मैं मैल्कम के समय से ही एक मॉम रैप बनाना चाहती थी, लेकिन मैं कभी नहीं समझ पाई। यह बहुत मुश्किल है। मुन्न ने इसके बाद करीने से समझाया है कि रैप होता क्या है? बोले, अगर आपको नहीं पता कि यह क्या है, तो यह एक बड़ा, लंबा कपड़ा होता है जिसे आप अपने चारों ओर लपेटते हैं और यह आपके बच्चे को आपसे चिपका कर रखता है। इस वजह से आपके हाथ खाली होते हैं और आप कोई दूसरा काम कर सकते हैं - लेकिन क्या करूं मैं तो अब तक इसे समझ नहीं पाई हूं।अभिनेत्री ने आगे कहा कि जो मां ऐसा कर सकती हैं, वे क्वीन हैं। इसके साथ ही उन्होंने माना कि वह अभी भी अपनी बेटी को सही तरीके से लपेटने के सबसे अच्छे ट्यूटोरियल की तलाश में हैं। बोलती हैं, यह बहुत मुश्किल है। यह ओरिगेमी से भी ज्यादा मुश्किल है। यह बहुत पागलपन भरा है। मुझे नहीं पता कि यह कैसे करना है। मैंने यूट्यूब, इंस्टाग्राम, टिकटॉक सब देखा है। और वहां कई मां आपको बताएंगी कि यह मुश्किल नहीं है, लेकिन यह है। यह बहुत कठिन है।इस पोस्ट पर मुन्न के कई प्रशंसकों और मांओं ने बेबी-वियरिंग रैप के इस्तेमाल का सही तरीका समझाया है।

एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा है, क्या आपके आस-पास कोई स्लिंग/रैप लाइब्रेरी है? दूसरे यूजर ने अपना अनुभव शेयर किया। कहा, मैं एक महिला के पास गई और उन्होंने मुझे अलग-अलग विकल्प समझाए। अगर आपको रैप से परेशानी हो रही है, तो आप हमेशा कैरियर का इस्तेमाल कर सकते हैं। आप नवजात के लिए उपयुक्त कैरियर पा सकते हैं और उनका इस्तेमाल करना बहुत आसान है। मैं एक बेबी स्टोर पर गया और उनसे इसे अपने ऊपर बांधने को कहा और फिर मैंने उनके सामने करीब पांच बार अभ्यास किया।

बॉडीकॉन आउटफिट में अनुष्का सेन दिखी बेहद हॉट

टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी काफी ज्यादा पॉपुलर हैं। उन्होंने बेहद ही कम उम्र में लोगों के बीच अपनी पहचान बना ली है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इस दौरान उनका सेक्सी अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से आहें भरते हुए नजर आ रहे हैं।एक्ट्रेस अनुष्का सेन आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत की थी और अब वो इंडस्ट्री का फेमस चेहरा बन चुकी हैं।वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक झलक पाने के लिए काफी ज्यादा बेताब रहते हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इसमें उनका किलर लुक देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने रेड कलर का आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा गॉर्जियस नजर आ रही हैं।बालों की चोटी बांधकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को बेहद ही खूबसूरत तरीके से निखारा है।एक्ट्रेस भले ही ही इन दिनों किसी टीवी सीरियल में नहीं दिखाई दे रही हैं। लेकिन आए दिन अपनी पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ के अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

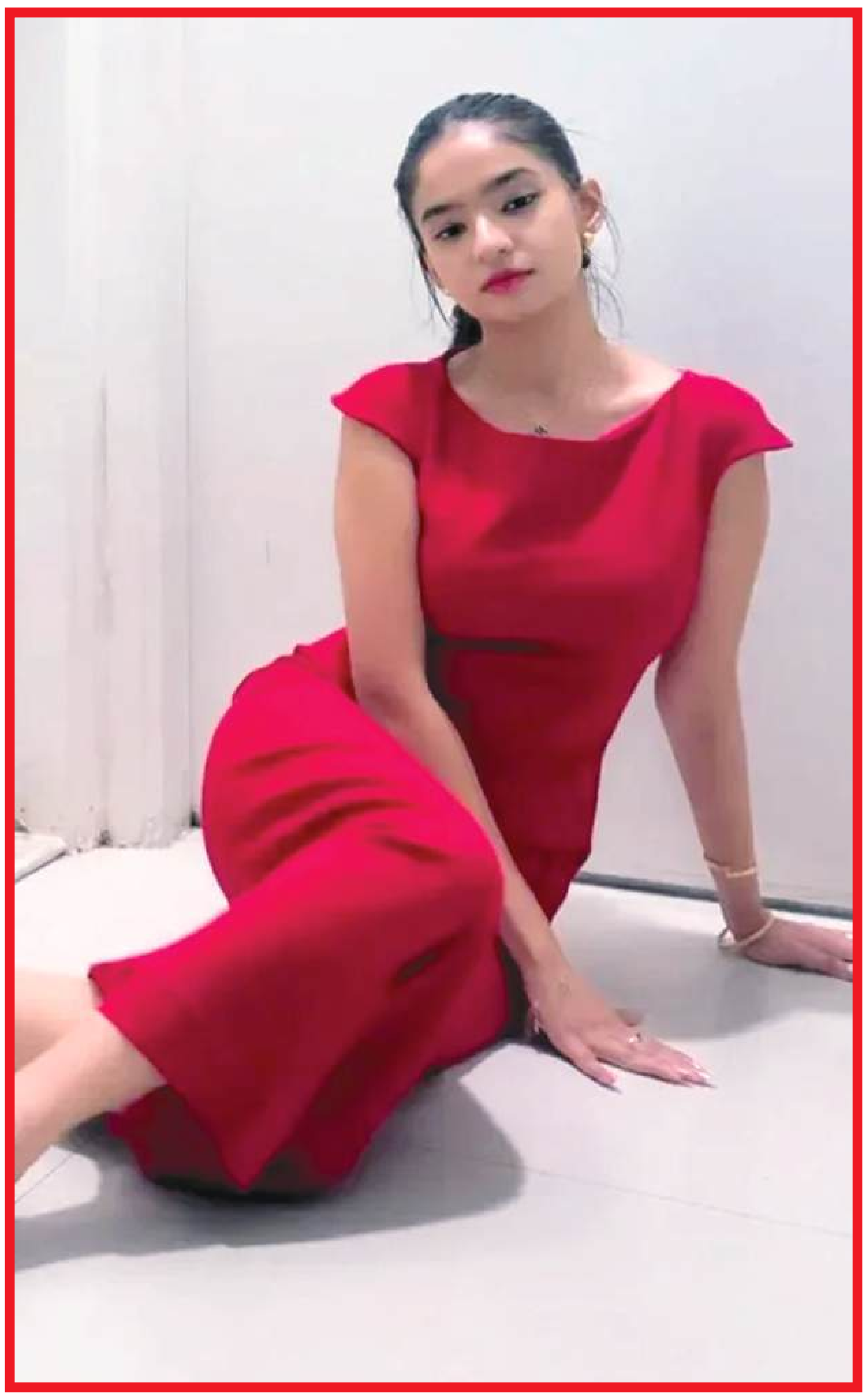

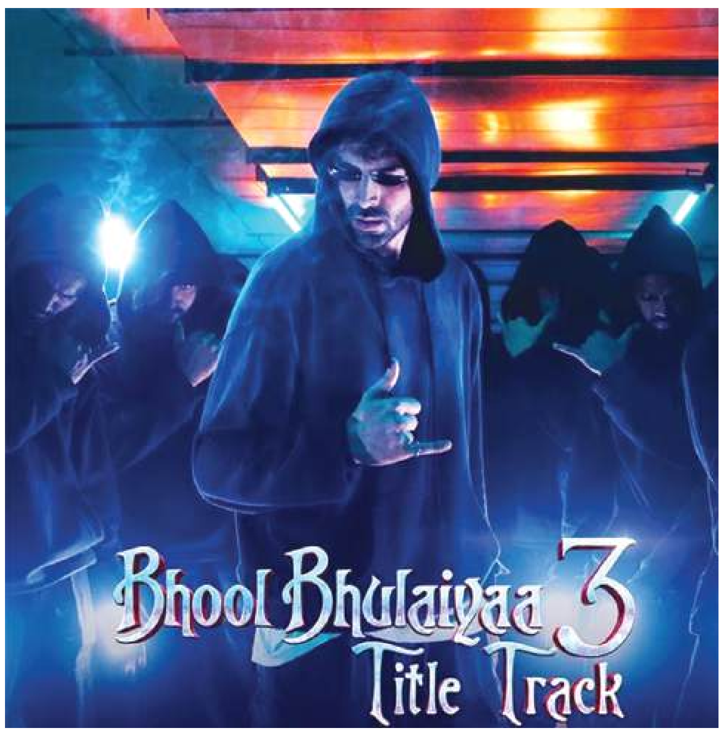

कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 का मुख्य गाना जारी

पिछले लंबे समय से अभिनेता कार्तिक आर्यन अपनी आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस फिल्म में कार्तिक की जोड़ी पहली बार अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के साथ बनी है।इसके अलावा विद्या बालन और माधुरी दीक्षित भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाती हुई नजर आएंगी।अब निर्माताओं ने भूल भुलैया 3 का मुख्य गाना जारी कर दिया है, जिसमें कार्तिक जबरदस्त डांस करते नजर आ रहे हैं।इस गाने को पिटबुल, नीरज श्रीधर और दिलजीत दोसांझ ने साथ मिलकर तैयार किया है।भूल भुलैया 3 इस साल दीवाली के खास मौके पर यानी 1 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन से होगा।भूल भुलैया 3 2007 में आई फिल्म भूल भुलैया की तीसरी किस्त है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अनीस बज्मी ने संभाली है।

कंगना रनौत की इमरजेंसी की रिलीज का रास्ता साफ, मिला सेंसर सर्टिफिकेट

कंगना रनौत की इमरजेंसी की रिलीज के बीच कई उतार चढ़ाव आए लेकिन अब फिल्म की मुश्किलें खत्म होती हुई दिख रही हैं। फाइनली इसे सेंसर बोर्ड ने इमरजेंसी को सर्टिफिकेट दे दिया है। कंगना ने हाल ही में अनाउंस किया कि वे जल्द ही फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करेंगी। कंगना ने इतना प्यार और सपोर्ट दिखाने के लिए अपने फैंस का धन्यवाद किया।कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि उनकी फिल्म इमरजेंसी को सेंसर बोर्ड की तरफ से सर्टिफिकेट मिल गया है और वे जल्द ही रिलीज डेट अनाउंस करेंगी। उन्होंने एक्स पर लिखा- हमें यह अनाउंस करते हुए खुशी हो रही है कि हमारी फिल्म इमरजेंसी को सेंसर सर्टिफिकेट मिल गया है। हम जल्दी ही फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करेंगे। आपके प्यार और सपोर्ट के लिए धन्यवाद।सेंसर बोर्ड ने फिल्म में लगभग 13 कट्स और बदलाव करने को कहा था जिसके लिए मेकर्स राजी हो गए और फिल्म को यूए सर्टिफिकेट के साथ पास किया। हाल ही में खबर आई थी कि इमरजेंसी को पंजाब इलेक्शन के बाद रिलीज किया जा सकता है जो कि 14 नवंबर को होंगे। दरअसल इमरजेंसी का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही सिख कम्यूनिटी इसके विरोध में खड़ी है। इसीलिए इसकी रिलीज डेट 14 नवंबर के बाद रखी जा सकती है।बता दें इमरजेंसी को कंगना ने खुद ही डायरेक्ट किया है और इस फिल्म में उन्होंने भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल प्ले किया है। फिल्म 1975 में देश में लगे आपातकाल के बारे में हैं। पहले इमरजेंसी 14 जून को रिलीज होने वाली थी लेकिन लोकसभा चुनाव के चलते इसकी डेट 6 सितंबर को पोस्टपोन कर दी गई थी। जिसके बाद इसके खिलाफ विवाद खड़ा हो गया और फिल्म रिलीज नहीं हो पाई। लेकिन अब फिल्म से मुसीबत के बादल हट चुके हैं और इसे सेंसर बोर्ड ने सर्टिफिकेट दे दिया है।

सनी देओल के बर्थडे पर नई फिल्म का ऐलान

इस बार हैंडपंप नहीं पंखा लिए खूंखार लुक में आए नजर

सनी देओल अपना 67वां जन्मदिन आज यानी 19 अक्टूबर को मना रहे हैं। इस मौके पर जहां फैंस उन्हें बधाई दे रहे हैं तो वहीं गदर एक्टर ने भी फैंस को रिटर्न गिफ्ट दे दिया है। दरअसल, उन्होंने अपने बर्थडे के मौके पर अपकमिंग फिल्म जाट का पहला लुक फैंस को दिखाया है, जिसमें वह हैंडपंप नहीं बल्कि बड़ा सा पंखा हाथ में लिए गुस्से में नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट को देखने के बाद फैंस भी रिएक्शन देते हुए खूब प्यार बरसा रहे हैं और फिल्म की पहली झलक देखने की बात कह रहे हैं।

गदर 2 की सफलता के बाद सनी देओल ने तेलुगू डायरेक्टर गोपीचंद मालिनेनी के साथ एक्शन ड्रामा के लिए हाथ मिलाया है, जो कि उनका पहला कोलॉब होने वाला है। इसी के चलते जाट के पहले पोस्टर में सनी देओल को यूनिफॉर्म में देखा जा सकता है। वहीं उनके चेहरे पर खूंखार और इंटेंस लुक देखने को मिल रहा है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए सनी देओल ने लिखा, बड़े पैमाने पर एक्शन के लिए राष्ट्रीय परमिट वाले व्यक्ति से मिलवा रहा हूं। सनी देओल जाट के रोल में। मास फीस्ट लोडिंग। इस नए पोस्टर में गदर एक्टर का नया अवतार देख फैंस भी काफी एक्साइटेड हो गए हैं। इसके अलावा डायरेक्टर गोपीचंद ने भी इसी पोस्टर को शेयर करते हुए लिखा, हैप्पी बर्थडे एक्शन सुपरस्टार सनी देओल जी। आपके साथ काम करके सम्मान मिला। और आपको जाट के रुप में पेश करते हुए शुक्रिया इस लाइफटाइम मौके के लिए। बता दें कि खबरे हैं कि जाट 2025 में गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज होगी, जिसके चलते अक्षय कुमार की स्काई फोर्स से फिल्म का क्लैश हो सकता है। हालांकि अभी ऑफिशियल घोषणा होना बाकी है।

आधिकारिक पुष्टि : सुनियोजित था बहराइच में हिंदुओं पर हमला

30 दंगाइयों के घरों पर चलेगा बुलडोजर, नोटिस जारी

बहराइच, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जांच में यह आधिकारिक पुष्टि हो गई है कि बहराइच में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान किया गया हमला सुनियोजित था। बहराइच के महसी तहसील के महाराजगंज कस्बे में हुई हिंसा के मुख्य आरोपी अब्दुल हमीद समेत 30 दंगाइयों के घरों पर बाबा का बुलडोजर गरजेगा। जिन लोगों के घरों पर बुलडोजर चलेगा। उनके नाम सामने आ गए हैं। उनके घरों पर जिला प्रशासन ने नोटिस भी चस्पा कर दी है। लोक निर्माण विभाग ने इन सभी घरों पर अतिक्रमण को लेकर नोटिस चस्पा कर दिया गया। नोटिस चस्पा होने के बाद शनिवार को लोगों ने खुद ही मकान खाली करने शुरू कर दिए।

शुक्रवार की शाम पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड की टीम ने महाराजगंज गांव में हिंसा के नामजद आरोपी अब्दुल हमीद सहित करीब 30 दंगाइयों के घरों की नापजोख की। उनके अवैध पाए जाने पर अतिक्रमण हटाने का नोटिस भी चस्पा किया गया। औपचारिकताएं पूरी कर शीघ्र ही इन घरों और दुकानों पर बुलडोजर की कार्रवाई की जाएगी। सबसे पहले कार्रवाई मुख्य अभियुक्त अब्दुल हमीद के घर पर हो सकती है।

जिन दंगाइयों के घरों पर नोटिस चिपकाया गया है उनमें अब्दुल हमीद, मो. निसार अहमद, दिलशाद, रिहान, इरफान, हबीउल्लाह, अरमान, नदीम, आदिल, जावेद, असलम, रियाज, समी मोहम्मद, बकार, इरशाद, इमरान, जाहिद, दानिश, मसूद अहमद, शरीफ, शमीउल्ला, राजू खां और हुसैन समेत कुछ अन्य लोग शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि बहराइच की महसी तहसील के महाराजगंज कस्बे में बीते रविवार शाम को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन शोभायात्रा में गाने को लेकर हुए विवाद के बाद दूसरे समुदाय के युवकों ने पथराव शुरू कर दिया। इससे दुर्गा प्रतिमा खंडित होने पर पूजा समिति के सदस्यों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया तो दूसरे समुदाय के लोगों ने रामगोपाल मिश्रा (24) की हत्या कर दी। घटना का पूरे जिले में विरोध शुरू हो गया था। विसर्जन कमेटी के लोगों ने बहराइच-सीतापुर हाईवे पर चहलारी घाट पुल के पास जाम लगा प्रदर्शन शुरू कर दिया। बहराइच-लखनऊ हाईवे भी जाम कर दिया गया। पुलिस-प्रशासन की नाकामी से ही बहराइच में हिंसा भड़की। प्रतिमा विसर्जन के दिन सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी थे। हैरानी यह है कि सोमवार को दूसरे दिन भी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम करने में अफसर नाकाम साबित हुए। इसलिए दूसरे दिन बवाल, तोड़फोड़ और आगजनी हुई। पूरे मामले में पुलिस का खुफिया तंत्र फेल रहा। शहर में हर साल प्रतिमा विसर्जन होता है, जिसमें डीजे के साथ शोभायात्रा निकाली जाती है। ऐसे में पुलिस अफसरों की जिम्मेदारी थी कि वह सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करते। क्योंकि यात्रा का रूट पहले से ही तय होता है। लेकिन, बहराइच पुलिस और प्रशासन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। यही वजह है कि जब बवाल शुरू हुआ तो पुलिस बल नाकाफी साबित हुआ। उपद्रवी हावी हो गए। उन्होंने जो चाहा वही किया। गोपाल मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी।

मस्जिद से हुआ था ऐलान: जो दिखे, काट डालो

बहराइच, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले के महराजगंज कस्बे में 13 अक्टूबर को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई हिंसा ने पूरे इलाके को दहला दिया। इस हिंसा में कई लोग घायल हुए, जिनमें विनोद मिश्रा और उनके दिव्यांग भाई सत्यवान मिश्रा भी शामिल हैं। विनोद का हाथ टूट गया है और उनका सिर भी गंभीर रूप से घायल हुआ है। वहीं, उनके भाई सत्यवान, जो 90 प्रतिशत दिव्यांग हैं, भी इस हिंसा में बुरी तरह से घायल हो गए। इलाज के बाद अब दोनों अपने घर लौट आए हैं, लेकिन इस घटना ने उनके दिलों में गहरी चोट छोड़ी है। विनोद और सत्यवान ने बताया कि उस दिन वे दुर्गा प्रतिमा विसर्जन में शामिल थे और डीजे के ठीक पीछे खड़े थे। अचानक अब्दुल हमीद के परिवार की ओर से डीजे पर बज रहे गाने पर आपत्ति जताई गई। जब डीजे नहीं रोका गया, तो डीजे ऑपरेटर को गालियां दी गईं और थप्पड़ मारा गया। इसके बाद डीजे की लीड खींच ली गई और दुर्गा प्रतिमा पर पत्थरबाजी शुरू हो गई, जिससे मूर्तियां खंडित हो गईं। इस घटना के बाद तनाव बढ़ गया और हिंसा फैल गई। हिंसा फैलने के बाद मस्जिद से ऐलान सुनाई पड़ा कि जो भी हिंदू दिखे उसे काट डालो। यह ऐलान खुलेआम होता रहा, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

समाजवादी पार्टी के विधायकों ने खूब किया बवाल

जीते खुद के बूते तो श्रेय अखिलेश यादव को क्यों?

कानपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जीत का श्रेय अखिलेश यादव को देने पर सपा विधायकों ने खूब बवाल किया। विधायकों का कहना था कि वे अपने बूते चुनाव जीते तो जीत का श्रेय अखिलेश यादव को क्यों दिया जा रहा है।

इसे लेकर कानपुर में हुई समाजवादी पार्टी की बैठक में जमकर हंगामा हुआ। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल और महानगर अध्यक्ष फजल महमूद से विधायक अमिताभ और हसन रूमी भिड़ गए। महानगर अध्यक्ष के उंगली दिखाने पर विधायक ने कहा, तमीज से बात करो।

कानपुर की सीसामऊ विधानसभा सीट पर उपचुनाव में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए शुक्रवार को सपा की समीक्षा बैठक हंगामे की भेंट चढ़ गई। यहां सपा विधायकों, प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों के बीच जमकर बहस हुई। पहले पार्टी के आर्यनगर क्षेत्र के विधायक अमिताभ बाजपेई अपने प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की बात पर उखड़ गए। इसके बाद महानगर अध्यक्ष फजल महमूद ने कहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव के प्रचार के आखिरी दिनों में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के महानगर आने से कैंट की हारी हुई सीट पार्टी की जीत में बदल गई। इस बात से कैंट के सपा विधायक मोहम्मद हसन रूमी भी भड़क उठे। महानगर अध्यक्ष फजल महमूद उंगली दिखाकर बात करने से मामला और बिगड़ गया। इस पर विधायक अमिताभ बाजपेई और हसन रूमी ने कहा कि तमीज से बात करो।

विधायकों का विरोध देखते हुए उनके समर्थकों ने भी मंच पर आकर नारेबाजी शुरू कर दी। बैठक में रूमी का कहना था कि उनकी जीत को सिर्फ राष्ट्रीय अध्यक्ष के आने से क्यों जोड़ रहे हैं।

अमिताभ बाजपेई ने प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल से कहा कि समीक्षा बैठक में ऐसी बातें नहीं की जानी चाहिए।

दरअसल, जिस समय प्रदेश अध्यक्ष सीसामऊ उप चुनाव को लेकर बनाई गई पदाधिकारियों की टीम की सूची लेकर समीक्षा कर रहे थे उसी समय अमिताभ बाजपेई ने माइक से बोला कि जिन पदाधिकारियों की सूची प्रदेश अध्यक्ष लेकर आए हैं, वही सूची जिला और पुलिस प्रशासन के पास भी। उन सभी को प्रशासन की ओर से परेशान किया जा रहा है। ऐसे में समीक्षा बैठक खुले में नहीं बंद कमरे में की जानी चाहिए।

इस पर प्रदेश अध्यक्ष ने अमिताभ से कहा कि यहां इस तरह की बात मत कीजिए। इस पर अमिताभ ने हाथ में पकड़े हुए माइक को झटके से टेबल पर फेंकने की स्टाइल में रख दिया और वहां से बाहर आ गए। उनके साथ उनके समर्थक भी नारेबाजी करते हुए निकल आए। इस मामले में महानगर अध्यक्ष फजल महमूद और राष्ट्रीय सचिव अपर्णा जैन ने दोनों विधायकों पर दोष मढ़ते हुए इसकी शिकायत राष्ट्रीय अध्यक्ष से करने की बात कही।

सपा के महानगर अध्यक्ष फजल महमूद ने कहा, पार्टी के दोनों विधायकों को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की वजह से 2022 और लोकसभा चुनाव में सपा को बढ़त और जीत मिलने की बात करना अच्छा नहीं लगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष की तारीफ करना इन्हें क्यों बुरा लगा, यह पता नहीं, लेकिन यह पार्टी के लिए ठीक नहीं है।

इसकी शिकायत ऊपर की जाएगी। सपा की राष्ट्रीय सचिव अपर्णा जैन ने कहा, विधायक हसन रूमी को लगता है कि विधानसभा चुनाव में उनकी जीत उनके स्वयं की वजह से हुई है, इसमें पार्टी और राष्ट्रीय अध्यक्ष का कोई योगदान नहीं है। यही वजह है कि जब राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव प्रचार में आने से सपा के तीन प्रत्याशियों के जीतने की बात मंच से की जा रही थी, तब हसन रूमी विरोध करने लगे।

दीपावली की सौगात देने वाराणसी पहुंचेंगे प्रधानमंत्री मोदी

6,611.18 करोड़ की 23 परियोजनाओं का होगा लोकार्पण

वाराणसी,19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को दीपावली की सौगात देने के लिए रविवार को वाराणसी पहुंचेंगे। अपने सांसद का ग्रैंड वेलकम करने के लिए काशी तैयार है। तीसरी बार वाराणसी से सांसद और प्रधानमंत्री बनने के बाद काशी को पीएम मोदी विकास की परियोजनाओं की सौगात देंगे। काशी से ही देश को 6,611.18 करोड़ की 23 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करके देशवासियों को सौगात देंगे ।

प्रधानमंत्री स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, धर्म, पर्यटन से रोजगार, आवास, विमानन जैसी कई सुविधाओं का लोकार्पण करके जनता को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री वाराणसी एयरपोर्ट के विस्तारीकरण व नए टर्मिनल भवन की नींव भी रखेंगे। वह आरजे शंकरा नेत्र चिकित्सालय को आमजन के लिए लोकार्पित करेंगे और सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम में 20 हजार से अधिक लोगों से संवाद करेंगे।

प्रधानमंत्री श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा संस्कृत विद्यालयों और अस्पतालों में तीमारदारों के लिए शुरू की गई निःशुल्क भोजन व्यवस्था की घोषणा मंच से कर सकते है। कार्यक्रम के अंतर्गत, करीब 1 बजे पीएम वाराणसी पहुंचेंगे और लगभग 6 बजे काशी से रवाना हो जाएंगे। प्रधानमंत्री की अगवानी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल करेंगी। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री समेत कई केंद्रीय और कैबिनेट मंत्रियों के मौजूद रहने की भी संभावना है। सिविल एविएशन, ओलंपिक संघ आदि के पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाबतपुर इंटरनेशल एयरपोर्ट से हरहुआ गाजीपुर रिंग रोड स्थित शंकरा नेत्रालय के उद्घाटन के बाद सड़क मार्ग से सिगरा स्थित स्पोर्ट्स कांप्लेक्स पहुंचकर परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री एक बड़ी जनसभा को सिगरा स्टेडियम में सम्बोधित करेंगे। इसमें प्रमुख रूप से खिलाड़ी, खेल प्रेमी, बुद्धजीवि, प्रबुद्धजनों, जनप्रतिनिधि और भाजपा कार्यकर्ता रहेंगे।

यूपी विधानसभा उपचुनाव को लेकर सीएम योगी ने कहा

जीतेंगे सभी सीटें, जरूरी है लोगों से संवाद और बूथ प्रबंधन

लखनऊ, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपमुख्यमंत्री, जिलों के प्रभारी मंत्री और भाजपा संगठन के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान उपचुनाव को लेकर व्यापक विचार विमर्श हुआ और रणनीतियां तैयार की गईं। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी 9 सीटों पर उपचुनाव को जीतने के लिए मंत्रियों और पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां भी निर्धारित किया। बैठक के दौरान मंत्रियों और पदाधिकारियों के बीच आपसी समन्वय को और अधिक मजबूत करने पर जोर दिया गया। यह भी तय हुआ कि उपचुनाव में पार्टी का कोई भी नेता अपने निर्धारित क्षेत्र में

जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में कोई कमी न छोड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपचुनाव जीतना केवल चुनावी सफलता नहीं बल्कि जनता के विश्वास की जीत होगी, इसलिए हर सीट पर जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम किया जाना चाहिए।

सीएम योगी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक चुनाव प्रबंधन को मजबूती से संभालने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में हर सीट महत्वपूर्ण है और इसके लिए बूथ स्तर पर सटीक प्रबंधन और निगरानी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने नेताओं को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रहने और जमीनी स्तर पर लोगों के बीच जाकर चौपाल लगाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि चौपाल के माध्यम से जनता की समस्याओं को समझा जाए और उनका समाधान किया जाए जिससे लोगों का विश्वास पार्टी में बढ़े। बैठक में मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि प्रभारी मंत्री और पदाधिकारी उन जिलों में अधिक समय बिताएं जहां उपचुनाव हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में जाकर लोगों से सीधा संवाद स्थापित करें, उनकी समस्याओं को सुनें और त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। जिलों के स्थानीय पदाधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर चुनावी तैयारियों को और सुदृढ़ किया जाए।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने भी पार्टी की तैयारियों का जायजा लिया और सभी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि पार्टी सभी 9 सीटों के लिए पूरी तैयारी कर चुकी है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी। चौधरी ने विश्वास जताया कि पार्टी न सिर्फ 9 घोषित सीटों पर विजय प्राप्त करेगी बल्कि जल्द ही दसवीं सीट भी घोषित होगी और वह भी भाजपा के खाते में ही जाएगी। जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होने हैं उसमें 5 सपा और 5 एनडीए गठबंधन के पास थी। भाजपा के खाते में 3 सीट थी।

एक आरएलडी के पास थी और एक निषाद पार्टी के पास थी। कटेहरी, करहल, सीसामऊ, कुंदरकी सीट सपा ने 2022 में जीती थी। अयोध्या की मिल्कीपुर सीट भी सपा के खाते में थी। जिस पर अभी तारीख नहीं आई है। इसके अलावा फूलपुर, मझवां, गाजियाबाद सदर, खैर, मीरापुर सीट पर उपचुनाव होना है। बैठक में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सूर्यप्रताप शाही समेत राज्य के कई वरिष्ठ मंत्री और प्रभारी मंत्री समेत भाजपा के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अनूठी पहल

जीवंत हुईं संगम नगरी की दीवारें

10 लाख स्कायर फीट क्षेत्र में उकेरी जा रही सनातन संस्कृति

प्रयागराज, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अनूठी पहल ने संगम नगरी को एक बड़े कैनवास में तब्दील कर दिया है। महाकुंभ- 2025 के लिए प्रयागराज की दीवारों को धर्म, संस्कृति और आस्था के रंगों से सराबोर किया जा रहा है। प्रयागराज और देशभर से आए कलाकार दिन-रात सनातन धर्म से जुड़े प्रतीकों को दीवारों पर उकेर रहे हैं। 10 लाख स्कायर फीट से भी बड़े क्षेत्र में महाकुंभ-2025 के लिए पेंटिंग्स तैयार की जा रही हैं।

इंदौर की अर्चना जाधव की 70 लोगों की टीम दिन-रात दीवारों पर पेंटिंग बनाने में जुटी हैं। अर्चना अक्टूबर के पहले सप्ताह में

प्रयागराज आ गई थीं। वो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद देते हुए कहती हैं कि योगी जी की ओर से यह ऐसा कार्य कराया जा रहा है, जो दिव्य भी है और नव्य भी है। उनकी टीम म्यूरल पेंटिंग, 3डी आर्ट, मधुबनी आर्ट आदि पर काम कर रही है। नटराज की नृत्य करती 108 मुद्राएं भी उनकी टीम ने दीवारों पर बनाई हैं। अर्चना बताती हैं कि रामायण को दीवारों पर उकेरा जा रहा है। भगवान राम, माता सीता, हनुमान आदि को दर्शाते हुए पूरी रामायण दीवारों पर बनाई जा रही है। फाइन आर्ट्स के स्टूडेंट्स के अलावा कुछ मूक-बधिर युवा भी दीवारों पर पेंटिंग बना रहे हैं। अर्चना की टीम विशेष रूप से सनातन संस्कृति को बढ़ावा देते चित्रों को बना रही है। अर्चना बताती हैं कि नवंबर के अंत तक वो अपनी पेंटिंग्स को पूरा कर लेंगी। अर्चना की टीम में प्रयागराज के अलावा सुल्तानपुर, अयोध्या, बनारस, राजस्थान, मध्य प्रदेश आदि के छात्र काम में जुटे हुए हैं। सभी को पारिश्रमिक मिलता है।

पुणे के अमित दरस्तवार महाकुंभ मेला क्षेत्र में दीवारों पर सनातन के प्रतीकों की पेंटिंग्स बना रहे हैं। उनकी 10 लोगों की टीम गंगा माता, जीव-जंतुओं, साधुओं की रियलिस्टिक पेंटिंग, वाद्य यंत्र, हिंदू धर्म के चिन्ह आदि पर काम कर रहे हैं। अमित की टीम ने मेला प्राधिकरण के कार्यालय की दीवारों पर बेहद सुंदर चित्र बनाए हैं। समुद्र मंथन, सप्त ऋषि आदि की पेंटिंग भी दीवारों के साथ फ्लाईओवर, पिलर्स पर बनाई जा रही हैं।

दीवारों पर पेंटिंग्स कितने दिनों तक सुरक्षित रहेंगी, के सवाल पर अर्चना जाधव कहती हैं कि दो साल तक पेंटिंग्स अपने मूल स्वरूप में बनी रह सकती हैं, यदि लोग उन्हें नुकसान न पहुंचाएं।वैसे यह पेंटिंग्स पांच साल तक भी सुरक्षित रहेंगी, यदि इनका सही से रख-रखाव किया जाए। संगम नगरी की दीवारों को जीवंत कर रहे अर्चना, अमित, अनामिका, सुभाषना, नेहा जैसे युवा कलाकार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस पहल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब देश-दुनिया से श्रद्धालु महाकुंभ में आएंगे तो सनातन संस्कृति, रामायण, भगवान राम, श्रीकृष्ण, भोलेनाथ, सनातन संस्कृति, हिंदू धर्म से जुड़े प्रतीकों को देखकर योगी जी का हृदय की गहराइयों से धन्यवाद देंगे।

वर्ष 2019 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर अर्द्ध कुंभ के दौरान भी हजारों छात्रों, आम नागरिकों और पेंटर्स ने 8 घंटे तक लगातार पेंटिंग वॉल पर हाथों के रंग-बिरंगे छाप से जय गंगे थीम की पेंटिंग बनाई थी, जो गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड दर्ज हुआ था।

रेप के झूठे इल्जाम में युवक ने काटी 4 साल सजा

सच सामने आने पर कोर्ट ने युवती को भेजा जेल

बरेली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बरेली का एक युवक चार साल से रेप के झूठे इल्जाम में जेल की सजा काट रहा था। कोर्ट को जब संदेह हुआ तो इल्जाम लगाने वाली युवती से सवाल-जवाब किया गया और सच सामने आने पर युवक को बाइज्जत बरी करते हुए उस लड़की को जेल की सजा सुनाई गई। कोर्ट ने कहा कि बेगुनाह युवक को जितनी सजा झूठे इल्जाम में काटनी पड़ी है उतनी ही ये लड़की भी काटेगी। साथ ही पीड़ित युवक को 5 लाख रुपए दिए जाने का भी निर्देश दिया।

कोर्ट ने कहा कि जितना समय युवक जेल में रहा अगर वह बाहर रहता और मजदूरी करता तो इतने समय में वह पांच लाख से अधिक कमा चुका होता। ऐसे में ये रकम इसी युवती से वसूल करके निर्दोष लड़के को दी जाए। अगर युवती इसे देने से मना करे तो उसकी सजा 6 महीने और बढ़ा दी जाए। कोर्ट के इस फैसले के बाद पीड़ित अजय उर्फ राघव खुश तो हैं लेकिन उन्हें यही लग रहा है कि ऐसे इल्जाम अदालतों में खत्म हो जाते हैं लेकिन समाज उन्हें उसी नजर से देखता रहता है।

राघव ने बताया, यह मामला 2019 में शुरू हुआ था। सावन के कार्यक्रम के लिए युवती अपनी बड़ी बहन के साथ उनके पास आई और कहा कि उन्हें भी कार्यक्रम सीखना है। इसके लिए अजय उस युवती के घर जाते थे और जब प्रोग्राम होता था तब नीतू के पति भी साथ होते थे। मां और भाई को भी पता था कि इस उद्देश्य से आना जाना है। अजय बताते हैं कि एक बार उनकी मां की तबीयत खराब हुई तो वो सबको बताकर गए कि उन्हें अपनी मां के पास जाना है। अजय के अनुसार, जिस दिन उन्होंने ये बताया उसी दिन युवती खुद भी गायब हो गई।

आईएसएल : ईस्ट बंगाल पर दबदबा बरकरार रखने उतरेगा मोहन बागान सुपर जायंट

कोलकाता, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सिटी ऑफ जॉय विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (साल्ट लेक स्टेडियम) में एक और प्रतिष्ठित कोलकाता डर्बी का गवाह बनने जा रहा है, जब मोहन बागान सुपर जायंट सुपर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी ईस्ट बंगाल पर दबदबा बरकरार रखने के लिए उतरेगा।

दोनों क्लबों को इस आईएसएल सीजन में की शुरुआती चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। ईस्ट बंगाल एफसी अकेली टीम है जो अपने चारों मैच हारी है, जबकि मैरिनर्स ने आक्रामक कौशल दिखाया है लेकिन वे अब तक खेले चार मैचों में सात गोल खाकर रक्षात्मक रूप से लडखड़ा रहे हैं।

मोहन बागान मोहम्मडन एससी पर 3-0 की जीत के बाद मैदान पर उतरेगा। स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना का लक्ष्य इस सीजन में पहली बार लगातार जीत और क्लीन शीट पाना होगा।

मोहन बागान ने 2024 में अपने 12 घरेलू आईएसएल मैचों में से प्रत्येक में गोल दागा है, उनमें से 11 मैचों में कम से कम दो गोल किए हैं। उन्होंने 2024 में साल्ट लेक स्टेडियम में 29 गोल किए हैं।

वहीं, ईस्ट बंगाल एफसी मैरिनर्स के खिलाफ अपने पिछले आठ आईएसएल मुकाबलों में जीत से दूर है और हर मुकाबले में कम से कम दो गोल खाए हैं। रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड अभी भी सीजन की अपनी पहली जीत की तलाश में है।

मोहन बागान सुपर जायंट के स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना ने मोहम्मडन स्पोर्टिंग के खिलाफ हालिया जीत पर विश्वास जताया है, और आश्वासन दिया कि मैच में क्या होगा, अब वो ही मायने रखता है।

उन्होंने कहा, हमने कुछ दिनों तक आराम किया। अब, हमारे खिलाड़ी पूरी तरह से तैयार हैं। मेरा मानना है कि हम पिछले मैच के बाद अच्छी स्थिति में हैं। लेकिन अब, महत्वपूर्ण मैच है और हमारा ध्यान उसी पर केंद्रित है।

ईस्ट बंगाल एफसी के रणनीतिकार बिनो जॉर्ज ने इस सीजन में मजबूत टीम तैयार करने के लिए प्रबंधन की सराहना की।

उन्होंने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम अपनी योजनाओं पर टिके रहेंगे। प्रबंधन ने इस बार एक अच्छी टीम बनाई है। अब बतौर कोच योजना बनाना हमारा काम है। हम अपना 100 प्रतिशत देंगे।

न्यूज ब्रीफ

एशिया-पैसिफिक एमेच्योर टीम चैंपियनशिप: कार्तिक सिंह के प्रदर्शन से भारत 8वें स्थान पर पहुंचा

है फोंग। भारतीय गोल्फर कार्तिक सिंह के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत एशिया-पैसिफिक एमेच्योर टीम

चैंपियनशिप में भारत आठवें स्थान पर रहा। कार्तिक ईवन पार 72 के स्कोर के साथ व्यक्तिगत स्पर्धा में दसवें स्थान पर रहे,जबकि रोहित (77) और अनंत सिंह अहलावत (76) दोनों संयुक्त 25वें स्थान पर रहे। कार्तिक ने पांच बर्डी और पांच बोगी तथा दस पार के साथ शानदार प्रदर्शन किया और सप्ताह के लिए कुल 2-अंडर स्कोर किया। यह एक और बेहतरीन प्रदर्शन था और वह भारतीय गोल्फ संघ द्वारा उन पर जताए गए भरोसे को सही साबित कर रहा है। वियतनाम व्यक्तिगत और टीम प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान पर है। गुयेन एनह मिन्ह ने वियतनाम को ऐतिहासिक जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विंपर्ल है फोंग में चार दिनों के दौरान, एनह मिन्ह ने विश्व एमेच्योर गोल्फ रैंकिंग में 84वें स्थान पर रहते हुए 57 खिलाड़ियों के बीच सर्वोच्च रेटिंग वाले खिलाड़ी के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को बनाए रखा। 71, 67, 71 और समापन 67 के राउंड के साथ, एनह मिन्ह ने 12-अंडर कुल 276 के स्कोर के साथ समापन किया। उन्होंने पूरे सप्ताह केवल तीन बोगी की, दो पहले दिन और एक राउंड तीसरे में। व्यक्तिगत स्टैंडिंग में, वे दूसरे स्थान पर रहने वाले ऑस्ट्रेलियाई डेक्लान ओ'डोनोवन से दो शॉट आगे रहे, जिन्होंने छह-अंडर 66 के साथ समापन किया, जो सप्ताह का सर्वश्रेष्ठ राउंड था। न्यूजीलैंड के रॉबी टर्नबुल आठ अंडर 280 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे, उनके बाद जापान के ताइशी मोटो (281) और मलेशिया के एंसन येओ (282) का स्थान रहा। पारंपरिक एशिया-प्रशांत गोल्फ़िंग दिग्गजों जापान, कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की चुनौतियों को मात देते हुए, वियतनामी तिकड़ी एनह मिन्ह, ले खान हंग और हो एनह हुई ने एक शानदार जीत के साथ रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। एनह मिन्ह के 67 और एनह हुई के 69 के अंतिम राउंड की बदौलत, वियतनाम ने इस इवेंट में अंतिम दिन आठ-अंडर 136 का टीम स्कोर बनाया, जिसमें प्रत्येक तीन-सदस्यीय टीम में दो सर्वश्रेष्ठ दैनिक स्कोर गिने जाते हैं। खान हंग, जिनका तीसरे दिन 69 का स्कोर निर्णायक साबित हुआ, ने पांच-ओवर 77 के साथ समापन किया। 20-अंडर 556 के कुल स्कोर के साथ वियतनाम ने गत चैंपियन और नोमुरा कप के 10 बार के विजेता जापान, से तीन स्ट्रोक की बढ़त हासिल की।

बीसीबी ने प्रमुख कोच हथरुसिंघे को पद से हटाया, मारपीट और शर्तो के उल्लंघन करने के लगाए आरोप

ढाका। खिलाडी के साथ मारपीट और कदाचार के आरोप में दो दिन पहले हुए निलंबन के बाद बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने टीम के प्रमुख कोच चंडिका हथरुसिंघे को पद से हटा दिया है। यह निलंबन मैदान पर मौजूद उनके व्यवहार और रोजगार शर्तों के उल्लंघन के आधार पर किया गया है। चंडिका के स्थान पर फिल सिमंस को फरवरी 2025 में होने वाली आगामी चैंपियंस ट्रॉफी तक टीम का प्रमुख कोच नियुक्त किया गया है। बीसीबी के अध्यक्ष फारूक अहमद ने कहा कि हथुरुसिंघे ने बंगलादेश के एक क्रिकेटर के साथ मारपीट की और अपने अनुबंध में उल्लेखित से अधिक छुट्टियां लीं। बोर्ड ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर कदाचार के दो मामलों पर स्पष्टीकरण मांगा था। हथुरुसिंघे ने अगले दिन प्रतिक्रिया दी जिसके बाद गुरुवार को स्थिति की समीक्षा के लिए एक आपातकालीन बोर्ड बैठक बुलाई गई।

एक ही ओवर में लगातार लिए पांच विकेट, पार्कर ने किया कारनामा

नई दिल्ली। क्रिकेट मैच के दौरान एक ही ओवर में पांच लगातार गेंद पर पांच विकेट लेते गेंदबाज के बारे में

आपने कभी नहीं सुना होगा। आस्ट्रेलिया में 116 साल के क्रिकेट इतिहास में ये पहली बार देखने को मिला, जब ग्लेन पार्कर नाम के गेंदबाज ने ये कारनामा कर दिखाया। विक्टोरियन सब-डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन में गेंदबाज ग्लेन पार्कर ब्राइटन के लिए खेल रहे थे और सामने थी हूपर्स क्रॉसिंग की टीम। शुरुआती ओवर्स से ब्राइटन के गेंदबाजो की जमकर पिटाई हो रही थी तभी वो हुआ जो अकल्पनीय था ब्राइटन टीम के कप्तान पैट कैसेडी ने गेंदबाजी के लिए ग्लेन पार्कर को बुलाया। ग्लेन पार्कर ने एक ही ओवर में, लगातार पांच गेंदों में अविश्वसनीय रूप से पांच विकेट लिए। ये इतिहास रचने के बाद ग्लेन पार्कर से जब पुछा गया कि उन्होंने क्या खास किया तो पार्कर ने कहा कि वो सही जगह गेंद को गिरा रहे थे और बाकी बल्लेबाजी लगातार उनको गलत लाइन में खेलते चले गए। ये क्रिकेट इतिहास की पहली ट्रिपल हैट्रिक थी आज तक फर्स्ट क्लास क्रिकेट में इससे पहले ये कारनामा नही हुआ था। मैच की पहली गेंद पर बल्लेबाज कैच हुआ बाकी दो बल्लेबाज बोल्ड और दो एलबीडब्ल्यू आउट हए। गेंदबाजी के लिए वैसे भी आस्ट्रेलिया स्वर्ग माना जाता रहा है और ऐसे में फर्स्ट क्लास क्रिकेट के कुछ अनोखे रिकार्ड कंगारू गेंदबाजो के नाम अगर नजर आए तो चौंकिएगा मत।

आईएमएल की गवर्निंग काउंसिल में सुनील गावस्कर, शॉन पोलक, सर विवियन रिचर्ड्स शामिल

मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) ने अपनी गवर्निंग काउंसिल के गठन की घोषणा की है, जिसमें क्रिकेट की तीन महान हस्तियाँ लीग कमिश्नर सुनील गावस्कर, सर विवियन रिचर्ड्स और शॉन पोलक शामिल हैं। ये तीनों खिलाड़ी आईएमएल की रणनीतिक दिशा, नियमों और संचालन की देखरेख करेंगी।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग का पहला संस्करण 17 नवंबर से 8 दिसंबर, 2024 तक खेला जाएगा, जिसमें नवी मुंबई का डी.वाई. पाटिल स्टेडियम शुरुआती चरण की मेजबानी करेगा। लखनऊ और रायपुर अन्य दो स्थान होंगे, जिनमें रायपुर फाइनल की मेजबानी करेगा।

क्रिकेट के अग्रणी और टेस्ट में 10,000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज, सुनील गावस्कर अपने चतुर क्रिकेट दिमाग और खेल की अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं।

गावस्कर ने एक विज्ञप्ति में कहा, गवर्निंग काउंसिल के सदस्यों के रूप में हमारा ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होगा कि अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग क्रिकेट की भावना के प्रति सच्ची बनी रहे, जबकि वैश्विक स्तर पर प्रशंसकों को मनोरंजन प्रदान किया जाए। आईएमएल न केवल खेल के महारथियों के लिए एक श्रद्धांजलि है, बल्कि उन प्रशंसकों के लिए एक उत्सव भी है जो अपने नायकों को संजोना जारी रखते हैं।

सर विव रिचर्ड्स, जो अब तक के सबसे विध्वंसक बल्लेबाजों में से एक हैं, 1970 और 1980 के दशक में क्रिकेट पर छाई वेस्टइंडीज टीम के अभिन्न सदस्य थे। वे सीमित ओवरों के खेल में अपने समय से आगे के खिलाड़ी थे और उनकी कप्तानी में वेस्टइंडीज एक भी टेस्ट सीरीज़ नहीं हारी।

आईएमएल की गवर्निंग काउंसिल में शामिल होने पर सर विवियन रिचर्ड्स ने कहा, आईएमएल एक अविश्वसनीय मंच है जो प्रशंसकों को खेल के पिछले महारथियों को फिर से एक्शन में देखने का अनूठा रोमांच प्रदान करेगा। मैं गवर्निंग काउंसिल का हिस्सा बनने और इस अभिनव लीग को सफलता की ओर ले जाने में मदद करने के लिए उत्साहित हूँ।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और अब तक के सबसे सफल ऑलराउंडरों में से एक शॉन पोलक,

आईएमएल गवर्निंग काउंसिल के सदस्य के रूप में अपने अनुभव और बहुमुखी प्रतिभा को सामने लाएंगे।

पोलक ने कहा, क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के साथ गवर्निंग काउंसिल का हिस्सा बनना शानदार है। आईएमएल उन महान खिलाड़ियों के कौशल और क्लास का आनंद लेने का एक मौका है, जिन्होंने वर्षों से इतने सारे प्रशंसकों का मनोरंजन किया है। वे नई पीढ़ी को भी प्रेरित करेंगे। मैं उम्मीद करता हूं कि मैं लीग को सभी के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बनाने के लिए अपनी भूमिका निभाऊंगा।

भारत ए के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वापसी के लिए तैयार ईशान किशन

नई दिल्ली। ईशान किशन को इस साल की शुरुआत में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था, क्योंकि उन पर घरेलू क्रिकेट की तुलना में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को प्राथमिकता देने का आरोप था। अब वे भारत ए टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। वर्तमान में झारखंड की अगुआई कर रहे किशन ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो चार दिवसीय मैचों और सीनियर राष्ट्रीय टीम के साथ एक इंट्रा-स्क्वाड मैच में खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो टेस्ट 31 अक्टूबर से 3 नवंबर तक मैके में और 7 से 10 नवंबर तक एमसीजी में होने हैं। हालांकि बीसीसीआई ने अभी तक टीम की पुष्टि नहीं की है, लेकिन रुतुराज गायकवाड़ या अभिमन्यु ईश्वरन के टीम की कप्तानी करने की उम्मीद है।

चामिका करुणारत्ने की जगह ऑलराउंडर चामिंडू टीम में शामिल

पल्लेकल, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चामिका करुणारत्ने की जगह तेज गेंदबाज ऑलराउंडर चामिंडू विक्रमसिंघे को वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी तीन मैचों की श्रृंखला के लिए श्रीलंका की टीम में शामिल किया गया है। श्रीलंका ने स्पिन आक्रमण में जेफरी वेंडरसे को भी शामिल किया है जिसकी अगुआई महेश थीक्षाना और वानिंदू हसरंगा करेंगे। वेंडरसे और वेलालेज अतिरिक्त विकल्प प्रदान करेंगे। विक्रमसिंघे को पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20आई टीम में शामिल किया गया था लेकिन जब स्पिन के अनुकूल सतहें आम हो गईं, तो उनकी जगह डुनिथ वेलालेज को शामिल किया गया। तेज गेंदबाजी विभाग में मोहम्मद शिराज ने अपनी जगह बरकरार रखी है। इस बीच दिलशान मदुशंका चोट के कारण वेस्टइंडीज टी20आई श्रृंखला से बाहर रहने के बाद वापस लौटे हैं। हालांकि, वेस्टइंडीज के खिलाफ तीनों टी20आई खेलने वाले युवा तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को एकदिवसीय टीम से बाहर रखा गया है। असिथा फर्नांडो तेज गेंदबाजी आक्रमण को पूरा करेंगे। श्रीलंका की बल्लेबाजी इकाई हाल के मैचों से अपरिवर्तित है, जिसमें कप्तान चरिथ असलांका टीम की अगुआई कर रहे हैं। टीम में अनुभवी खिलाड़ी अविष्का फर्नांडो, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस और सदीरा समरविक्रमा शामिल हैं जबकि कामिंडु मेंडिस, जनिथ लियानागे और निशान मदुश्का जैसे खिलाड़ी गहराई और बहुमुखी प्रतिभा जोड़ते हैं। तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला 20 अक्टूबर से शुरू होगी, जिसके सभी खेल पल्लेकेले में खेले जाएंगे। श्रीलंका वनडे टीम में चैरिथ असलांका (कप्तान), अविष्का फर्नांडो, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कामिंडु मेंडिस, जेनिथ लियानाज, सदीरा समरविक्रमा, निशान मदुश्का, डुनिथ वेलालेज, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, जेफरी वेंडरसे, चामिंडु विक्रमसिंघे, असिथा फर्नांडो, दिलशान मदुशंका, मोहम्मद शिराज को शामिल किया गया है। ये टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में खेलेंगी।

फाइनल में भिड़ेंगे न्यूजीलैंड-साउथ अफ्रीका महिला टी20 वर्ल्डकप में बनेगा इतिहास

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच महिला टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला 20 अक्टूबर यानी रविवार को खेला जाएगा। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम पहली बार वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचेगी। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को हराकर 14 साल बाद फाइनल में पहुंची है। वहीं साउथ अफ्रीका टीम लगातार दूसरी बार विश्व कप के खिताबी मुकाबला खेलेगी। न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को हराया वहीं साउथ अफ्रीका ने मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराया था। दोनों टीमों में से कोई भी टीम अभी तक यह टूर्नामेंट नहीं जीत सकी है। जो टीम इसे जीतेगी उसके नाम पहली बार टी20 विश्व कप ट्रॉफी होगी। भारतीय समय के मुताबिक यह मैच शाम 7:30 बजे दुबई में खेला जाएगा।

3 अक्टूबर को महिला टी20 वर्ल्ड कप का आगाज हुआ था जिसमें कुल दस टीमों ने हिस्सा लिया। इस दौरान कई मैचों का फैसला आखिरी ओवर में हुआ। हालांकि खिताब की प्रबल दावेदार और मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की हार टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर थी। साल 2009 के बाद पहली बार विश्व कप फाइनल ऑस्ट्रेलिया के बगैर खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया टीम सबसे ज्यादा 6 बार यह ट्रॉफी अपने नाम कर

चुकी है। वहीं फाइनल में पहुंची साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड में ना तो उनकी पुरुष टीम और ना ही महिला टीम इस ट्रॉफी को अभी तक जीत सकी है।

न्यूजीलैंड ने मौजूदा टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर फाइनल में पहुंची है। टी20 विश्व कप में उतरने से पहले इस टीम ने साल 2024 में खेले 13 टी20 मैचों में से सिर्फ एक मैच जीता था। इसके बाद विश्व कप में उसने जो प्रदर्शन किए उससे फैंस भी हैरान है। अब यह टीम खिताब से एक कदम की दूरी पर है।

साउथ अफ्रीका को 'चोकर्स' कहा जाता है, क्योंकि यह टीम बड़े मुकाबलों में हार जाती है। पुरुष और महिला टीम पर यह टैग सटीक बैठता है। साउथ अफ्रीकी टीम लगातार दो बार उप विजेता रही है। इसकी पुरुष टीम हाल में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में हार गई थी।

बेंगलुरु टेस्ट- न्यूजीलैंड को 107 रन का टारगेट

भारत दूसरी पारी में 462 रन पर ऑलआउट, सरफराज की सेंचुरी, पंत 99 पर आउट

बेंगलुरु, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ बेंगलुरु में चल रहे पहले टेस्ट मैच को जीतने के लिए 107 रन का टारगेट मिला है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शनिवार को भारत दूसरी पारी में 462 रन पर ऑलआउट हो गया।

चौथे दिन का खेल बारिश के कारण तय समय से 20 मिनट पहले समाप्त कर दिया गया। न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में केवल 4 बॉल फेंके गए थे, तभी खराब रोशनी के कारण खेल रोक दिया गया। इसके कुछ देर बाद बारिश शुरू हो गई और स्टंप्स की घोषणा कर दी गई। कीवी टीम का स्कोर 0/0 है।

इस टेस्ट मैच में भारतीय टीम पहली पारी में 46 रन पर सिमट गई थी। जवाब में न्यूजीलैंड ने 402 रन बनाकर 356 रन की बढ़त हासिल की थी।

भारत की ओर से दूसरी पारी में सरफराज खान 150, ऋषभ पंत 99, विराट कोहली 70, रोहित शर्मा 52 और यशस्वी जायसवाल 35 रन बनाकर आउट हुए। बाकी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके।

न्यूजीलैंड के लिए विलियम ओरुर्के और मैट हेनरी ने 3-3 विकेट झटके। एजाज पटेल ने 2 विकेट लिए। टिम साउदी और ग्लेन फिलिप्स को 1-1 विकेट मिला।

चौथे दिन का खेल बारिश के कारण जल्दी समाप्त हो गया। भारत के दूसरी पारी में ऑलआउट हो जाने के बाद न्यूजीलैंड की पारी शुरू ही हुई थी। अभी केवल 4 बॉल फेंके गए थे, तभी खराब रोशनी के कारण खेल रोक दिया गया। उसके कुछ ही देर बाद तेज बारिश होने लगी और चौथे दिन का समाप्त कर दिया गया। न्यूजीलैंड के ओपनर टॉम लैथम और डेवोन कॉन्वे नाबाद लौटे।

दिल्ली हाफ मैराथन: एड्रिस-चेप्टेगी और मैककोलगन-लिमो के बीच होगा दिलचस्प मुकाबला

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस, दिल्ली हाफ मैराथन के आगामी संस्करण में रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में शीर्ष सम्मान के लिए कुछ विश्व स्तरीय धावक भाग लेंगे।

युगांडा के जोशुआ चेप्टेगी, जो दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं, का सामना इथियोपिया के दो बार के 5000 मीटर विश्व चैंपियन मुक्तार एड्रिस से होने वाला है।

दिलचस्प बात यह है कि एड्रिस ने हाल ही में टिलबर्ग में 10 मील की दौड़ में चेप्टेगी को हराया था। शुक्रवार शाम को यहां रेस से पहले प्रेस मीट में शीर्ष एथलीटों ने हिस्सा लिया।

युगांडा पुलिस बल में कार्यरत चेप्टेगी ने बताया कि कैसे भारत में उनकी पहली रेस ने उनके करियर के लिए एक बेंचमार्क स्थापित किया।

उन्होंने कहा, भारत ने मेरे लिए एक बड़ी भूमिका निभाई, खासकर इसलिए क्योंकि यह मेरी सफलता की कहानी का एक बड़ा हिस्सा था। इसने

मुझे एक वास्तविक अवसर दिया, और दस साल बाद भी, मेरी प्रबंधन टीम ने कहा, %यदि आप अपने करियर के और 10 साल सड़कों पर बिताना चाहते हैं, तो आपको भारत वापस जाना होगा। इसलिए मैं लोगों को कुछ वापस देने के लिए भारत वापस आया हूं।

दिल्ली हाफ मैराथन में अपने प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त चेप्टेगी ने कहा, मुझे उम्मीद है कि रविवार की दौड़ मेरे लिए अच्छी रहेगी। मेरी प्राथमिकता दिल्ली हाफ मैराथन के माध्यम से अपने अगले अध्याय की ओर बढ़ना है।

हाल ही में लगी चोट से उबरने को लेकर एड्रिस ने कहा, मेरी चोट अब लगभग 95 प्रतिशत ठीक हो गई है, हालांकि एक छोटी सी समस्या आई है। लेकिन यह प्रबंधनीय है। मैं वर्तमान में अपने पिछले फॉर्म के 70-80 प्रतिशत पर हूं और लगातार सुधार कर रहा हूं। मेरा लक्ष्य पूरी ताकत से वापसी करना है, खासकर लंबी दौड़ के लिए। मेरे परिवार ने पूरे समय मेरा बहुत साथ दिया।

2019 में एक चुनौतीपूर्ण दौड़ को याद करते हुए, एथलीट ने बताया कि कैसे चोटों के कारण उन्हें शुरुआत में मुश्किल स्थिति का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा, दोहा में 5000 मीटर की फ़ाइनल के दौरान, गर्मी और उमस बहुत ज़्यादा थी। यह कठिन था, लेकिन इसने मेरे पक्ष में काम किया। मैं अंतिम 400 मीटर तक समूह के साथ रहा और अंतिम चरण में, मैं अन्य एथलीटों और खुद को आश्चर्यचकित करने में कामयाब रहा। किसी को भी उम्मीद नहीं थी कि मैं उस दिन जीत जाऊंगा।

महिलाओं के वर्ग में 10,000 मीटर में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन, इलिश मैककोलगन शामिल हैं। हालांकि, केन्या की सिंथिया लिमो, 2016 विश्व हाफ मैराथन की रजत पदक विजेता, आगामी दौड़ में ब्रिटिश धावक को कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार हैं।

दिल्ली हाफ मैराथन से पहले अपनी फिटनेस पर कड़ी मेहनत करने वाली मैककोलगन ने कहा, इतने लंबे समय तक खेल से बाहर रहना कठिन है। वापसी में लगभग छह महीने लगते हैं और फिर फिटनेस को फिर से बनाने में और समय लगता है। मैं अभी तक ब्रिटिश रिकॉर्ड या अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हूं, लेकिन चीजें अच्छी तरह से हो रही हैं। मैंने हाल ही में लगातार सप्ताहांत में दो हाफ मैराथन की, जो मैं आमतौर पर नहीं करती। एक करना मुश्किल है, दो तो छोड़िए, लेकिन इसने मुझे विश्वास दिलाया है कि मेरा शरीर ठीक है और अच्छी तरह से ठीक हो रहा है।

वह 2008 के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता के लिए भारत लौट रही हैं और दिल्ली हाफ मैराथन में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने कहा, मेरी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता भारत में 2008 के राष्ट्रमंडल युवा खेलों में थी, इसलिए मैं यहाँ फिर से दौड़ने के लिए उत्साहित हूँ। दिल्ली हाफ मैराथन मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाने वाली है, जो पेशेवर दौड़ में मेरी वापसी का प्रतीक है। मैं अपना पीबी नहीं बना पाई, लेकिन मैं इस इवेंट से पहले अपनी प्रगति से खुश हूँ।

संपादकीय

असम नागरिकता वैध

असम से जुड़े नागरिकता कानून की धारा 6-ए 'संवैधानिक' है। यह सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने 4-1 के बहुमत से फैसला लिया है। फैसला करीब 12 साल के बाद, 17 याचिकाओं पर, विचार करने के बाद लिया गया है। इस फैसले के बाद 1 जनवरी, 1966 और 25 मार्च, 1971 की अवधि के दौरान, भारतीय मूल के, जो बांग्लादेशी भारत में आए हैं और यहीं बसे हैं, उन्हें 'भारतीय' नागरिकता मिल जाएगी। हालांकि तारीखों को लेकर भी सवाल हैं कि असम और शेष भारत में प्रवेश करने वाले अवैध प्रवासियों को नियमित करने के लिए अलग-अलग तारीखें तय की गई हैं। ऐसा क्यों किया जाना चाहिए? बहरहाल 25 मार्च, 1971 के बाद असम में आने वाले विदेशियों को 'भारतीय' नागरिकता नहीं मिलेगी। 1970 और 1980 के दशक में असम 'विदेशी घुसपैठ' के मुद्दे पर उबलता रहा, आंदोलन तक छिड़ गए और हिंसा भी हुई। असम भारत के पूर्वोत्तर का सीमावर्ती राज्य है। अपनी संस्कृति, सामाजिक पहचान, विरासत और भाषा को सुरक्षित और संरक्षित रखने के मकसद से असमिया बिरादरी ने खासकर बांग्लादेशी प्रवासियों का विरोध किया। आशंकाएं जताई गईं कि असम की संस्कृति और आबादी के समीकरण तक बदल सकते हैं। मुस्लिम आबादी एक दिन बहुसंख्यक हो सकती है। असमिया लोगों का मताधिकार तक प्रभावित हो सकता है। भारत के संदर्भ में विभाजन के दाग आज भी कच्चे और ताजा हैं। अवैध प्रवास एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है। 1985 में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी, असम सरकार और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन के बीच एक तितरफा समझौता हुआ। प्रवास और प्रवेश की तारीखों को लेकर सहमति बनी और उसके बाद संसद में एक विधेयक पारित कर 'नागरिकता कानून' में नई धारा-6 ए-जोड़ी गई। संविधान पीठ के चार न्यायाधीशों, जिनमें प्रधान न्यायाधीश धनंजय वाई. चंद्रचूड़ भी शामिल थे, ने इस धारा को 'संसदीय विधायी समाधान' माना, लिहाजा धारा 6-ए को 'संवैधानिक' भी माना, लेकिन जस्टिस पारदीवाला का मानना था कि धारा 6-ए राजनीतिक समझौते को कानूनी मान्यता देने के लिए लाई गई थी। इस समझौते का मतलब सिर्फ नागरिकता प्रदान करना नहीं था। दरअसल यह असम के लोगों को शांत करने के लिए था कि ऐसे समावेश से राज्य में होने वाले चुनावों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मेरा मानना है कि धारा 6-ए की वैधता निर्धारित करते समय समझौते पर हस्ताक्षर करने वालों के मकसद को ध्यान में रखा जाना चाहिए। ऐसे में धारा 6-ए समय बीतने के साथ 'असंवैधानिक' हो गई है। जस्टिस सूर्यकांत का मानना है कि याचिकाकर्ता यह साबित नहीं कर पाए कि विदेशी प्रवासियों से असमिया संस्कृति, भाषा और सामाजिक पहचान पर कोई गंभीर प्रभाव पड़ा है। हमने यह दलील भी खारिज कर दी है कि 6-ए भेदभावपूर्ण, मनमानी धारा है। 1966 और 1971 की अवधि में आए प्रवासियों के लिए स्पष्ट परिभाषित शर्तें दी गई हैं। बहरहाल असम में इस कानून के लिए विशेष रूप से छात्रों ने छह साल तक प्रदर्शन किए थे। नतीजतन समझौता हुआ और संसद में कानून पारित किया गया। यदि यह व्यवस्था न की जाती, तो शायद बांग्लादेश से प्रवासियों की संख्या न थमती। गंभीर सवाल यह है कि यदि 1971 के बाद आए प्रवासियों को भी स्वीकार कर लिया जाता है, तो उससे क्या होगा? ऐसी उदारता घुसपैठ के लिए उकसा सकती है।

सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने 4-1 के बहुमत से फैसला लिया है। फैसला करीब 12 साल के बाद, 17 याचिकाओं पर, विचार करने के बाद लिया गया है। इस फैसले के बाद 1 जनवरी, 1966 और 25 मार्च, 1971 की अवधि के दौरान, भारतीय मूल के, जो बांग्लादेशी भारत में आए हैं और यहीं बसे हैं, उन्हें 'भारतीय' नागरिकता मिल जाएगी। हालांकि तारीखों को लेकर भी सवाल हैं कि असम और शेष भारत में प्रवेश करने वाले अवैध प्रवासियों को नियमित करने के लिए अलग-अलग तारीखें तय की गई हैं। ऐसा क्यों किया जाना चाहिए? बहरहाल 25 मार्च, 1971 के बाद असम में आने वाले विदेशियों को 'भारतीय' नागरिकता नहीं मिलेगी। 1970 और 1980 के दशक में असम 'विदेशी घुसपैठ' के मुद्दे पर उबलता रहा, आंदोलन तक छिड़ गए और हिंसा भी हुई। असम भारत के पूर्वोत्तर का सीमावर्ती राज्य है। अपनी संस्कृति, सामाजिक पहचान, विरासत और भाषा को सुरक्षित और संरक्षित रखने के मकसद से असमिया बिरादरी ने खासकर बांग्लादेशी प्रवासियों का विरोध किया।

फोग थार रेगिस्तान के अतिरिक्त उत्तरी अमेरिका, पश्चिमी एशिया, उत्तरी अफ्रीका एवं दक्षिणी यूरोप आदि स्थानों पर भी पाया जाता है

कहीं किताबों का हिस्सा बनकर ही न रह जाए संकटग्रस्त पादप फोग

सुनील कुमार महला

आज बुज़ुर्ग ही राजस्थान के मेवा कहलाने वाले 'फोग' के विषय में जानते हैं, युवा पीढ़ी इस वनस्पति व इसके गुणों से अपरिचित है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि जाटों की एक प्रमुख गोत्र का नाम फोगाट है जो संभवतः नागवंशियों की संतान हैं जो फोग को अपना प्रतीक चिन्ह मानते थे। फोगाट जाट हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में पाए जाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि 'फोग' मरू क्षेत्र का या यूं कहें कि राजस्थान का मेवा कहलाता है, लेकिन आज झाड़ी या छोटे वृक्षनुमा 'फोग हमारे यहां' बहुत ही कम रह गये हैं।

राजस्थान में प्रसिद्ध तथा वर्तमान में लुप्तप्राय वनस्पति 'फोग' के बारे में आजकल की युवा पीढ़ी शायद ही 'फोग' झाड़ी के बारे में जानती होगी। इस वनस्पति के बारे में राजस्थान में कहा जाता है कि -'फोगला को रायतो, काचरी को साग, बाजरी की रोटी, जाग्या म्हारा भाग।' मतलब यह है कि फोग वनस्पति का रायता, काचरी की सब्जी और बाजरा की रोटी भाग्यवान मतलब नसीब वाले व्यक्ति को ही मिलती है। आज बुज़ुर्ग ही राजस्थान के मेवा कहलाने वाले 'फोग' के विषय में जानते हैं, युवा पीढ़ी इस वनस्पति व इसके गुणों से अपरिचित है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि जाटों की एक प्रमुख गोत्र का नाम फोगाट है जो संभवतः नागवंशियों की संतान हैं जो फोग को अपना प्रतीक चिन्ह मानते थे। फोगाट जाट हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में पाए जाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि 'फोग' मरू क्षेत्र का या यूं कहें कि राजस्थान का मेवा कहलाता है, लेकिन आज झाड़ी या छोटे वृक्षनुमा 'फोग हमारे यहां' बहुत ही कम रह गये हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि फोग थार के रेगिस्तान में भारत और पाकिस्तान में मुख्य रूप से पाया जाता है। फोग थार रेगिस्तान के अतिरिक्त उत्तरी अमेरिका, पश्चिमी एशिया, उत्तरी अफ्रीका एवं दक्षिणी यूरोप आदि स्थानों पर भी पाया जाता है। फोग को स्थानीय लोग इसे 'फोगड़ा' कहते हैं और वनस्पति विज्ञान की भाषा में इसे केलिगोनम पॉलीगोनोइडिस के नाम से जाना जाता हैं। आज दूर-दराज के क्षेत्रों में यह पौधा देखने तक को नसीब नहीं होता या कम देखने को मिलता है। वैसे राजस्थान के बाड़मेर के बायतु क्षेत्र में, जैसलमेर, बीकानेर, गंगानगर, सीकर, चूरू, झुंझुनूं, सीकर आदि क्षेत्रों में फोग वनस्पति कहीं कहीं देखने को मिल जाती है। जैसलमेर के नाचना क्षेत्र में इसकी झाड़ियां विशेष रूप से पाई जाती हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि 60-70 के दशक में ये अच्छी संख्या में मौजूद थे। यह बहुत ही चिंताजनक है कि आज फोग आईयूसीएन की रेड डेटा बुक के संकटग्रस्त पादप की सूची में शामिल है।ईंधन एवं कोयले के लिए इसकी जड़ों के अत्यधिक दोहन के कारण आज थार रेगिस्तान में फोग की मात्रा लगातार घट चुकी है। फोग की लकड़ी की यह विशेषता होती है कि इसकी लकड़ी आग बहुत जल्दी पकड़ लेती है। यहां तक कि

गीली होने की स्थिति में भी यह आग जल्दी पकड़ लेती है, फोग के कम होने का कारण इसका जल्दी आग पकड़ना भी है। इसीलिए फोग पर राजस्थान में कहावत भी बनी है। कहां गया है कि -'फोग आलो ई बळै, सासू सूदी ई लड़ै।' मतलब यह है कि जिस प्रकार फोग की लकड़ी गीली होने पर भी आग पकड़ लेती है, उसी प्रकार सास सीधी हो तब भी अधिकारपूर्वक बहू को फटकार लगा ही देती है। सिट्टा यह है कि मौका मिलने पर असली स्वभाव उजागर हो ही जाता है। यह बहुत ही चिंताजनक है कि थार में अब बहुत कम फोग झाड़ियां देखने को मिलतीं हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि राजस्थान में स्थानीय भाषा में फोग को फोगाली, फोक तथा तूरनी आदि नामों से जाना जाता है। वास्तव में फोग पोलिगोनेएसी कुल का सदस्य है। यह सफेद व काली रंग की एक झाड़ी होती है, जिसमें अनेक शाखाएं होती है। यह अत्यंत शुष्क एवं ओस दोनों परिस्थितियों में जीवित रह सकने वाला पौधा है। इसमें उच्च पोषण क्षमता वाले अनेक पोषण तत्व पाए जाते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक होते हैं। यदि हम फोग के पोषक तत्वों की बात करें तो फोग में करीबन 18% प्रोटीन, 71.1% कार्बोहाईड्रेट, 9.1% रेशे, अल्प मात्रा में वसा, .7 मिलीग्राम/100 ग्राम विटामिन- बी-2 670 मिलीग्राम /100 ग्राम कैल्शियम, 420 मिलीग्राम/100 ग्राम फॉस्फोरस तथा 12.7 मिलीग्राम/100 ग्राम आयरन पाया जाता है। इसकी जड़ों, फूलों, कलियों तथा बीजों में फ़्लवोनोइडस, एल्केलोईडस, टेनिन, स्टेरॉयड, फिनॉल्स, टेर्पेनोईडस आदि पाए जाते हैं तथा कलियों में एथिल होमोवनिलेट (11.79%) नामक वसीय तेल तथा जड़ों में ड्रीमेनोल (29.42%) नामक वसीय तेल पाया जाता है। जानकारी देना चाहूंगा कि फोग के फलों और इसके फूलों में 18% प्रोटीन एवं 71 % से अधिक कार्बोहाइड्रेट की मात्रा पाई जाती है, जो ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है। फोग का पौधा अत्यंत सूखे और पाले दोनों ही परिस्थितियों में जीवित रह सकता है, और इसकी यही खासियत ही इससे थार के अनुकूल भी बनाती है। इसकी(फोग) तासीर ठंडी होती है और यदि किसी व्यक्ति को 'लू' लग जाए तो इसकी पत्तियों का रस निकालकर लू लगने व्यक्ति को पिलाने से वह तत्काल ठीक हो जाता है। इसकी पत्तियों का रस विष प्रतिरोधक माना जाता है। इसकी फलियों से निकलने वाले बीज की रोटी भी बनाई जा सकती है। इतना ही नहीं, फोग की पत्तियां मिट्टी की उर्वरता को भी बढ़ाती हैं। रेगिस्तान की विषम परिस्थितियों में उगकर यह उस क्षेत्र के पर्यावरणीय संतुलन में अहम भूमिका निभाता है। वैसे इसके पत्तियां नहीं होती हैं और टहनी ही इसकी पत्तियां कहलातीं हैं। चैत्र-फाल्गुन के महीने में या यूं कहें कि होली के आसपास इसके झाड़ीनुमा पेड़ पर गांठनुमा छोटे-छोटे फल आते हैं, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'फोगला' कहा जाता है, जिन्हें छाछ या दही में इस्तेमाल किया जाता है। वैसे, मास फरवरी - मार्च -अप्रैल में इसकी नयी पत्तियां फूटती हैं। इसके पुष्प गुलाबी रंग के होते हैं जो छोटे छोटे होते हैं तथा जिनको स्थानीय भाषा में 'रिमझर' बोलते हैं। इसके फूलों की महक लुभावनी होती है। कुछ लोग इसके फूलों को तैल में भूनकर भी खाते हैं। फोग की जड़ों को उबालकर कत्थे में मिलाकर इसे मसूड़ों से संबंधित बीमारी में इस्तेमाल किया जाता है। पश्चिमी राजस्थान में अधिकतर लुहार फोग की लकड़ी के कोयले का इस्तेमाल खाना बनाने में करते हैं। फोग का पौधा धीरे धीरे बढ़ता है और जमीन से एक से डेढ़ मीटर ऊंचा होता है। तने की लकड़ी मजबूत और रेशेदार होती है तथा फोग उन दुर्लभ वनस्पतियों में से एक है जो तेज गर्मी में भी बिना पानी के जिंदा रहती है। यह मिट्टी के अपरदन को रोकता है और मरूस्थलीय प्रसार को रोकने में मददगार है। ऊंट और बकरियां इसे बड़े चाव से खाते हैं और अन्य पशु भी इसे चारे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसकी लकड़ी आसानी से सड़ती-गलती नहीं है और प्राचीन समय में राजस्थान के जहाज कहलाने वाले ऊंट की नकेल इसी की लकड़ी से बनाई जाती थीं। आज बढ़ते शहरीकरण, अकाल के कारण फोग वनस्पति लुप्तप्राय प्रजाति की श्रेणी में पहुंच गई है।

दृष्टि कोण

कांग्रेस ने भ्रष्टाचार से सबक नहीं सीखा

कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के कारण देशभर में हुई बदनामी से सत्ता गंवाने के बावजूद सबक नहीं सीखा है। कांग्रेस के केंद्र और ज्यादातर राज्यों से सत्ता बाहर होने का एक प्रमुख कारण भ्रष्टाचार रहा है। इसके बावजूद कांग्रेस के नेता भ्रष्टाचार से दामन नहीं छुड़ा पाए हैं। कर्नाटक कांग्रेस की सरकार के जमीनों में बंदरबांट इसका नया उदाहरण है। इसके चलते मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मारी गौड़ा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उल्लेखनीय है कि उनका इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी बीएन पार्वती और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ चल रहे भूमि घोटाले की जांच राज्य और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की जा रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही है। सिद्धारमैया और उनकी पत्नी बीएन पार्वती पर मैसूरु के विजयनगर क्षेत्र में 14 प्लॉट आवंटित किए गए प्लॉट को लेकर सवाल उठे थे। सिद्धारमैया की पत्नी ने प्लॉट लौटाने की पेशकश की थी जिसे वापस लेने पर प्राधिकरण ने सहमति जताई। मुख्यमंत्री के जमीन आबंटन में हेराफेरी की जांच के बीच मल्लिकार्जुन खडग़े ने कर्नाटक द्वारा आबंटित जमीन लौटा दी। यह विवाद मार्च 2024 में शुरू हुआ, जब कर्नाटक कांग्रेस सरकार ने राहुल खडग़े की अध्यक्षता वाले सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को जमीन दी। विचाराधीन भूमि मल्लिकार्जुन खडग़े के बेटे राहुल एम. खडग़े को कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) द्वारा बगलूर में हाईटेक डिफेंस एंड एयरोस्पेस पार्क के हार्डवेयर क्षेत्र में आबंटित की गई थी। कांग्रेस का शायद ही ऐसा कोई वरिष्ठ नेता होगा जिस पर भ्रष्टाचार के आरोप और मामले दर्ज नहीं किए गए हैं। पार्टी में कनिष्ठ से लेकर शीर्ष तक के नेताओं के खिलाफ गंभीर मामले चल रहे हैं। यहां तक कि पार्टी चलाने वाली पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी भी जमानत पर चल रहे हैं। भ्रष्टाचार के मामलों को देखें तो दिल्ली से लेकर हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक के बड़े कांग्रेस नेता सीबीआई, इनकम टैक्स और ईडी जैसी एजेंसियों के निशाने पर हैं। हालांकि कांग्रेस अपने नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार करती रही है। पार्टी का कहना है कि बीजेपी की मोदी सरकार राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई कर रही है। करोड़ों की एंबुलेंस खरीद में पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम के पुत्र कार्ति चिदम्बरम, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री एए खान, श्वेता मंगल, शफी माथेर और निदेशक एनआरएचएम के विरुद्ध 2013 तक एनआरएचएम के तहत एंबुलेंस खरीदने में हुई धांधली का मामला दर्ज किया गया था। एंबुलेंस खरीदने के लिए जो टेंडर जारी किया गया, उसमें गड़बड़ी की गई थी। इस मामले में 31 जुलाई 2014 को जयपुर के अशोक नगर थाना पुलिस ने जयपुर नगर निगम के पूर्व मेयर पंकज जोशी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। कर्नाटक में कांग्रेस के दिग्गज नेता डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति दर्ज करने का मामला चल रहा है। 2017 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने डीके शिवकुमार के 64 ठिकानों पर जबरदस्त छापेमारी की थी। टैक्स चोरी की शिकायतों पर यह कार्रवाई हुई थी। उस दौरान डीके शिवकुमार व अन्य कांग्रेस नेताओं ने राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया था। इसी तरह हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता वीरभद्र सिंह के खिलाफ भी केंद्रीय एजेंसियों ने जांच की। सितंबर 2015 में उनकी बेटी की शादी के दिन सीबीआई ने छापेमारी कर खलबली मचा दी थी। कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी के राजनीतिक सचिव अहमद पटेल पर इतालवी चॉपर कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड से कमीशन लेने के आरोपों की सीबीआई आदि केंद्रीय एजेंसियां जांच कर रही हैं। इस मामले में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी भी फंसे हैं। यह मामला अगस्ता वेस्टलैंड कंपनी से 36 अरब रुपए के 12 वीआईपी हेलिकॉप्टर खरीदने से जुड़ा है। आरोप है कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया इस वीआईपी चॉपर खरीद के पीछे अहम भूमिका निभा रही थीं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने इस मामले को पिछली मोदी सरकार में उठाया था, जिसके बाद घमासान मचा था। नेशनल हेराल्ड केस-2011 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके बेटे राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता फंसे हैं। आरोप है कि कांग्रेस के पैसे से 1938 में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड नाम की कंपनी खड़ी की गई।

कुछ अलग

खुदा डायरी न लिखवाए...

खुदा चाहे मुझसे कोई भी काम करवा ले, लेकिन खुदा कसम डायरी न लिखवाए। मैं हर उल्टा सीधा काम कर सकता हूं। नाक कटवा सकता हूं। किसी गरीब आदमी की जमीन अपने नाम करवा सकता हूं। लेकिन डायरी लिखने से डरता हूं। कहीं यह डायरी सीबीआई या किसी अन्य खुफिया एजेंसी के हाथ लग गई तो फिर मारे गए गुलफाम। भारतीय राजनीति में भी कई बार डायरी ने कहर ढाया है। दरअसल, हमारी राजनीति में दो ही चीजें सबसे खतरनाक हैं- एक विपक्ष और दूसरी डायरी! डायरी में चाहे हमने अपनी भावनाओं का इजहार किया हो या फिर गुप्त स्रोत से आए फंड का जिक्र किया हो, कई बार यही डायरी गले की फांस बन जाती है। निजी जीवन में भी खलल पैदा कर देती है और सार्वजनिक जीवन में बहस का मुद्दा बन जाती है। शादी से पहले हमने भी खूब डायरी लिखी थी और उसमें कई राज भी थे। लेकिन किसी दूसरी जगह शादी होने पर घोड़ी चढऩे से पहले हमने वह डायरी अग्नि भेंट कर दी थी ताकि न रहे बांस और न बजे बांसुरी। डायरी संभाल कर रखने का मतलब है, अपने लिए बांस तैयार रखना। भारतीय राजनीति में कई ऐसे मौके आए हैं जब डायरी ने कई नेताओं का भविष्य चौपट कर दिया और कईयों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। जब तक डायरी अलमारी में बंद रहती है, सब ठीक। पर जिस दिन अलमारी खुल गई, समझो कुर्सी भी खतरे में और इज्जत भी! राजनीति में कब किसकी डायरी लीक हो जाए, यह कोई नहीं जानता। एक बार एक मंत्री जी ने अपनी डायरी में बड़े ही चाव से लिखा: 'आज बड़े उद्योगपति से 'गुप्त' मुलाकात की। समझौता तो हुआ, पर जनता को इसकी भनक नहीं पडऩी चाहिए।' अगले ही दिन विपक्ष के हाथ वो डायरी लग गई। और फिर क्या था! विपक्ष ने वो गुप्त मुलाकात इतनी बार सदन में सुनाई कि मंत्री जी का गुप्त समझौता अब गली-गली में चर्चा का विषय बन गया। एक अखबार ने तो इस शीर्षक से संपादकीय तक लिख डाला कि 'डायरी राजनीति और मुसीबत का तडक़ा!' हमारे नेता सोचते हैं कि डायरी में लिखकर अपने 'खास' राज छुपा लेंगे। पर सच्चाई यह है कि राजनीति में डायरी से बड़ा कोई दुश्मन नहीं। एक बार किसी के हाथ लग जाए, तो आपकी सत्ता और सत्ता का सपना, दोनों मिट्टी में मिल सकते हैं। मैं तो जब भी किसी से रिश्वत के दो पैसे लेता हूं, तो उसे साफ हिदायत देता हूं कि कहीं गलती से मेरा नाम डायरी में मत लिख लेना। यानी मैं रिश्वत लेने को पाप नहीं समझता, लेकिन डायरी में नाम लिखने को महा पाप समझता हूं। भ्रष्टाचार के चाहे मैं करीब रहता हूं, लेकिन डायरी से लाख दूरी बनाकर रखता हूं। नए साल में कुछ लोग मुझे गिफ्ट के साथ साथ डायरी दे जाते हैं। मैं गिफ्ट तो संभाल कर रख लेता हूं, लेकिन डायरी कूड़ेदान के हवाले कर देता हूं। बुराई जितनी दूर रहे, उतना ही अच्छा। अब इधर एक राज्य की राजनीति में भी इन दोनों डायरी की खूब चर्चा हो रही है और सोशल मीडिया में भी चटकारे लिए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि जांच एजेंसियों के हाथ एक डायरी लगी है और वह डायरी जल्दी ही विस्फोट करने वाली है। सत्ता पक्ष के कई नेता टकटकी लगाए बैठे हैं कि विस्फोट हो और कुर्सी उन्हें मिल जाए। विपक्ष इसलिए टकटकी लगाए बैठा है कि विस्फोट हो और सत्ता उनके हाथ से चली जाए। यानी डायरी विस्फोट करेगी और पक्ष-विपक्ष दोनों इसमें अपना अपना हित देख रहे हैं। अपना भविष्य देख रहे हैं।

देश दुनिया से

विवादित बयानों के चक्रव्यूह में सियासत

सियासी रहनुमां की तकरीर में जहरीले बोल तथा जराफत भरे अंदाज का संगम नहीं होगा तो सियासी अंजुमन की आंखें उदास रह जाएंगी। चुनावी तशहीर में अपने मुखालिफ पर जुबान नहीं फिसलेगी या तोहमतों से भरे इल्जाम नहीं बरसेंगे तो सियासत की तबीयत नासाज हो जाएगी। इंतखाबी दौर में दहशतगर्दों की मौत का मातम नहीं मनाया जाएगा तो सियासत की तौहीन हो जाएगी। जम्हूरियत के महापर्व में यदि आब-ए-तल्ख की महफिल नहीं सजेगी तो सियासी बज्म का रंग फीका रह जाएगा। सियासी मुजाहिरों में यदि जाति, मजहब, आरक्षण, संविधान व पाकिस्तान का जिक्र नहीं होगा तो इंतखाब की तासीर बिगड़ जाएगी।

मुल्क के इंतखाबी दौर में यदि बेतुकी बयानबाजी नहीं होगी तो सियासी हरारत का एक मजमून अधूरा रह जाएगा। सियासी रहनुमां की तकरीर में जहरीले बोल तथा जराफत भरे अंदाज का संगम नहीं होगा तो सियासी अंजुमन की आंखें उदास रह जाएंगी। चुनावी तशहीर में अपने मुखालिफ पर जुबान नहीं फिसलेगी या तोहमतों से भरे इल्जाम नहीं बरसेंगे तो सियासत की तबीयत नासाज हो जाएगी। इंतखाबी दौर में दहशतगर्दों की मौत का मातम नहीं मनाया जाएगा तो सियासत की तौहीन हो जाएगी। जम्हूरियत के महापर्व में यदि आब-ए-तल्ख की महफिल नहीं सजेगी तो सियासी बज्म का रंग फीका रह जाएगा। सियासी मुजाहिरों में यदि जाति, मजहब, आरक्षण, संविधान व पाकिस्तान का जिक्र नहीं होगा तो इंतखाब की तासीर बिगड़ जाएगी। चुनावी दौर में तोहमतों की आंधी से उपजे इल्जाम भी आदर्श बन जाते हैं। उन्हीं आदर्श इल्जामों से सियासत का तवाजुन बिगाड़ कर सत्ता के बड़े खिलाडियों को पटखनी दी जाती है। खोया हुआ जनाधार वापस लाने में जाति, मजहब व आरक्षण की बैसाखियां मददगार साबित होती हैं। दरअसल सियासी कश्तियों में यह कशमकश सत्ता की चौखट पर पहुंचने के लिए है। सत्ता के फलक पर बैठने के लिए अपने ही सियासी दल के खिलाफ विद्रोह या दलबदल को अंजाम देकर सियासी उलटफेर के मजमून लिखे जाते हैं। दुनिया के सबसे बड़े प्रजातंत्र भारत में जम्हूरियत की भाग्य विधाता आवाम है, लेकिन इख्तिदार हासिल होने के बाद सियासी रहनुमाओं के लफ्ज मगरूर हो जाते हैं। सत्ता की जद्दोजहद के लिए सियासी रहनुमाओं के बीच शब्दबाणों की जंग इंतखाबी दौर से लेकर जम्हूरियत की पंचायतों तक देखी व सुनी जा सकती है। सियासत की जुबानी जंग ने मर्यादा की सारी हदूद को तोड़ डाला है। एक सियासी रहनुमां के गैर-जिम्मेदाराना बयान तथा तल्ख तेवर अपने ही सियासी दल तथा समुदाय को उलझन में डाल देते हैं। न्यूज चैनलों पर दौरान-ए-गुफ्तगू में सियासी मुनाजिरों की अमर्यादित बयानबाजी से लोगों के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाना आम बात हो चुकी है। बेतुके बयानों से सुर्खियां बटोरना जहां सियासत का मिजाज बन चुका है, तो वहीं विवादित बयानबाजी से लोगों की आस्था को आहत करके माजरत का इजहार करना सियासत का दांव बन चुका है। लेकिन इसके बावजूद लोग अपने बेशकीमती वोट की ताकत से सियासी रहनुमाओं को सत्ता के फलक तक पहुंचा कर लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं, जबकि सियासत किसी की रवादार नहीं होती। धोखा, फरेब, छल, कपट, विश्वासघात, तोहमत, साम, दाम, दंड, भेद जैसे गुण व अवगुण सियासत में समाहित होते हैं। सन्1990 के दशक में देश के सियासतदानों को चुनाव आयोग की ताकत का एहसास कराने वाले दबंग चुनाव आयुक्त रहे 'टीएन शेषन' ने हिंदोस्तान की सियासत तथा सियासी रहनुमाओं के चरित्र में आ रही गिरावट को अपनी पुस्तक 'भारत पतन की ओर' में तफसील से बयान करके सियासी निजाम के भविष्य पर चिंता जाहिर की थी। टीएन शेषन द्वारा सियासत के मुस्तकबिल पर किया गया आकलन वर्तमान में सही साबित हो रहा है। विवादित बयानबाजी के जरिए देश के महान विचारकों, दार्शनिकों, सेना तथा स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां की जाती हैं। चुनावी दौर में हेट स्पीच के मामलों पर चुनाव आयोग को नेताओं के चुनावी प्रचार पर रोक लगानी पड़ती है। 'कारण बताओ नोटिस' जारी किए जाते हैं। सियासतदानों की हिकारत भरी बयानबाजी तथा अपमानजनक टिप्पणियों पर देश की अदालतें चेतावनी जरूर पेश करती हैं, मगर चुनाव आयोग की नसीहत व अदालतों की चेतावनी को बयानवीर अनसुना कर देते हैं। सियासी रसूख के आगे सभी व्यवस्थाएं बौनी साबित हो रही हैं। कुदरत के अनमोल तोहफा जुबान से निकले अल्फाज यदि विनम्र लहजे में हों तो एक औषधि का काम करते हैं। अन्यथा लफ्जों के कोई हाथ या पांव नहीं होते बल्कि तीरनुमा तीखे लफ्जों से उपजे गहरे घाव एक मुद्दत गुजर जाने के बाद भी नहीं भरते। बेशक लोकतांत्रिक व्यवस्था में सियासी मुस्तकबिल को महफूज रखने के लिए वोट बैंक ही मायने रखता है। मगर आपत्तिजनक व हिकारत भरी बयानबाजी से आम लोग, निर्वाचन आयोग व देश की अदालतें भी परेशान हो चुकी हैं। यदि अपने सियासी स्वार्थों के लिए नफरत भरी तकरीरों से लोगों के जज्बात आहत किए जाएंगे या सियासी मफाद के लिए मर्यादा व नैतिक आचरण को ताक पर रखकर लोगों के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाई जाएगी, तो जम्हूरी निजाम अस्थिरता की जद में आ जाएगा। 'सत्यानृता च परुषा प्रियवादिनी च', हिंस्रा दयालुरपि चार्थपरा वदान्या। नित्यव्यया प्रचुरनित्यधनागमा च वारांग्नेव नृपनीतिरनेकरूपा। अर्थात सियासत कभी सच, कभी झूठ, कभी कठोर, कभी प्रियवादिनी, कभी हिंसात्मक, कभी दयालु, कभी लालची, कभी उदार, कभी खर्चीली, तो कभी धन संचय करने वाली वेश्या की भांति अनेक रूप धारण करने वाली होती है।

आप का नजरिया

पाठ्यक्रम-परीक्षा के अलावा भी

शिक्षा के जिस नजरिए की जरूरत है, उसे गुणवत्ता की शर्तों पर पारंगत करना होगा और यही संदेश लेकर सुक्खू सरकार कोशिश कर रही है। शिक्षा के पैमाने राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकन में हिमाचल को 21वें स्थान तक लुढक़ा देते हैं, तो यह पद्धति और प्रयत्न का निकम्मापन है, जो स्कूल की शाखाओं में सारी कोशिश को पस्त कर रहा है। खैर मर्ज का पता तो सालों से है, लेकिन ठीक करने में भी शंका है। यह शंका सियासी है क्योंकि अनावश्यक स्कूल खोलने की आदत ने सरकारों को तमाशबीन ही बना दिया। खुल जा सिम सिम की तर्ज पर स्कूल-कालेज बिना किसी दूरदृष्टि के खुलते गए और जहां विषय और पाठ्यक्रम मजबूरी बन गए। घर द्वार पर साक्षरता उपलब्ध कराई जा सकती है, शिक्षा को उचित वातावरण मुहैया नहीं करवाया जा सकता। यह सरकारी बनाम प्राइवेट स्कूल के बीच का अंतर भी नहीं है, क्योंकि वहां भी भविष्य के नाम पर वर्दी की चमक या गले में टाई ही लटक रही है। यह दीगर है कि प्रदेश में सीबीएसई व आईसीएसई पाठ्यक्रमों के स्कूल, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के तहत स्कूलों से भिन्न परीक्षा परिणाम, अभिभावकों का स्वाभिमान और छात्रों के भविष्य में बदलाव ला रहे हैं। यह भी देखा जा रहा है कि विज्ञान, मेडिकल व इंजीनियरिंग की शिक्षा में हिमाचल का कुनबा निजी स्कूलों की दौलत बन रहा है, जबकि बाकी विषयों की फेहरिस्त में कई सरकारी स्कूल भी अपनी श्रेष्ठता का रुतबा कायम रख रहे हैं। गुणवत्ता न तो इमारतों से आएगी और न ही घोषणाओं से परिपूर्ण होगी, बल्कि यह अभिभावकों के विश्वास, छात्रों के अभ्यास और नए संकल्प के आगाज से ही संभव होगा, वरना विभागीय कसौटियां तो वार्षिक छुट्टियों के कैलेंडर में फंसी हैं या सारा साल शिक्षकों के तबादले में गुजर जाता है। एक अच्छे अध्यापक के साथ छात्र भी कुछ बरस गुजराना चाहता है। मसलन प्राथमिक शिक्षा के पांच साल, माध्यमिक शिक्षा के तीन साल या सीनियर सेकेंडरी के चार साल हों, वहां बच्चा एक पाठ्यक्रम के आदर्श अध्यापक में खोजता है। शिक्षा अब पाठ्यक्रम के समुद्र से हीरे खोजने की प्रतिस्पर्धा है, तो इसके लिए स्कूल-कालेज के एहसास में अध्यापक वर्ग का स्थायित्व जरूरी है। सोचना यह होगा कि अध्यापकों की ट्रांसफर पॉलिसी शिक्षा को उत्तीर्ण कर रही है या यह वर्ग अपनी असुरक्षा की भावना में इस रोग से ग्रसित होकर जुगाड़ का पाठ्यक्रम भी बना रहा है। जब तक अध्यापक को मतदाता मान कर उसके समर्थन या विरोध की सियासी भाषा तैयार होती रहेगी, उसका किरदार शिक्षा के काम नहीं आएगा। बेशक सरकारों ने प्रयास किए, योजनाओं ने श्रृंगार किए और पाठ्यक्रमों ने शिक्षा को आधार दिए, लेकिन ये कसौटियां कई स्तरों पर हारीं। पहला मुकदमा अभिभावकों की अदालत में हारा क्योंकि शिक्षा से निकलते करियर का विस्तार सरकारें नहीं कर पाईं। हम समझ नहीं पाए कि मेडिकल-इंजीनियरिंग से इतर करियर का कहीं स्कोप अन्य विषयों में भी है।

सर्राफा बाजार में तेजी से पहली बार 79 हजार के पार पहुंचा सोना, चांदी भी लखटकिया होने के करीब

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोने की तरह चांदी ने भी जोरदार छलांग लगाई है। सोने की कीमत में 800 से 870 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है। इस तेजी के कारण ये चमकीली धातु पहली बार 79 हजार रुपये के स्तर को पार कर गई है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 79,140 रुपये से लेकर 78,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 72 हजार का स्तर पार करके 72,560 रुपये से लेकर 72,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी ने भी करीब 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम की मजबूती दिखाई है। भाव में आई इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चांदी 99,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 79,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 79,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,040 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

सर्वे: ब्याज दर 9 फीसदी से अधिक होने पर मकान खरीदारी पर पड़ेगा असर, वर्ष 2029 तक 1.04 लाख करोड़ डॉलर का आवासीय बाजार होगा

मुंबई। भारत की आर्थिक वृद्धि रियल एस्टेट क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही है। आवासीय बाजार हर साल 25.6 फीसदी की दर से बढ़ रहा है, जिसके 2029 तक बढ़कर 1.04 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। हालांकि, इस वृद्धि में महंगे होम लोन बड़ी बाधा बन सकते हैं। एक मकान खरीदार धारणा सर्वेक्षण सर्वे में शामिल करीब 90 फीसदी उत्तरदाताओं का कहना है कि होम लोन के 9 फीसदी से अधिक होने पर मकान खरीदने पर उनको विचार करना पड़ सकता है। सर्वे में कहा गया है कि 71 फीसदी से अधिक लोग मानते हैं कि अगर ब्याज दर 8.5 फीसदी से कम रहती हैं, तो खरीदारी का फैसला प्रभावित नहीं होगा।54 फीसदी ने कहा कि ब्याज दर 8.5 फीसदी से 9 फीसदी के बीच होने पर उन्हें अपनी पसंद पर विचार करना पड़ेगा। करीब 98 फीसदी मकान खरीदारों की प्राथमिकता समय पर परियोजनाओं का पूरा होना है। 93 फीसदी लोग बेहतर निर्माण गुणवत्ता चाहते हैं, जबकि 72 फीसदी उत्तरदाता अच्छे हवादार मकान खरीदना चाहते हैं।59 फीसदी से अधिक लोगों के लिए रियल एस्टेट निवेश का पसंदीदा क्षेत्र है। 67 फीसदी से अधिक लोग खुद के इस्तेमाल के लिए मकान खरीदना चाहते हैं। 35 फीसदी से अधिक खरीदारों के लिए 45-90 लाख का बजट पसंदीदा विकल्प है। 28 फीसदी 1.5 करोड़ तक के मकान खरीदना चाहते हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी लगातार जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के भाव में शनिवार को कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट,10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर पर

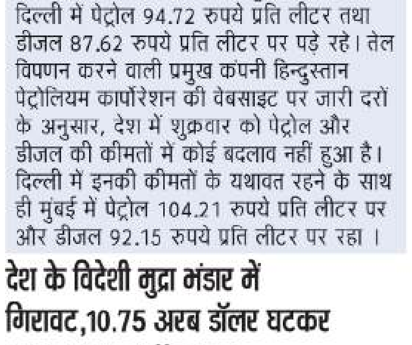

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर रहा। यह हाल के दिनों में मुद्रा भंडार में सबसे बड़ी गिरावट है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.71 अरब डॉलर घटकर 701.18 अरब डॉलर रहा था। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 11 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 10.54 अरब डॉलर घटकर 602.10 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 9.8 करोड़ डॉलर घटकर 65.66 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.6 करोड़ डॉलर घटकर 18.34 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 2 करोड़ डॉलर घटकर 4.33 अरब डॉलर रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

शौर्य चक्र विजेता...

संदीप के खालिस्तान आतंकवादी लखबीर सिंह रोडे और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ भी संबंध हैं। संदीप सिंह सिद्धू ने ही शौर्य चक्र विजेता बलविंदर सिंह संधू की हत्या की थी। तबसे वह फरार है। बलविंदर सिंह संधू ने खालिस्तान जनमत संग्रह का खुलकर विरोध किया था। उनकी अक्टूबर 2020 में हत्या कर दी की गई थी।

भारत ने कनाडा को सारी जानकारियां देते हुए कहा है कि संदीप सिंह संधू फिलहाल सीबीएसए में कार्यरत है और हाल में उसे सुपरिंटेंडेंट पद पर तरक्की भी दी गई है। भारत ने संदीप के शीघ्र प्रत्यर्पण की मांग की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि पिछले एक दशक या उससे अधिक समय में भारत ने कम से कम 26 प्रत्यर्पण के लिए अनुरोध किया लेकिन कनाडा सरकार ने अभी तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं की।

उल्लेखनीय है कि खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद कनाड़ा द्वारा लगाए गए इल्जामों के कारण भारत के साथ उनकी खींचतान जारी है। कुछ दिन पहले पीएम त्रूदो ने भारतीय राजनयिकों पर आरोप लगाया था कि वो लोग भारत को खालिस्तानियों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। हालांकि भारत ने इस आरोप को खारिज कर दिया था और बाद में सामने आया था कि कनाडा ने जो आरोप लगाए उसके उनके पास कोई पुख्ता सबूत भी नहीं है।

उधर, कनाडा में बैठ कर भारत तोड़ने की साजिश रचने वाले खालिस्तानी आतंकी जस्टिन त्रूदो की जय-जयकार कर रहे हैं। खालिस्तानियों ने 18 अक्टूबर को भारतीय तिरंगे का अपमान किया और उसका वीडियो भी जारी किया। खालिस्तानी आतंकियों ने यह प्रदर्शन टोरंटो में किया। इस प्रदर्शन में मौजूद खालिस्तानियों ने पीएम मोदी का पुतला जलाया और नारे लगाए। टोरंटो में खास्लितानियों ने भारतीय झंडे के साथ ही रूस के झंडे का भी अपमान किया। उन्होंने यहां खालिस्तान जिंदाबाद वाला राग दोहराया और जस्टिन त्रूदो की शान में कसीदे पढ़े। इस दौरान खालिस्तानी आतंकी निज्जर और भिंडरावाले के पोस्टर भी लहराए गए।कनाडा में खालिस्तानी भारत के खिलाफ यह जहर त्रूदो की शह पर उगल रहे हैं। त्रूदो ने हाल ही में खालिस्तानियों के भारत तोड़ने के अभियान को बोलने की आजादी करार दिया था। इसके बाद इनकी हिम्मत और भी बढ़ गई है। त्रूदो भी महज कुछ वोटों के लिए कनाडा को गर्त में धकेल रहे हैं।

कनाडा की पूर्व एनएसए...

यह एक ही गुरुद्वारे में हुई दूसरी हाई प्रोफाइल हत्या थी। इसी गुरुद्वारे में ठीक एक साल पहले रिपुदमन सिंह मलिक की हत्या हुई थी। पुलिस और खुफिया जांच में कहा गया था कि निज्जर की हत्या, मलिक की हत्या का जवाब थी। जोडी थॉमस ने कहा, खालिस्तानी प्रभाव वाले सिख समुदाय के लोग कनाडा पुलिस की इस जांच नतीजे से संतुष्ट नहीं थे। वह इस मामले में अपनी अलग-अलग आशंका जता रहे थे।भारत ने कनाडा से उसके आरोपों पर लगातार सबूत मांगे, लेकिन कनाडा कोई सबूत नहीं पेश कर पाया। इसको लेकर भी जोडी थॉमस ने कहा, हम इस मामले में भारत को अपने साथ लाना चाहते थे। हम इसमें ऐसा सबूत भी रखना चाहते थे जो अमेरिका ने पन्नू मामले में रखा है। लेकिन यह कठिन था क्योंकि हमने जांच में ऐसा कोई भी ठोस सुराग नहीं पाया। जोडी थॉमस के इस खुलासे के बाद भारत के उन दावों को और मजबूती मिली है कि वह निज्जर की हत्या में शामिल नहीं था और इस संबंध में कनाडा के पास कोई सबूत नहीं है।

गौरतलब है कि इससे पहले त्रूदो भी इसी कमेटी के सामने पेश हुए थे और उन्होंने भारत के दावे को मजबूत किया था। इसके बाद भारत ने कहा था कि कनाडा और भारत के रिश्तों को खराब करने के जिम्मेदार अकेले त्रूदो होंगे। त्रूदो के दावे पर कनाडा के भीतर भी सवाल उठे हैं। कनाडा के बड़े नेता मैक्सिम बर्नियर ने त्रूदो पर इस मामले के बहाने दूसरे विवादों पर पर्दा डालने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि इस हत्या के मामले में कोई भी सबूत नहीं पेश किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि हरदीप सिंह निज्जर कोई कनाडाई नहीं था। बर्नियर ने कहा, एक मिथक को दूर किया जाना चाहिए कि हरदीप सिंह निज्जर एक कनाडाई था। वह असल में एक विदेशी आतंकवादी था, जिसने 1997 से कई बार कनाडा में शरण लेने के लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया था। उसके दावों को खारिज कर दिया गया लेकिन फिर भी उसे इस देश में रहने की अनुमति दी गई और किसी तरह 2007 में उसे नागरिकता दे दी गई। जस्टिन त्रूदो के दावों पर कनाडा लगातार फंसता जा रहा है। कनाडा की स्थिति इस मामले में काफी कमजोर है और भारत झूठे आरोपों को कतई बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है। भारत ने कनाडा के 6 राजनयिकों को निकाल दिया है और अपने भी राजनयिक वापस बुला लिए हैं।

विमानों को ...

देश भर की तमाम एयरलाइन कंपनियों के विमानों में बम की धमकी मिलने का सिलसिला कई दिनों से जारी है। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा बढ़ोत्तरी शनिवार के दिन देखी गई है। सिर्फ शनिवार को 30 से ज्यादा विमानों में बम की धमकी मिली है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय एयरलाइनों को बम की झूठी धमकी देने की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त नियम लागू करने की योजना बना रहा है, जिसमें ऐसा करने वालों को नो-फ्लाई सूची में डालना भी शामिल है। लेकिन इन चेतावनियों से धमकी देने वाली खबरों पर कोई असर नहीं पड़ रहा है।, क्योंकि धमकी देने वाले तत्व हवाई जहाज से यात्रा नहीं करते और जो यात्रा करते हैं, वे भी इस जेहादी बदमाशी में शामिल हैं।

अकेले शनिवार को विस्तारा, एयर इंडिया और इंडिगो समेत कई भारतीय एयरलाइनों की 30 से अधिक उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। एयर इंडिया, इंडिगो, अकासा एयर, विस्तारा, स्पाइसजेट, स्टार एयर और एलायंस एयर के विमानों को धमकियां मिली हैं। इस हफ्ते अब तक भारतीय एयरलाइनों की कम से कम 70 फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली है और उनमें से अधिकांश फर्जी साबित हुईं।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों समेत घरेलू एयरलाइनों की तरफ से संचालित 30 से अधिक उड़ानों को शनिवार सुबह से बम से उड़ाने की धमकी मिली। इनमें से एक विमान के शौचालय में एक नोट मिला जिसमें लिखा था कि इस विमान में बम है। शनिवार को विस्तारा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उसकी पांच विमानों को सोशल मीडिया के माध्यम से सुरक्षा संबंधी धमकियां मिलीं, जबकि इंडिगो ने कहा कि उसकी कम से कम चार उड़ानों को सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिले हैं। बता दें कि विस्तारा की पांच विमानें यूके106 (सिंगापुर से मुंबई), यूके027 (मुंबई से फ्रैंकफर्ट), यूके107 (मुंबई से सिंगापुर), यूके121 (दिल्ली से बैंकॉक) और यूके131 (मुंबई से कोलंबो) हैं।

विस्तारा एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, सभी संबंधित अधिकारियों को तुरंत सतर्क कर दिया गया और अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों के मार्गदर्शन के अनुसार सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। इसके अलावा, उदयपुर से मुंबई जाने वाली विस्तारा की फ्लाइट यूके 624 के बारे में सूचना थी और उतरने के बाद विमान को अनिवार्य जांच के लिए एक आइसोलेशन बे में ले जाया गया। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि विमान के शौचालय में एक नोट मिला था जिसमें कहा गया था कि विमान में बम है। इंडिगो ने खतरों के संबंध में कम से कम चार फ्लाइट्स के लिए बयान जारी किए। जिसमें 6ई17 (मुंबई से इस्तांबुल), 6ई11 (दिल्ली से इस्तांबुल), 6ई184 (जोधपुर से दिल्ली) और 6ई108 (हैदराबाद से चंडीगढ़) हैं। इस मामले में एयरलाइन ने कहा कि वह मुंबई और दिल्ली से इस्तांबुल की उड़ानों से जुड़ी स्थिति से अवगत है।जोधपुर से दिल्ली की उड़ान के बारे में, कंपनी ने कहा कि विमान राष्ट्रीय राजधानी में उतरा और सभी यात्री विमान से उतर गए हैं। हैदराबाद से चंडीगढ़ की उड़ान के बारे में, इंडिगो ने कहा कि उतरने पर, विमान को अलग कर दिया गया और सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतार दिया गया। चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर हवाई अड्डे के अधिकारियों की तरफ से आइसोलेशन बे में विमान की पूरी तरह से जांच की जा रही थी।

देश में विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां लगातार मिल रही हैं। पिछले 5 दिन में 70 विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं। त्यौहारों का वक्त है। लोग अपने घरों तक पहुंचने के लिए फ्लाइट ले रहे हैं, लेकिन ऐसी धमकियों ने देश में डर का माहौल बना दिया है। पिछले कुछ महीनों से ऐसी धमकियों का सिलसिला जारी है। इससे पहले अस्पतालों और स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं। लोग अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर परेशान हैं, लेकिन मोदी सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठा रही, जिससे धमकियों का सिलसिला रुक सके। फ्लाइटों को मिल रही बम की धमकियों के कारण एयरलाइन कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत उड़ानों को रोकने और चेकिंग की प्रक्रिया के कारण एयरलाइंस करोड़ों रुपए का नुकसान झेल रही हैं। पिछले 7 दिनों में 80 से अधिक उड़ानों को बम धमकियां मिली हैं, लेकिन धमकी देने वाले अब तक पकड़े नहीं जा सके हैं।

विमानों में लगातार बम की धमकियों की घटनाओं से सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से सतर्क हो गई हैं। हवाई अड्डों पर विशेष सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। सुरक्षा एजेंसियां सभी उड़ानों की पूरी जांच-पड़ताल कर रही हैं और यात्रियों से धैर्य बनाए रखने की अपील की गई है। फ्लाइट्स में लगातार मिल रही बम धमकियों ने विमानन क्षेत्र में हड़कंप मचा रखा है। सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं, लेकिन धमकियों का असर एयरलाइन कंपनियों पर भी पड़ रहा है, जिससे उन्हें करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है। इस घटनाक्रम में शामिल संदिग्धों की तलाश जारी है और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ...

त्रुटि के लिए न्यायालय की आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन परिणामों के नजरिए से इसकी भूमिका या इसके काम को नहीं देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट के न्याय तक पहुंच पिछले 75 वर्षों में काफी विकसित हुई है और ये कुछ ऐसा है जिसे हमें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जब समाज समृद्ध और संपन्न होता है, तो ऐसी धारणा होती है कि आपको केवल बड़ी-बड़ी चीजों पर ध्यान देना चाहिए। हमारा न्यायालय ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारा न्यायालय जनता का न्यायालय है और मुझे लगता है कि जनता के न्यायालय के रूप में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाना चाहिए।

सीजेआई ने कहा कि मुझे लगता है, विशेष रूप से आज के समय में, हर किसी के बीच यह बड़ा विभाजन है, जिसमें परिणामों के आधार पर आपको परखा जाता है, जब आप लोगों के पक्ष में निर्णय लेते हैं तो सर्वोच्च न्यायालय को अद्भुत संस्था बताया जाता है, और जब आप उनके खिलाफ निर्णय लेते हैं तो संस्था को अपमानित किया जाता है। सीजेआई के अनुसार, मुझे लगता है कि यह एक खतरनाक बात है। न्यायाधीशों को मामलों के आधार पर स्वतंत्रता की भावना के साथ निर्णय लेने का अधिकार है।

जम्मू कश्मीर को...

उम्मीदों को ज्यादा बल मिला है।

ध्यान देने वाली बात यह भी है कि उमर अब्दुल्ला की कैबिनेट मीटिंग में जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने से जुड़ा प्रस्ताव लाया गया था लेकिन अनुच्छेद 370 और 35 ए का कोई जिक्र नहीं हुआ था। केंद्रशासित प्रदेश के प्रस्ताव को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने तो मुहर लगा दी है। इस मुद्दे को लेकर डिप्टी सीएम सुरेंद्र कुमार चौधरी ने कहा कि केंद्र को अपना वादा पूरा करना चाहिए और राज्य का दर्जा बहाल करना चाहिए, यह हमारा अधिकार है। हम वही मांग रहे हैं जो उन्होंने पहले ही वादा किया था। उन्होंने यह भी कहा है कि उमर अब्दुल्ला 2 दिन में दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा चुनाव के दौरान भी कहा था कि सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट मीटिंग में जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के प्रस्ताव को मंजूर किया जाएगा, और कुछ वैसा ही सीएम ने पहली कैबिनेट में किया भी।

उधर, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस पर मुस्लिम पार्टी होने का ठप्पा लगाने से इन्कार किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने जम्मू से एक हिंदू उपमुख्यमंत्री बनाया है। उन्होंने उन आरोपों का भी खंडन किया कि एनसी कश्मीर की पार्टी है और केवल कश्मीरियों के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार जम्मू और कश्मीर के सभी लोगों की सेवा करेगी।

मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार जम्मू में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हमने उसी पार्टी से डिप्टी सीएम भी बनाया है। पिछले चुनावों में सभी ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस मुसलमानों की पार्टी है, कि यह कश्मीरियों का संगठन है, और जम्मू का कोई स्थान नहीं है। लेकिन हमने एक ऐसे डिप्टी सीएम को बनाया जो जम्मू से है और हिंदू है। अब वे लोग क्या कहेंगे? उमर ने कहा कि चुनाव के नतीजे आते ही हमारे कुछ शुभचिंतकों ने यह अफवाह फैलाना शुरू कर दिया कि जम्मू को अब नजरअंदाज कर दिया जाएगा, क्योंकि उन्होंने एनसी या कांग्रेस के उम्मीदवारों को नहीं चुना। मैंने पहले दिन से ही कहा था कि यह सरकार सबके लिए होगी। अगर हम सेवा करेंगे, तो हम जम्मू -कश्मीर के सभी लोगों की सेवा करेंगे।एनसी-कांग्रेस गठबंधन ने 10 साल के अंतराल के बाद और अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहली बार हुए जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की। जेकेएनसी ने 42 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस छह सीटें जीतने में सफल रही। भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 29 सीटें जीतीं, जो सभी जम्मू क्षेत्र में थीं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने तीन सीटें जीतीं और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, सीपीआई-एम और आप ने एक-एक सीट जीती। सात सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी जीतीं। उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। नौशेरा विधानसभा सीट से जीतने वाले सुरिंदर कुमार चौधरी ने उनके डिप्टी के रूप में शपथ ली।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 8-10 सालों में इस पार्टी को कमजोर करने की नहीं बल्कि इसे पूरी तरह से नष्ट करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाफ हर संभव तरीका अपनाया गया। हमारे साथियों को डराया-धमकाया गया, कुछ को लालच दिया गया, लेकिन पार्टी के नेता अडिग रहे और इन साजिशों को कामयाब नहीं होने दिया। सभी ने साबित कर दिया है कि यह संगठन नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं का नहीं, बल्कि पार्टी कार्यकर्ताओं का है।

महाराष्ट्र में 260...

संभव माना जा रहा है।दूसरी तरफ महा विकास अघाड़ी की भी 260 सीटों पर ही सहमति बन चुकी है। वहां भी कुछ ही दिनों में सीट शेयरिंग को लेकर ऐलान होने वाला है। सिर्फ कुछ सीटें बची हैं जिन पर पेंच फंस रहा है, बाकी सभी सीटों को लेकर स्थिति स्पष्ट मानी जा रही है। खबर यह भी है कि उद्धव गुट और कांग्रेस के बीच में ज्यादा तकरार देखने को मिल रही है, ऐसी सीटें सामने आई हैं जहां पर दोनों ही दल दावा ठोक रहे हैं। इसी वजह से तल्ख अंदाज में संजय राउत कह चुके हैं कि बात अब सीधे कांग्रेस आलाकमान से करनी पड़ेगी क्योंकि स्थानीय नेता इतने सक्षम दिखाई नहीं दे रहे। दूसरी तरफ कांग्रेस भी अब हाईकमान के फैसले का इंतजार कर रही है। इस समय सारी लड़ाई दक्षिण नागपुर, श्रीगोंदा, परोला, हिंगोली, मृगतृष्णा, शिरडी, रामटेक, सिंदखेड के राजा, दर्यापुर, गोरे, उदगीर, आप सर, कोलाबा, बाइकाल, वर्सोवा।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज घोषणा की कि कांग्रेस और सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा 81 विधानसभा क्षेत्रों में से 70 पर अपने उम्मीदवार उतारेंगे। इसके अलावा बाकी बची हुई सीटों पर राष्ट्रीय जनता दल, सीपीएम माले और उनके सहयोगी चुनाव लड़ेंगे। हालांकि, कौन किस सीट से चुनाव लड़ेगा यह तय नहीं किया गया है।

झारखंड के सीएम सोरेन ने बताया कि अभी अलायंस में शामिल सहयोगी पार्टियों के नेताओं के साथ बातचीत चल रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि आरजेडी और सीपीआईएल से बातचीत से यह भी साफ हो जाएगा कि कांग्रेस और जेएमएम किन-किन सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सीएम सोरेन ने कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर की मौजूदगी में सीट शेयरिंग की घोषणा की है।

झारखंड विधानसभा में सीट शेयरिंग के फॉर्मूले से आरजेडी काफी निराश नाराज नजर आ रही है। आरजेडी के सांसद मनोज झा ने मीडिया से बातचीत में कहा, हम आपके सामने एक खास वजह से आए हैं। आप देख सकते हैं कि हमारा पूरा नेतृत्व हमारे नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी के आग्रह पर यहां आया है। आज सुबह हमारी एक बैठक हुई थी और उस बैठक में यह तय हुआ कि वोटों की ताकत और जनाधार आरजेडी के पक्ष में है। उदाहरण के लिए, मैं आपको बता दूं कि पिछली बार हम 7 सीटों पर लड़े थे क्योंकि लालू यादव का दिल बड़ा था, उनका लक्ष्य भाजपा को बाहर करना था और आज भी लक्ष्य वही है, हम 5 सीटों पर दूसरे नंबर पर रहे।

मनोज झा ने कहा कि हमारे गठबंधन के बाकी साथी शायद इतनी सीटों पर प्रतिशत के हिसाब से दूसरे नंबर पर नहीं रहे होंगे। एकतरफा फैसला लिया गया। अलग-अलग जिलों में हमारी मौजूदगी बहुत मजबूत है, हम अपने गठबंधन के साथियों से आग्रह करेंगे कि वे उसी हिसाब से फैसला लें। हमारे प्रभारी यहां हैं, हमारे प्रदेश अध्यक्ष यहां हैं और कल से हमारे नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी भी खुद यहां हैं। सबके होने के बावजूद अगर आपने गठबंधन की प्रक्रिया में हमें शामिल नहीं किया, तो यह दुख की बात है। आज जो बैठक हुई, उसमें हमने 15 से 18 ऐसी सीटों की पहचान की है विभिन्न जिलों में हम अकेले भी भाजपा को हराने में सक्षम हैं।

पिछले चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा या जेएमएम ने 43 सीटों पर चुनाव लड़ा था जबकि कांग्रेस ने 31 सीटों पर चुनाव लड़ा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस बार कांग्रेस को 27 से 28 सीटें मिलने की संभावना है। जेएमएम को अपनी सीटों में बढ़त की उम्मीद है। ऐसा माना जा रहा है कि हेमंत सोरेन झारखंड में एक अहम चेहरा हैं और उनके नाम पर महागठबंधन को वोट मिलेंगे।

डीजीपी अनुराग...

काफी शिकायतें मिली थीं। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब राज्य में विधानसभा चुनाव की तैयारियां चल रही हैं। झारखंड विधानसभा चुनाव दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को होंगे। पहले चरण की नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है।

2019 के आम चुनाव के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने उन पक्षपातपूर्ण आचरण का आरोप लगाया था। इसके बाद उन्हें झारखंड के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (विशेष शाखा) के रूप में उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया था। उस समय उन्हें दिल्ली में रेजिडेंट कमिश्नर के कार्यालय में तैनात किया गया था। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक उनके झारखंड लौटने पर रोक लगा दी गई थी। इससे पहले भी 2016 के राज्यसभा उपचुनाव के दौरान गुप्ता पर पद के दुरुपयोग के आरोप लगे थे। वे तब अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के पद पर थे। उस समय आयोग ने उनके खिलाफ एक जांच समिति गठित की थी। जिसके नतीजों के आधार पर विभागीय जांच के लिए उनके खिलाफ आरोप पत्र जारी किया गया। इस मामले में जगन्नाथपुर थाने में उनके खिलाफ 2018 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद 2021 में झारखंड की झामुमो सरकार ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17 (ए) के तहत उनके खिलाफ जांच की अनुमति दी।

राष्ट्रीय महिला ...

राजस्थान में भाजपा की सह-प्रभारी रह चुकी हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि पार्टी ने एक तीर से कई निशाने साधने की कोशिश की है। उनकी इस नियुक्ति से मतदाताओं में संदेश जा सकता है कि भाजपा महिलाओं को उचित सम्मान दे रही है और नेतृत्व करने का जिम्मा सौंप रही है।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, रहाटकर इस पद पर तीन साल या 65 वर्ष की आयु तक (जो भी पहले हो) के लिए नियुक्त किया गया है। वह आयोग की नौवीं अध्यक्ष होंगी। रहाटकर भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष भी रही हैं। महाराष्ट्र महिला आयोग में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने सक्षमा (तेजाबी हमलों के पीड़ितों की मदद के लिए), प्रज्ज्वला (स्वयं सहायता समूहों को केंद्र सरकार की योजनाओं से जोड़ने के लिए) और सुहिता (महिलाओं के लिए हेल्पलाइन सेवा) जैसी कल्याणकारी पहलों की शुरुआत की।

इसके अलावा, उन्होंने पॉक्सो अधिनियम, तीन तलाक विरोधी प्रकोष्ठ और मानव तस्करी विरोधी इकाइयों पर फोकस करके कामूनी सुधारों पर भी काम किया। रहाटकर ने डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम शुरू किए और महिलाओं के मुद्दों को समर्पित साद नामक प्रकाशन भी शुरू किया। महिला सशक्तिकरण में उनके योगदान के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। जिसमें राष्ट्रीय कानून पुरस्कार और राष्ट्रीय साहित्यिक परिषद से सावित्रीबाई फुले पुरस्कार शामिल हैं।

करोड़ों की...

ईडी अब तक पीएफआई के 26 सदस्यों और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर चुकी है। इसके अलावा, फरवरी 2021 से मई 2024 के बीच 9 अभियोजन की शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं। ईडी की इस कार्रवाई से साफ हो गया है कि केंद्र सरकार आतंकवादी संगठनों और उनके वित्तपोषण के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। इस मामले में अभी और गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

पीएफआई के खिलाफ यह कार्रवाई भारत में आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ईडी की जांच से यह स्पष्ट हो चुका है कि संगठन ने विदेशी नेटवर्क का इस्तेमाल कर भारत में कट्टरपंथी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रची थी। इस कार्रवाई से यह संकेत मिलता है कि सरकार आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों को बंद करने के लिए सख्त कदम उठा रही है।

प्रवर्तन निदेशालय ने प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफि इंडिया के खौफनाक इरादों को खुलासा किया है। पीएफआई समाज में घुसपैठ के जरिये आतंकी फंडिंग, हथियारों का प्रशिक्षण और देश-विदेश में हिंसा भड़काने में लगी हुई थी। इस्लामिक संगठन पीएफआई हिंसा की आग में भारत को झोंकना चाहता था। इसकी गृहयुद्ध की भी साजिश थी। ईडी को जांच में पता चला है कि पीएफआई को विदेश से फंडिंग हो रही थी। खाड़ी देशों में उसका बड़ा नेटकर्क हैं और 13000 से ज्यादा लोग इसमें शामिल हैं। सऊदी अरब, यूएई, कुवैत, कतर ओमान में इसके सक्रिय सदस्य हैं। इस प्रतिबंधित संगठन ने समितियां बनाई थीं, जो फंड जुटाने में लगी थीं। हवाला के माध्यम से भी फंड भेजा जा रहा था।

पीएफआई इस्लामिक आंदोलन खड़ा करने की कोशिश कर रहा था। अहिंसक हवाई हमले और गुरिल्ला हमले की भी साजिश थी। पीएफआई पर वर्ष 2022 में ताबड़तोड़ छापे पड़े थे। एनआईए, ईडी और स्थानीय पुलिस ने यह कार्रवाई की थी। उसी समय इसके गंदे इरादों का पर्दाफाश हुआ था। वर्ष 2022 में पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया गया था। पीएफआई भारत में जेहाद के जरिए अशांति फैलाना चाह रहा था। भारत को अस्थिर करने की उसकी मंशा थी। यह गृहयुद्ध की तैयारी में था। वर्ष 2020 में दिल्ली में हिंसा भड़काने का भी इस पर आरोप है। हाथरस में उसने सद्भाव बिगाड़ने का प्रयास किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्ष 2022 में पटना यात्रा के दौरान अशांति फैलाई और साजिश रची।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 20 अक्टूबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

हिंदी भारतीय संस्कृति की संवाहक है : संजय झा

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाषा का मुख्य कार्य संचार तो है ही मगर उससे भी अधिक जो महत्वपूर्ण कार्य भाषा करती है, वह है संस्कृति की रक्षा। हिंदी भारतीय संस्कृति की संवाहक है। भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री भारतीय भाषाओं के अग्र नायक हैं। आप हर मंच से धारा प्रवाह हिंदी बोलते हैं। हिंदी के माध्यम से भारत को आत्मनिर्भरता की राह में भारत को आगे बढ़ा रहे हैं। हिंदी भाषा भारत को आत्मनिर्भर बनाने में अहम योगदान दे सकती है। मजबूती प्रदान कर सकती है। ये उद्गार रहे मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. संजय कुमार झा के। डॉ. झा की अध्यक्षता में शनिवार को भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के उद्यम मिश्र धातु निगम लिमिटेड, हैदराबाद में हिंदी दिवस समारोह 2024 का समापन कार्यक्रम संपन्न हुआ।उन्होंने आगे कहा कि हिंदी के प्रचार प्रसार में संचार माध्यमों का बहुत बड़ा योगदान है। आज हर सोशल मीडिया पर हिंदी में संभाषण हो रहा है। यह प्रवृत्ति बड़ी ही तेजी से बढ़ रही है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. बेला ककड़, उप निदेशक व प्रभारी अधिकारी, हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि राजभाषा की हीरक जंयती के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना से भारत की भाषा का मान बढ़ाया है। हिंदी भारतीय भाषाओं का गु-लदस्ता है। उदाहरणों के साथ स्पष्ट किया कि ये भाषाएं हिंदी की सहोदरी हैं। सहेलियां हैं। बहने हैं। ये भाषाएं हिंदी की ताकत हैं। हिंदी को पैन इंडिया भाषा बनाती हैं। राजभाषा विभाग के प्रयासों से हिंदी प्रशिक्षण के लिए एआई का भी उपयोग किया जाता है। अब यह स्थिति बन रही है कि प्रबंध हिंदी में काम करने का आग्रह नहीं बल्कि आदेश दे सकते हैं क्योंकि भारत संघ कार्यालयों के सभी कर्मचारी हिंदी में प्रशिक्षित व कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त हैं।

इस अवसर पर गृहमंत्री व रक्षा मंत्री के संदेश क्रमश: निशांक कुमार जैन, उ.म.प्र. (टाइटेनियम) और मनन संठवानी, उप प्रबंधक (सीएस) ने वाचन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत बीपीडीएवी स्कूल के छात्रों द्वारा हिंदी भाषा पर गीत गायन, मिधानि कर्मचारियों द्वारा कविता पाठ और हिंदी फिल्म गीत गायन किया गया। हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित हिंदी भाषा पर गीत गायन, शब्दावली, कविता वाचन, निबंध, टंकण, गीत गायन और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के विजेता छात्रों व कर्मचारियों को नकद पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। प्रतियोगिताओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मिधानि के विभाग डब्ल्यूपीएम को मिधानि राजभाषा गरिमा पुरस्कार के अंतर्गत रोलिंग ट्रॉफी दी गई। कार्यक्रम का संचालन उद्यम के प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) डॉ. बी. बालाजी ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में हिंदी अनुभाग की कनिष्ठ कार्यपालक रत्नाकुमारी का सक्रिय योगदान रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से और समापन राष्ट्र गान से हुआ।

दाहिमा समाज के टैली प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दहिमा समाज द्वारा टैली प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर दिलसुख नगर स्थित पीआर सॉफ्टवेयर इंस्टीट्यूट परिसर में एक महीने तक चलेगा।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में दाहिमा समाज के सचिव सत्यप्रकाश डोबा ने बताया कि सभी छात्रों ने इस पहल की सराहना की। यह कार्यक्रम रोजगार से जुड़ा होगा और प्रशिक्षण के बाद सभी का इंटरव्यू भी आयोजित किया जाएगा। महीने भर के उक्त शिविर में प्रतिदिन सुबह 9.00 से 11.00 बजे तक कक्षाएं नियमित रूप से चलेंगी। शिविर में शामिल होने के लिए 2100/- रुपये का प्रवेश शुल्क तय किया गया है।

पीआर सॉफ्टवेयर इंस्टीट्यूट की ओर से प्रेम अग्रवाल और प्रशिक्षक श्रीमती आशा शर्मा ने अध्यक्ष सुरेश गांधी और सचिव सत्यप्रकाश डोबा का स्वागत किया। शिविर का दौरा करने के बाद, दाहिमा समाज के अध्यक्ष ने सभी प्रशिक्षार्थियों से बातचीत की और प्रशिक्षण के बारे में जानकारी एकत्र की तथा सभी छात्रों का हौसला बढ़ाया।

उन्होंने प्रशिक्षार्थियों को आज के संदर्भ में टैली से होने वाले लाभ और टैली सॉफ्टवेयर के व्यापार में उपयोगिता के बारे में बताया। सचिव सत्यप्रकाश डोबा ने बताया कि टैली के साथ-साथ जीएसटी फाइलिंग, ई-वे बिल, ई-इनवॉइसिंग और टैली विद एक्सेल का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रत्येक विद्यार्थी को स्वतंत्र रूप से प्रशिक्षण के लिए स्वतंत्र कंप्यूटर उपलब्ध कराया जाएगा। इस शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने का भी प्रयास किया जाएगा। अध्यक्ष ने समिति को पहले टैली प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ पर बधाई और शुभकामनाएं दी। सचिव ने पीआर सॉफ्टवेयर के निदेशक प्रेम अग्रवाल का धन्यवाद किया। दूसरा बैच आगामी सोमवार, 21 अक्टूबर को दोपहर 2.00 से 4.00 बजे तक शुरू हो रहा है। अध्यक्ष ने इसमें अधिक से अधिक भाग लेने का आग्रह किया।

अंतरराष्ट्रीय पुरातत्व दिवस जैन हाई स्कूल में मनाया गया

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री भारतवर्षीय तीर्थ संरक्षिणी महासभा के अंतर्गत निर्ग्रंथ सेंटर ऑफ आर्कियोलॉजी के पुरातत्व संयोजक

राजेश कुमार जैन के तत्व-ावधान में 19 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय पुरातत्व दिवस को जैन हाई स्कूल, बेगम बाजार, हैदराबाद में धूमधाम से मनाया गया। राजेश कुमार जैन ने स्कूल के बालक बालिकाओं को पुरातत्व का अर्थ बताते हुए कहा कि पुरातत्व प्राचीन सभ्यताओं और संस्कृतियों के अवशेषों का अध्ययन और अनुसंधान करना है एवं पुरातत्वशास्त्री प्राचीन सभ्यताओं के रहन-सहन, आर्थिक स्थिति, सामाजिक संरचना, धार्मिक प्रथाओं और कलात्मक विकास के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए पुरातात्विक स्थलों की खुदाई और अन्वेषण किया जाता है। उन्होंने पुरातत्व का महत्व बताते हुए कहा की इतिहास को समझने में मदद करता है, सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करता है। प्राचीन सभ्यताओं के बारे में नई जानकारी प्रदान करता है, ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण में मदद करता है।

पाठशाला के छात्रों को पुरातत्व की जानकारी देने हेतु छात्रों को ब्रिटिश संग्रहालय में भारतीय संग्रह एवं हैदराबाद आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम पर विशेष डॉक्यूमेंट्री पेश की गई जिसमे प्रत्येक कलाकृति के समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक महत्व का पता लगता हैं। प्राचीन मूर्तियों जिसमे गणेशजी, कृष्णजी, खजुराहो मंदिर के अंश, अति प्राचीन जैन तीर्थंकरों के मूर्तियां, ताम्रपत्र पर अंकित अद्वितीय श्री ऋषिमंडल जैन यंत्र, नटराज जी, लक्ष्मी जी, विष्णुजी, बुद्ध जी, योगिनीजी के स्कल्पचर ऑफ़ कांचीपुरम, भाषा-लिपि ब्रह्मलिपि, संस्कृत, प्राकृत जैसे कलाकृति से ओत-प्रोत है। ऐसे अनेक अनमोल धरोहर ब्रिटिश संग्रहालय में देखने को मिलते है। और मिट्टी के बर्तनों से लेकर जटिल वस्त्रों और आभूषणों तक, यह संग्रह भारतीय उपमहाद्वीप की विविध कलात्मक परंपराओं की एक झलक प्रदान करता है। तत्पश्चात हैदराबाद आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम के जैन स्कल्पचर गैलरी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यहां पर छठी शताब्दी से 14वीं शताब्दी के मध्य के प्राप्त हुए शिलालेख जैन धर्म से सम्बंधित स्मारक, प्राचीन प्रतिमाएँ जिसमे भगवान आदिनाथ जी, भगवान पार्श्वनाथजी भगवान महावीर स्वामीजी जैन यक्ष यक्षिणी के प्रतिमाएं एवम जैन मंदिरों के अवशेष आदि हैदराबाद के आर्कियोलॉजिकल विभाग को प्रचुर मात्रा में दक्षिण भारत तमिल, कर्नाटक आंध्र तेलंगाना से प्राप्त हुए है, जो ये संग्रालय में देखने को मिलता है। तत्पश्चात इस अवसर पर प्राचीन तीर्थ जीर्णोधार एवं जैन संस्कृति कला एवं पुरातत्व नामक पुस्तकों का विमोचन किया गया। पाठशाला के वाइस प्रिंसिपल संजय कुमार जैन, अध्यापक गण सपना, सुधा, इन्दु, लावण्या, ममता एवं अतिवीर जैन, अभिषेक जैन, आयुष जैन, चंदूलाल जैन एवं अन्य उपस्थित थे।

गोशामहल में दक्षिणांचल महिला मंडल की सदस्याओं ने करवाचौथ की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम में सपना गुप्ता, रागिनी, सीता कमलेश, मंजू, संध्या, पूनम, रागनी, शिल्पी दीपा, मंजू, सुमन, पूनम संजौली,रचना व अन्य उपस्थित थीं।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, मछलीपट्टनम में हिंदी पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन के. वेंकट राव, क्षेत्र प्रमुख, मछलीपट्टनम द्वारा किया गया। साथ में हैं वीआरएम ताताजी कोडुरी एवं के. यू. रामलिंगा रेड्डी (उप क्षेत्र प्रमुख, मछलीपट्टनम)।

हैदराबाद डिस्ट्रिक्ट स्कूल गेम्स में एलबीएमटी हाईस्कूल का शानदार प्रदर्शन

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित एलबीएमटी हाईस्कूल के छात्रों ने हैदराबाद डिस्ट्रिक्ट स्कूल गेम्स फ़ेडरेशन द्वारा आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर विजय पताका लहराई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार जिल-ास्तर पर गत 24 सितंबर को हैंडबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसमें 17 वर्ष की आयु वर्ग श्रेणी में लगभग 32 स्कूलों के छात्राओं ने भाग लिया। इसमें एलबीएमटी हाईस्कूल की छात्राओं ने चौथा स्थान प्राप्त किया। उसी तरह मंडल स्तर पर तीन दिवसीय खो-खो और कबड्डी प्रतियोगिताओं में 14 वर्ष की आयु वर्ग श्रेणी में लगभग 22 स्कूल के छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें एलबीएमटी हाईस्कूल की छात्राओं ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कबड्डी में जिला स्तर पर एलबीएमटी हाईस्कूल की दो छात्राओं- कु. सुहाना खातून और कु. तनिशा का चयन किया गया। 14 वर्ष की आयु वर्ग श्रेणी कबड्डी प्रतियोगिता में एलबीएमटी हाईस्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जिसमें अब्दुल रहीम और जी. प्रवण राज का जिलास्तर पर चयन किया गया।

हैदराबाद डिस्ट्रिक्ट स्कूल गेम्स फ़ेडरेशन ने सरकारी हाईस्कूल में फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित किया, जिसमें लगभग 64 स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता में एलबीएमटी हाईस्कूल ने दूसर स्थान प्राप्त किया। दो विद्यार्थियों- अनिकेत पोरि (गोलकीपर) और अब्दुल रहमान (सेंटर हॉफ़) का जिला स्तर पर चयन किया गया। दोनों विद्यार्थियों ने कोत्तागुडेम के सिंगरेणी स्टेडियम में प्रतियोगिता में भाग लिया। एलबीएमटी हाईस्कूल के विद्यार्थियों की उपलब्धियों ने अग्रवाल शिक्षा समिति के नाम को रौशन कर दिया। एलबीएमटी हाईस्कूल प्रतिभागियों के साथ विद्यालय की प्रधानाध्यापिका प्रीति बाला, पीईटी सुनील शर्मा तथा मेघना बिडला, शिक्षिका श्रीमती नम्रता घनाते, श्रीमती मेघा कुलकर्णी, कार्यालय सहायक पीकॉन बाग आदि उपस्थित होकर खिलाडियों का प्रोत्साहित किया एवं उनका मनोबल बढ़ाया।

शुभ लाभ DAILY

तेलंगाना में 38 रेलवे स्टेशन को 1830.4 करोड़ की लागत से किया जा रहा विकसित

चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन का सैटेलाइट टर्मिनल के रूप में हो रहा विकास

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने की दृष्टि से बड़े पैमाने पर रेलवे स्टेशनों के उन्नयन के साथ भारतीय रेलवे में एक बड़ा परिवर्तन प्रगति पर है। अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत, देश भर में 39 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिसमें चेरलापल्ली रेलवे स्टेशन भी शामिल है, जिसे टर्मिनल स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है।

430 करोड़ रुपए की लगत से क्षेत्रीय आबादी को आधुनिक यात्री सुविधाएं प्रदान करने और उन्हें विकास केंद्रों में परिवर्तित करने के लिए। मिशन को तब बड़ा बढ़ावा मिला जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त, 2023 और फरवरी, 2024 के दौरान तेलंगाना राज्य में स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। उनके अलावा, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्रमुख उन्नयन कार्य भी किए गए हैं। जुड़वां शहरों के क्षेत्र में अन्य मौजूदा रेल टर्मिनलों पर भीड़ कम करने के लिए चेरलापल्ली सैटेलाइट टर्मिनल के विकास के साथ-साथ काम शुरू किया गया है।

एबीएसएस नीति रेल मंत्रालय द्वारा तैयार की गई थी जिसका उद्देश्य दीर्घकालिक दृष्टि से निरंतर आधार पर विकास की परिकल्पना करते हुए रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाना है। यह विचार एक मास्टर प्लान के अनुसार विभिन्न महत्वपूर्ण तत्वों के कार्यान्वयन पर आधारित है जो रेलवे स्टेशनों की बढ़ती जरूरतों और बढ़े हुए संरक्षण को पूरा करता है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत नियोजित सुविधाओं में शामिल हैं, जिसके तहत अग्रभागों का सुधार और सौंदर्यपूर्ण रूप से मनभावन प्रवेश द्वार बरामदे। सड़कों का चौड़ीकरण करके सुगम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन पहुंच मार्गों को बेहतर बनाना। उचित रूप से डिज़ाइन किए गए साइनेज, समर्पित पैदल पथ, सुनियोजित पार्किंग क्षेत्र, बेहतर प्रकाश व्यवस्था आदि। भूदृश्य, हरे पैच का निर्माण। रेल उपयोगकर्ताओं के लिए सुखद अनुभव बनाने के लिए स्थानीय कला और संस्कृति को प्राथमिकता। एक स्टेशन एक उत्पाद योजना के लिए स्टॉल चिन्हित करना। व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन बिल्डिंग और सर्कुलेटिंग एरिया के लिए द्वितीय प्रवेश को सक्षम करना। उच्च स्तरीय प्लेटफार्मों और पर्याप्त प्लेटफार्म आश्रयों का निर्माण। उच्च गुणवत्ता वाली सार्वजनिक घोषणा प्रणाली, एलईडी आधारित स्टेशन नाम बोर्ड, प्रतीक्षालय में सुधार, उपयोगकर्ता के अनुकूल साइनेज इत्यादि जैसी यात्री सुविधाओं और सुविधाओं का प्रावधान। स्टेशनों का सिटी सेंटर के रूप में विकास। शहर के दोनों किनारों का एकीकरण। स्टेशन भवनों का सुधार/पुनर्विकास। अच्छी तरह से डिज़ाइन की गई आधुनिक यात्री सुविधाओं का प्रावधान। अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया ट्रैफ़िक सर्कुलेशन और इंटर-मोडल एकीकरण। मास्टर प्लान में उपयुक्त संपत्ति विकास का प्रावधान। भूनिर्माण, स्थानीय कला और संस्कृति प्रमुख हैं। इन सभी स्टेशनों का विकास वर्तमान में प्रगति के विभिन्न चरणों में है। इसके अलावा जुड़वां शहरों में दो महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों, काचीगुडा और लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशनों के लिए एक तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है।

राधे राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान जारी

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के सौजन्य से जारी नियमित अन्नदान सेवा में सैकड़ों जरूरतमंद लोग नित्य अन्नदान सेवा का लाभ ले रहे हैं। प्रेस को जारी विज्ञप्ति उक्ताशय की जानकारी देते हुए बताया गया कि राधे राधे ग्रुप द्वारा प्रतिदिन नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पास नित्य अन्नदान सेवा की जाती है। विज्ञप्ति में बताया गया कि आज की सेवा कार्तिक कृष्ण प्रतिपदा के अवसर पर रामेश्वरदयाल घनश्यामदास गुप्ता परिवार एवं एमएस राहुल फार्मा डिस्ट्रीब्यूटर्स, सिकंदराबाद एमएस. फार्मा डिस्ट्रीब्यूटर्स, सुल्तान बाजार के सहयोग से की गई। इस कार्यक्रम में राधे राधे ग्रुप ने जरूरतमंद लोगों को नाश्ता परोसा।

यह कार्यक्रम समाज में सेवा और सहयोग की भावना को बढ़ावा देता है। कार्यक्रम मे राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता,पद्मा अग्रवाल, मीत अग्रवाल, धीरज सेठ आदि उपस्थित थे।

स्लेट स्कूल गनफाउंड्री के छात्र एवं कबूतरखाना निवासी क्राइड प्रवीण चितलंगी ने जिला स्तर पर अयोजित अंतर्विद्यालयी योग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

पत्रकार पर जानलेवा हमला, पत्रकार संघों और नागरिकों ने की निंदा

कोत्तागुडेम/इलांडू, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इलांडू में हैदराबाद से प्रकाशित एक उर्दू दैनिक समाचार पत्र के स्थानीय रिपोर्टर नित्ता सुदर्शन पर हुए जानलेवा हमला किया गया। इस हमले को पत्रकार संघों और नागरिक समाज द्वारा पत्रकारिता प्रणाली पर हमला बताया जा रहा है। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने भारतीय संविधान ने पत्रकारिता को चौथे स्तंभ के रूप में प्रमुख भूमिका दी। हाल के दिनों में ऐसे पेशे से जुड़े पत्रकारों पर गुंडों के हमले बहुत ज्यादा हो गए हैं। व्यवस्था की खामियों का फायदा असामाजिक ताकतें उठा रही हैं। इस पृष्ठभूमि में, सुदर्शन, जिन्हें इलांडु में गंभीर चोटें आईं, अस्पताल में इलाज के दौरान अपनी गवाही दी। इस घटना से पूरे तेलंगाना में सनसनी फैल गई है।

भव्य रूप से मनाया गया बाबा जयरामदास का जन्मोत्सव

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिद्ध शिरोमणि 1008 परमहंस बाबा जयरामदास महाराज के जन्मोत्सव पर पाली धाम स्थित बाबा के मंदिर में सायंकालीन भंडारे एवं रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। जागरण में मुख्य अतिथि फतेहचंद वशिष्ठ भिवानी वाले ने बाबा जयरामदास के भजनों का गुणगान किया व केक काटकर बाबा का उत्सव मनाया। जागरण सत्येंद्र शर्मा के द्वारा गणेश वंदना गणपति को प्रथम मनाना है, उत्सव को सफल बनाना है गाकर किया। बालाजी का भजन कलयुग में सिद्ध हो देव तुम्ही हनुमान तुम्हारा क्या कहना भजन से अपनी प्रस्तुति दी।

जयपुर से पधारी साक्षी अग्रवाल कलाकार ने बाबा का भजन परमहंस त्यागी बाबा का आज बर्थडे आया है, इसलिए बाबा ने हमें पाली में बुलाया है, सुनाकर दर्शकों को खूब नचाया। सत्येंद्र शर्मा ने राम तेरे घर आएंगे आएंगे प्रभु आएंगे गाकर खूब तालियां बटोरी। इस दौरान बाबा का भव्य दरबार, अलौकिक श्रृंगार, छप्पन भोग का प्रसाद भी आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर बाबा जयरामदास सेवा समिति एवं श्री श्याम कृपा मंडल के प्रधान सुनील निम्भेड़िया, नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी, व्यापार मंडल प्रधान सुरेंद्र बंटी अग्रवाल, शिव शंकर, राजेश गुप्ता, सुजान ठेकेदार, रतन राठी, जुगल राजस्थानी, अमरसिंह सोनी, मुकेश मेहता, हिमांशू चौधरी, कमेटी प्रधान कंवर सिंह, देशराज सरपंच पाली हैदराबाद से सतीश गुप्ता अनेक श्रद्धाल मौजूद रहे।

बाबा जयराम दास सेवा समिति महेंद्रगढ़ एवं श्रीश्याम कृपा मंडल महेंद्रगढ़ द्वारा पाली धाम के श्री बाबा जयरामदास महाराज के जन्मोत्सव पर एक ध्वजा यात्रा निकली गई, जिसमें बाबा की 501 ध्वजा शामिल हुई। ध्वजा यात्रा में महेंद्रगढ़ के नव निर्वाचित भाजपा विधायक कंवर सिंह यादव ने श्रद्धालुओं के साथ पैदल चलकर पाली धाम पर निशान चढ़ाया व बाबा का आशीर्वाद लिया।

विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि क्षेत्र के लोगों में बाबा जयराम दास के प्रति गहरा लगाव व आस्था है। बाबा के धाम पर जो भी मन्नते मांगते उनकी मन्नते बाबा अवश्य पूरी करते हैं। प्रधान सुनील निंभेड़िया ने बताया कि पैदल ध्वजा यात्रा शहर की अनाजमंडी से प्रारंभ होकर रेलवे रोड, बालाजी चौक, विश्वकर्मा चौक, राव तुलाराम चौक होते हुए बाबा के पाली धाम मंदिर में पहुंची। भक्तों द्वारा शीतल जल व शरबत पिलाकर एवं फूल मालाओं से ध्वजा यात्रा का स्वागत किया गया। पाली बस स्टैंड स्थित पाली धाम पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा ध्वजा यात्रा का फूलों की वर्षा कर स्वागत किया गया।

प्रेम प्रस्ताव ठुकराने पर युवक ने लड़की को आग के हवाले किया

कडप्पा 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश में कडप्पा जिले के गोकावरम गांव में प्रेम प्रस्ताव ठुकराने पर एक युवक ने किशोरी छात्रा को आग के हवाले कर दिया। कडप्पा जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन राजू ने मीडिया को बताया कि पीड़िता बडवेल कस्बे के रामंजनेया नगर इलाके की निवासी है और इंटरमीडिएट की पढ़ाई कर रही है। आरोपी 22 वर्षीय विग्नेश और पीड़िता बचपन से दोस्त हैं और एक ही इलाके के रहने वाले हैं। विग्नेश ने सुबह लड़की को फोन किया और बाहरी इलाके में मिलने पर जोर दिया। वह लड़की को ऑटोरिक्शा में गोकावरम गांव के बाहरी इलाके में पीपी कुंटा इलाके में ले गया। वह उससे बात करने के बहाने उसे जबरन सुनसान जगह पर झाड़ियों के पीछे ले गया जहां अचानक उसने उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी और वहां से भाग निकला। राहगीरों ने पीड़िता की चीखें सुनीं और उसे जली हुई अवस्था में देखा। उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने लड़की को एंबुलेंस से रिम्स अस्पताल पहुंचाया।

उन्होंने बताया कि मजिस्ट्रेट ने पीड़िता का बयान लिया है। आरोपी को पकड़ने के लिए चार विशेष टीमें बनायी गई हैं। पीड़िता के माता-पिता ने मीडिया को बताया कि लड़की इंटरमीडिएट की पढ़ाई कर रही थी और आरोपी विग्नेश ने लड़की से दोस्ती की थी। विग्नेश की हाल ही में शादी हुई है, लेकिन वह पिछले कुछ महीनों से प्यार के नाम पर लड़की को परेशान कर रहा था। इस घटना से बडवेल कस्बे में सनसनी फैल गई। इस बीच मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने पुलिस अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। उन्होंने जिला अधिकारियों को लड़की को बेहतर इलाज मुहैया कराने के लिए कदम उठाने और आरोपी को तुरंत गिरफ्तार करने का निर्देश दिया।

तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में कुछ स्थानों पर बारिश के आसार

अमरावती, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मौसम विज्ञान केंद्र ने शनिवार को कहा कि चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र उत्तरी तमिलनाडु तट के पास दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना हुआ है। दैनिक मौसम रिपोर्ट के मुताबिक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र मध्य अंडमान सागर के ऊपर स्थित है और औसत समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर तक फैला हुआ है। इसके प्रभाव के कारण 21 अक्टूबर को पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी अंडमान सागर के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बनने का अनुमान है। इसके बाद, इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 23 अक्टूबर के आसपास एक दबाव के साथ और तेज होने का अनुमान है।

पूर्व मध्य अरब सागर से दक्षिण कर्नाटक और रायलसीमा में दक्षिण आंध्र प्रदेश तट पर उपरोक्त निम्न दबाव क्षेत्र के केंद्र से ट्रफ रेखा कम चिह्नित हुई है, जो औसत समुद्र तल से 3.1 किमी ऊपर तक फैली हुई है। इसके प्रभाव से अगले 48 घंटों के दौरान उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में अलग-अलग स्थानों पर और अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में अतिवृष्टि होने का अनुमान है। अगले तीन दिनों में तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान है। अगले सात दिनों में तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान है। दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश के एसपीएसआर नेल्लोर जिले और रायलसीमा के तिरुपति जिले में पिछले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश हुई। रिपोर्ट में कहा गया कि तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कई स्थानों पर और रायलसीमा में अधिकांश स्थानों पर इसी अवधि के दौरान बारिश हुई।

जुआ खेलते हुए चार लोग गिरफ्तार

मंचेरियाल, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले के दांडेपल्ली मंडल के जंगल में जुआ खेलने के आरोप में टास्क फोर्स के अधिकारियों ने चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 53,460 रुपये, चार मोबाइल फोन और तीन मोटरसाइकिलें जब्त की। रामागुंडम टास्क फोर्स पुलिस ने कहा कि लक्सेटिपेट शहर के पेटेम तिरुपति, मोहम्मद कलीम, जन्नारम के गंधम नारायण और दांडेपल्ली मंडल के चिंदम सतीश को एक गुप्त सूचना के बाद अपराध करते समय पकड़ा गया।

चारों को आगे की कार्रवाई के लिए दांडेपल्ली पुलिस को सौंप दिया गया। दो अन्य आरोपी लक्सेटीपेट मंडल के पथरावेनी लछन्ना और दांडेपल्ली मंडल के नेल्की रविंदर अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं।

चंद्रबाबू नायडू ने अमरावती पुनर्निर्माण कार्यों का किया उद्घाटन

कहा- हम फिर से इतिहास लिखने आए हैं

हैदराबाद/अमरावती, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को अमरावती पुनर्निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया और इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किसान स्वेच्छा से आगे आए और अमरावती के विकास के लिए अपनी जमीन देकर बहुत बड़ा योगदान दिया। उन्होंने आगे कहा कि आज, हम इतिहास को फिर से लिखने आए हैं। हमने राज्य में 16 प्रतिशत कम बजट के साथ शुरुआत की, फिर भी बहुत अल्प समय के भीतर, हमने शासन के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा विकसित किया। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने इस दौरान कहा कि, हमने हैदराबाद का विकास किया, आठ लेन की सड़कें बिछाईं और मेट्रो की शुरुआत की। कई लोगों ने हवाई अड्डे के लिए 5,000 एकड़ जमीन मंजूर करने के लिए मेरी आलोचना की, लेकिन आज, हैदराबाद हवाई अड्डा जीएसडीपी में 16 प्रतिशत का योगदान देता है।

उन्होंने आगे कहा, अमरावती को राजधानी के रूप में विकसित करने के लिए किसान स्वेच्छा से आगे आए और इसके निर्माण के लिए अपनी जमीन दी। 29,000 से अधिक किसानों ने योगदान दिया और राजधानी शहर के निर्माण के लिए सरकारी जमीन समेत कुल 54,000 एकड़ जमीन जुटाई गई। पिछले पांच वर्षों में, पिछली सरकार ने अमरावती क्षेत्र के किसानों की उपेक्षा की। इन किसानों ने राजधानी शहर के लिए लड़ाई लड़ी और विरोध किया।

आंध्र प्रदेश के सीएम ने कहा कि अमरावती न केवल राज्य की राजधानी है, बल्कि राष्ट्र का गौरव भी है। उन्होंने कहा, किसी ने कल्पना नहीं की थी कि हम एक आदर्श राजधानी के लिए कैसे योजना बना रहे हैं। किसानों के बिना ऐसा शहर नहीं बनाया जा सकता। हमें सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं के बारे में अध्ययन करना होगा। अमरावती न केवल राज्य की राजधानी है, बल्कि राष्ट्र का गौरव भी है। यह मूल हरित शहर होगा जिसे हम अभी बना रहे हैं। हम कुछ और शहरों का विकास करेंगे। तिरुपति एक और केंद्र होगा। हम बहुत स्पष्ट हैं कि हम जनसंख्या नियंत्रण के लिए नहीं बल्कि जनसंख्या प्रबंधन के लिए जाएंगे। भारत एक वैश्विक सेवा प्रदाता बनेगा। हम सब कुछ योजना बना रहे हैं। हमें सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना होगा। हमारे पास एक खाका है। अब कैसे जोड़ा जाए और सभी एजेंसियों को कैसे लाया जाए, यह महत्वपूर्ण है। सबसे पहले, हम एक खाका के साथ शुरुआत करेंगे और फिर हम सुधार करना जारी रखेंगे।

विविधता सृजन का सार है : जिष्णु देव वर्मा

राज्यपाल ने न्यूरोडायवर्स कलाकारों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने शनिवार को सालार जंग संग्रहालय में न्यूरोडायवर्स (बौद्धिक रूप से विकलांग) कलाकारों की कलाकृतियों वाली एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

विविध आवाज़ें: कला से परे सीमाओं नामक अनूठी प्रदर्शनी को संस्कृति मंत्रालय के तहत सालार जंग संग्रहालय द्वारा समर्थित किया गया है। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों के न्यूरोडायवर्स कलाकारों की लगभग 100 कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल वर्मा ने जोर देकर कहा, विविधता सृजन का सार है। किसी भी क्षेत्र में एकरूपता स्वीकार्य नहीं है, लेकिन वसुदैव कुटुंबकम के भारतीय आदर्श को प्राप्त करने के लिए एकता महत्वपूर्ण है। उन्होंने न्यूरोडायवर्स कलाकारों के प्रयासों के लिए गहरी सराहना व्यक्त की और कहा कि कला को समझाने के बजाय अनुभव किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि प्रदर्शित कलाकृतियाँ इन विशेष कलाकारों के भीतर की दिव्य चिंगारी को दर्शाती हैं।

सालार जंग संग्रहालय के निदेशक आशीष गोयल ने कहा, विविधता, समानता और समावेशिता हमारे मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। यह प्रदर्शनी न्यूरोडायवर्स कलाकारों के लिए एक आवश्यक मंच के रूप में कार्य करती है ताकि वे अपने अद्वितीय दृष्टिकोण को जनता के सामने प्रस्तुत कर सकें, जो हमारे समुदायों के भीतर सकारात्मक बदलाव को प्रेरित करने के लिए कला की शक्ति को उजागर करता है। द आर्ट सैंक्चुअरी की संस्थापक ट्रस्टी शालिनी गुप्ता ने प्रदर्शनी पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, हम सीमाओं को पार करने और सार्थक संबंध बनाने के लिए कला की परिवर्तनकारी क्षमता में दृढ़ता से विश्वास करते हैं। प्रसिद्ध गायिका दुर्गा जसराज और पद्म पुरस्कार विजेता मोहम्मद अली बेग इस कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि थे।

प्रदर्शनी की सूची, जो प्रदर्शित कलाकृतियों और उनके रचनाकारों का एक व्यापक अवलोकन प्रदान करती है, गणमान्य व्यक्तियों द्वारा जारी की गई थी।

डॉ अतिया अमजद द्वारा क्यूरेटेड, प्रदर्शनी 27 अक्टूबर तक चलेगी और इसमें पेंटिंग, चित्र, तस्वीरें, डिजिटल कला और मिट्टी/प्लास्टिक मॉडल जैसे विविध माध्यम शामिल होंगे। प्रत्येक कलाकृति न्यूरोडायवर्स कलाकारों की अनूठी दुनिया की एक झलक पेश करती है, जो उनके व्यक्तिगत अनुभवों को दर्शाती है और कई लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप में काम करती है।

रेवंत ने गांधी परिवार के योगदान की सराहना की

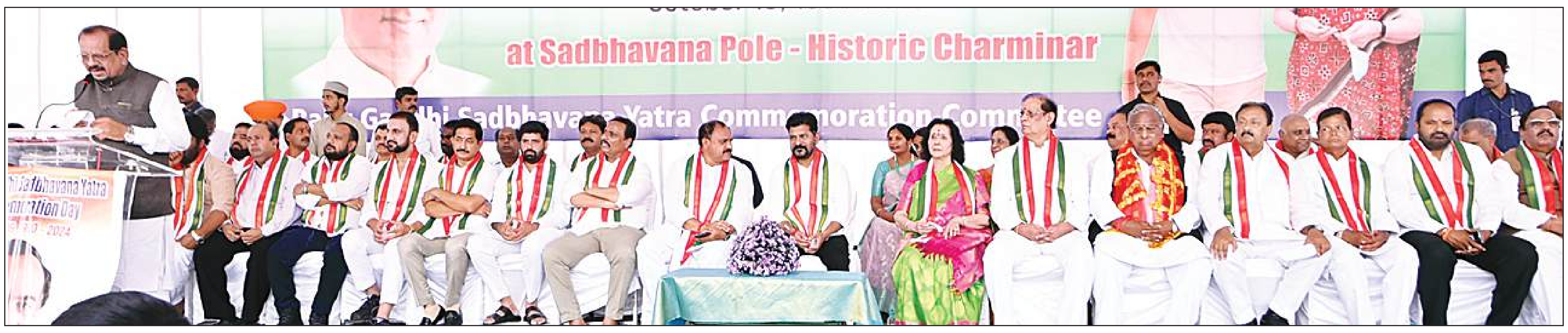

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को कहा कि समाज के गरीब वर्गों को हमेशा गांधी परिवार के नेतृत्व से लाभ मिला है। श्री रेड्डी ने आज यहां पुराने शहर के ऐतिहासिक चारमीनार में राजीव गांधी सद्भावना यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए 34 साल पहले सद्भावना यात्रा शुरू करने के लिए दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, हम राजीव गांधी की विरासत से प्रेरणा लेते रहते हैं, जो हमें हर साल आगे बढ़ने का मार्गदर्शन करती है। उन्होंने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता डॉ. गीता रेड्डी की भी सराहना की, जिन्हें लोगों की लंबे समय से की जा रही सेवा के लिए प्रतिष्ठित सद्भावना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उन्होंने कहा कि जहां कई नेता राजनीतिक पदों के लिए लड़ते हैं, वहीं गीता रेड्डी एक असाधारण शख्सियत हैं, जिन्होंने 2023 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है।

उन्होंने देश के लिए गांधी परिवार के बलिदानों पर प्रकाश डाला, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का उल्लेख किया गया, जिन्होंने देश के लिए अपनी जान दे दी तथा सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पद संभालने के अपने अवसरों का बलिदान दिया। उन्होंने कहा, गांधी परिवार ने हमेशा गरीबों के कल्याण को प्राथमिकता दी है, और उनके निर्णयों ने पूरे देश में लाखों लोगों का उत्थान किया है।

उन्होंने केटी रामा राव और श्री हरीश राव सहित भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेताओं पर भूमि अतिक्रमण को रोकने और सार्वजनिक संसाधनों की रक्षा करने के लिए हाइड्रा के प्रयासों में बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि श्री रामाराव और श्री हरीश राव समाज के गरीब वर्गों को लाभ पहुंचाने वाले विकास से ईर्ष्या करते हैं। उन्होंने बीआरएस नेताओं पर भी कटाक्ष किया कि वे सरकार द्वारा अवैध रूप से निर्मित संपत्तियों को ध्वस्त करने से रोककर अपनी संपत्ति को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि श्री रामाराव ने गुलखापुर नाला पर अतिक्रमण करके एक फार्महाउस बनाया है और बीआरएस नेता बुलडोजर को ऐसे अवैध ढांचों को ध्वस्त करने से रोकने के लिए नाटक कर रहे हैं।

पुलिस अधिकारी होना महज नौकरी नहीं है बल्कि सेवा सम्मान और बलिदान से जुड़ी भावना है : रेवंत

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को कहा कि पुलिस अधिकारी होना महज नौकरी नहीं है बल्कि सेवा, सम्मान और बलिदान से जुड़ी भावना है। श्री रेड्डी ने आज शाम यहां तेलंगाना पुलिस अकादमी में आयोजित तीन दिवसीय पुलिस ड्यूटी मीट के समापन पर अपने संबोधन में तेलंगाना राज्य के गठन में पुलिस कर्मियों द्वारा निभायी गयी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। राज्य के पुलिस बल को प्रेरित करने के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा , तेलंगाना के गठन में हमारे पुलिस भाइयों की भूमिका को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा, खासकर पुलिस कृष्णैया के बलिदान को। पुलिस विभाग की प्रतिष्ठा राज्य सरकार की प्रतिष्ठा को बढ़ाती है। एक छोटी सी गलती भी सरकार की छवि को खराब कर सकती है, लेकिन यह हमारी पुलिस की वजह से है कि नागरिक सुरक्षित महसूस करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कानून प्रवर्तन और आर्थिक विकास के बीच संबंध पर प्रकाश डालते हुए कहा, निवेश केवल उसी राज्य में आता है जहां शांति और सुरक्षा अच्छी तरह से बनी हुई है। हमारे पुलिस बल के योगदान ने हैदराबाद को एक अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित करने में मदद की है। पुलिस अधिकारियों के बच्चों के लिए यंग इंडिया पुलिस स्कूल स्थापित करने की योजना की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा, हमने स्कूल के लिए 50 एकड़ जमीन आवंटित की है और यह अगले शैक्षणिक वर्ष में खुलेगा। स्कूल में शुरुआत में 5वीं से 8वीं कक्षा तक की कक्षाएं होंगी, जिसे भविष्य के चरणों में बढ़ाया जायेगा। हम एक ऐसा संस्थान बनाना चाहते हैं जिस पर छात्र और उनके परिवार गर्व कर सकें और कह सकें, 'हमने पुलिस स्कूल में पढ़ाई की है। उन्होंने तेलंगाना पुलिस से देश भर में कानून प्रवर्तन के लिए एक उदाहरण स्थापित करने का भी आग्रह किया।

तेलंगाना के बेरोजगार युवाओं से सीधे बात करते हुए श्री रेड्डी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार रिक्त पदों को भरने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हम उन सभी नौकरियों को भर रहे हैं जो पिछली सरकार के तहत दस साल से लंबित थीं। कई चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, हमने नौकरी भरने की प्रक्रिया पूरी कर ली है।

उन्होंने कहा कि कुछ दल, जिन्होंने दस साल तक कुछ नहीं किया, अब स्वार्थी राजनीतिक लाभ के लिए बेरोजगारों को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने जोर दिया कि पुलिस विरोध प्रदर्शनों में भाग लेने वाले बेरोजगार व्यक्तियों के खिलाफ मामले दर्ज करने से बचें, तथा समूह-1 अधिकारियों के रूप में तेलंगाना के विकास में उनकी भावी भूमिका को स्वीकार करें।

निर्वाचन प्रक्रिया में युवाओं की सहभागिता सुदृढ़ लोकतंत्र के निर्माण में अहम : संदीप सिंह

रांची, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।
झारखंड के अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार सिंह ने कहा है कि निर्वाचन प्रक्रिया में युवाओं की सहभागिता सुदृढ़ लोकतंत्र के निर्माण के लिए अहम है। उन्होंने आज कहा कि युवा मतदाता के नैतिक मतदान के प्रति सजग होने से निर्वाचन की प्रक्रिया में सुगमता आएगी। वह शनिवार को जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में आयोजित 2 दिवसीय आर्ट 81 फेस्टिवल के समापन समारोह में कलाकारों एवं युवा मतदाताओं को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर अपर निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि इस 2 दिवसीय कार्यक्रम में आए सभी कलाकारों ने अपनी कला के माध्यम से यहां के युवा मतदाताओं को मतदान के प्रति आकर्षित करने के साथ मतदान के प्रति ज्ञानवर्धन का कार्य किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों के जरिए मनोरंजक तरीके से मतदाताओं के बीच मतदान के प्रति जागरूकता फैलाई जाती है। कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा लाईव पेंटिंग के माध्यम से झारखंड के 81 विधानसभा क्षेत्रों को दर्शाया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम में आए विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच प्रतिस्पर्धा का भी आयोजन किया गया। प्रतिस्पर्धा में विजयी प्रतिभागियों को पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित भी किया गया।

नुक्कड़ नाटक ग्रुप में जेवियर कॉलेज प्रथम, मारवाड़ी कॉलेज दूसरे एवं वीमेंस कॉलेज तृतीय स्थान पर रहा। ग्रुप डांस में मारवाड़ी कॉलेज (टीम ए) प्रथम, जेवियर कॉलेज द्वितीय, वीमेंस कॉलेज (टीम ए) तृतीय। ग्रुप सॉन्ग में विनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी प्रथम, डोरंडा कॉलेज द्वितीय रहा। डिबेट में सलोनी कुमारी एवं प्रणव राम

प्रथम, हरमन नदीम एवं ईशा गुप्ता द्वितीय स्थान पर रहे। कविता में नूर अफ्शा प्रथम, अविनाश कुमार द्वितीय श्रुति कुमारी तृतीय रहे।

बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मारवाड़ी कॉलेज को ओवरऑल चैंपियन का खिताब मिला। इस अवसर पर डीडीसी रांची दिनेश यादव, सहायक समाहर्ता रांची आदित्य पांडेय, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता, सहित रांची जिला प्रशासन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

ममता ने जूनियर डॉक्टरों को कल नबन्ना में मिलने का दिया न्योता

कोलकाता, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को जूनियर डॉक्टरों को सोमवार को नबन्ना में मिलने के लिए आमंत्रित किया। इससे पहले प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने सरकार को 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया था कि या तो उनकी 10 सूत्री मांगें मान ली जाएं, अन्यथा वे ऐसा करना जारी रखेंगे और मंगलवार को सरकारी एवं निजी दोनों अस्पतालों में एक दिन की सामान्य स्वास्थ्य हड़ताल बुलाने के लिए उन्हें मजबूर होना पड़ेगा।

सुश्री बनर्जी ने राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत के माध्यम से फोन पर डॉक्टरों को बुलाया जिसने बाद में राज्य के गृह सचिव नंदिनी चक्रवर्ती के साथ उपवास स्थल एस्प्लेनेड का दौरा किया। उन्होंने जूनियर डॉक्टरों को सोमवार शाम पांच बजे मिलने के लिए आमंत्रित किया है और उनसे अनशन और विरोध समाप्त कर ड्यूटी पर लौटने की अपील की है। चिकित्सकों ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि वे उन्हें सोमवार को मिलेंगे लेकिन जब तक उनकी 10 सूत्री मांगों पर सहमति नहीं हो जाती तब तक वे अनशन और विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे।

डॉ बिप्रेश चक्रवर्ती ने कहा कि मुख्यमंत्री को डॉक्टरों की मांगों के बारे में पूरी जानकारी नहीं होगी और यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि वह राज्य की स्वास्थ्य मंत्री भी हैं। सुश्री बनर्जी ने कहा कि उन्हें मांगों पर विचार करने के लिए तीन-चार महीने का समय चाहिए, जबकि वह जूनियर डॉक्टरों के उपवास स्थल पर फोन पर चिकित्सकों से बात कर रही थीं, जो आज 15 वें दिन में प्रवेश कर गया। सुश्री बनर्जी ने कहा, मैंने सीपी, डीएमई, डीएचएस को हटा दिया है लेकिन सभी को नहीं हटा सकती। चुनाव सहित अन्य मांगों पर विचार करने के लिए 3/4 महीने की आवश्यकता है। कृपया भूख हड़ताल से हट जाएं। चिकित्सकों ने कहा कि वे उससे सीधी बातचीत करना चाहते हैं और कहा कि उन्हें उनकी गतिविधियों के बारे में गलत जानकारी दी गई थी।

डॉक्टरों ने राज्य सरकार को अपनी मांगों को पूरा करने के लिए सोमवार तक का समय दिया था, जिसमें विफल रहने पर उन्होंने अगले मंगलवार को राज्यव्यापी हड़ताल पर जाने की धमकी दी थी। उत्तर 24 परगना में पीड़ित के शोक संतप्त माता-पिता के स्थान सोधपुर से धर्मतला तक एक विशाल रैली का आयोजन किया गया और यह राज्य के इतिहास में अब तक की सबसे लंबी रैली है। ईस्ट बंगाल और मोहन बागान के प्रशंसकों ने इसके अलावा साल्ट लेक स्टेडियम तक एक और विशाल रैली निकाली और उत्तरी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में अपने कार्यस्थल पर बलात्कार और हत्या की शिकार हुई 31 वर्षीय महिला द्वितीय वर्ष की स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के लिए न्याय की मांग की।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No.JC 732660X Sub Clk(IM) R JAYAKUMAR, R/o.39, Middle Street, Vill&Po:Gopalapuram, Dist:Virudhunagar, Tamilnadu - 626136 that my father name and DOB is changed from RAMASAMY, DOB:20-10-1946 to RAMASAMY KONDUSAMY, DOB:28-11-1944 vide affidavit dt:19-10-2024.

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 731614W Sub(Skt/Amn) Surappa Rao Bandi, R/o.5-10-13, 3rd Line, Sampath Vinayaka Temple, Patrudu Colony, Lakshmidevipeta, Vill, Po & Dist : Anakapalle, Andhra Pradesh-531001 that my daughter name is changed from B SANGEETA to B SANGITA vide affidavit dt:19-10-2024.

CHANGE OF NAME
I, VADDADI PENTAMMA Spouse of Service No.JC 731614W Sub(Skt/Amn) Surappa Rao Bandi, R/o.5-10-13, 3rd Line, Sampath Vinayaka Temple, Patrudu Colony, Lakshmidevipeta, Vill, Po & Dist:Anakapalle, Andhra Pradesh - 531001 have changed my name from VADDADI PENTAMMA to BANDI PENTAMMA vide affidavit dt:19-10-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No.14687482F, Rank: NK, Name: MALEK TANVIR AHMAD AIYUB MIYA, S/o. Malek Aiyubmiya Hasumiya, R/o. Vill: KALSAR, PO: KALSAR, Teh: THASRA, Dist: KHEDA (NADIAD), State: GUJARAT, Pin: 388230, have changed my mother name from MALEK JETUNBIBI to MALEK JETUNBIBI AIYUBMIYA, vide affidavit signed by Advocate & Notary B. Yadagiri, B.A., LL.B., on 17-09-2024.

CHANGE OF NAME
I, RAJU S/o Ram Ishwar Ram is legally father of ANKINTA. R/o Village-Muradhi Teh& District - Ballia, PIN-277402, State-Uttar Pradesh have changed my Daughter name from ANKINTA to "ANKITA" and DOB is 25/11/2003 add in my service documents vide affidavit dated 19/10/2024 before Notary C Samuel Hyderabad.

ज्योतिष ASTROLOGY
नाकोड़ा भैरव ज्योतिष
(जय जिनेन्द्र) मारवाड़ी, गुजराती महाराज, माजिशा भक्त हस्तरेखा, जन्माक्षर, पूजा-पाठ, संतान प्राप्ति, शारीरिक पीड़ा, मानसिक पीड़ा, व्यापार, सगाई, लग्न विलंब, शत्रुनिवारण, प्रेम समस्या, कर्ज मुक्ति, गृहक्लेश आकर्षण प्रयोग, पतिवश, सास-बहू झगड़ा, एकतरफा प्रेम (वशीकरण के जानकार) जीवन की जटिल समस्याओं का A+Z समाधान। बेगम बाजार, हैदराबाद.
संपर्क : 9032460847.

CHANGE OF NAME
I, No JC-826372K Rank Sub/APTC Name: DEVENDER, S/o JAINARAYAN SINGH, Unit: HQ 1 EME CENTER, residing at H.No. 158, Dahkora (26), Jhajjar, Haryana-124501,Changed my daughter name from SHIWANI to SHIVANI, Date of birth is 01/03/2003, Affidavit Singed By advocate and Notary G Samuel, Bsc, LLB

CHANGE OF NAME
I, JAIVANTI is legally wedded spouse of No JC-826372K Rank: Sub/APTC Name:DEVENDER, S/o JAINARAYAN SINGH, UNIT, HQ 1 EME CENTER Residing at H.No. 158. Dahkora (26), Jhajjar, Haryana - 124501, I have changed my name from JAIVANTI to JAIVANTI DEVI, That my date of birth is 25 January, 1981. Affidavit Singed By advocate and Notary G.SHOBHA MA, LLB

सीएम योगी फिर बने भाजपा के सक्रिय सदस्य

मुख्यमंत्री ने किया सदस्यता का नवीनीकरण

लखनऊ, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता का नवीनीकरण करते हुए सक्रिय सदस्य के रूप में फिर से स्वयं को पार्टी के प्रति समर्पित किया है। सीएम योगी ने यह नवीनीकरण भाजपा के 'सक्रिय सदस्यता अभियान' के तहत किया है, जिसे पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से प्रेरित होकर आरंभ किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अभियान में शामिल होकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा कि वे विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल के सदस्य के रूप में गर्व महसूस कर रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर अपने सभी समर्थकों और कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए इस महत्वपूर्ण अभियान से जुड़ें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह अभियान न केवल पार्टी को मजबूत करेगा बल्कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प को साकार करने में भी सहायक होगा। इस अभियान का उद्देश्य भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों की संख्या को और भी व्यापक बनाना और पार्टी के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाना है। भाजपा, जो राष्ट्रवाद और विकास को अपने मुख्य आधार के रूप में मानती है, इस अभियान के माध्यम से अपनी वैचारिक शक्ति को और बढ़ाने की दिशा में अग्रसर है।

इस सदस्यता अभियान के तहत देश भर में लाखों कार्यकर्ता और समर्थक भाजपा से जुड़ने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। योगी आदित्यनाथ के इस कदम से पार्टी को और भी मजबूती मिलेगी और भारतीय राजनीति में भाजपा का वर्चस्व और अधिक सशक्त होगा। उनका आह्वान है कि सभी लोग इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और देश को एक नई दिशा में ले जाने के प्रयासों को मजबूती प्रदान करें।

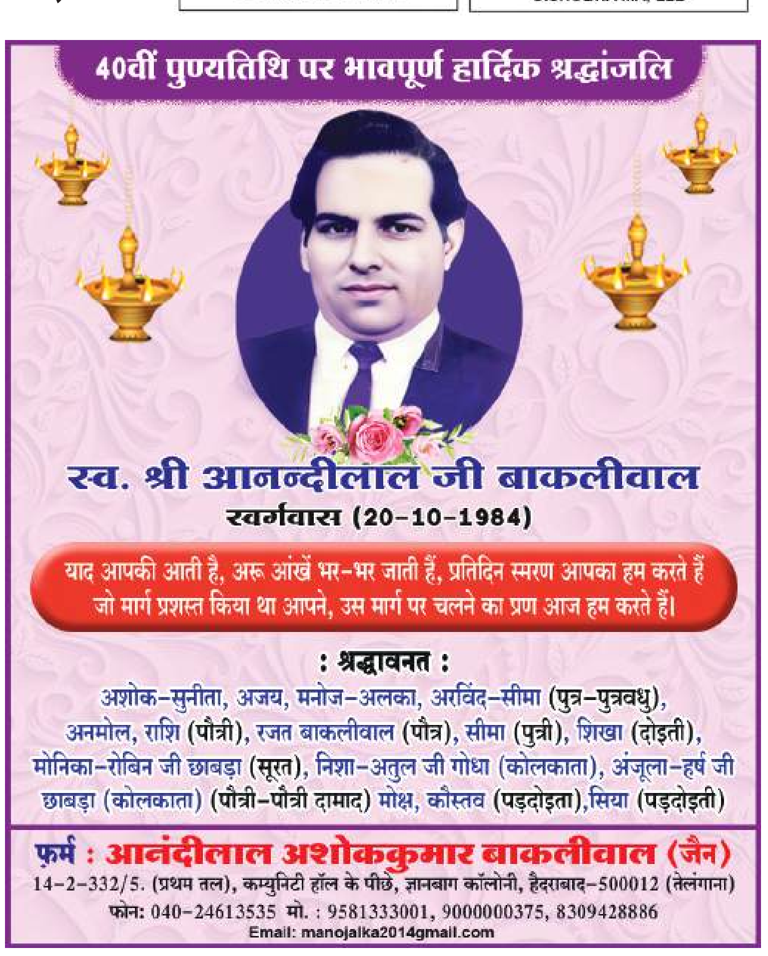

बंडी संजय ने ग्रेड-1 अभ्यर्थियों पर पुलिस कार्रवाई के खिलाफ किया प्रदर्शन

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बेरोजगारों के साथ धरने पर बैठे, की नारेबाजी

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने ग्रुप-1 के उम्मीदवारों पर पुलिस लाठीचार्ज के खिलाफ शनिवार को यहां विरोध प्रदर्शन किया।

उल्लेखनीय है कि ये उम्मीदवार पिछले तीन दिनों से सरकारी आदेश 29 (जीओ 29) निरस्त करने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है की जीओ 29 अनुसूचित जाति एवं जनजाति (एससी-एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (बीसी) आरक्षण में बाधा डालता है। श्री संजय ने कांग्रेस सरकार के सख्त रवैये की कड़ी आलोचना की और सड़क पर बेरोजगार युवाओं के साथ धरने पर बैठ गए।

उन्होंने हज़ारों बेरोज़गार लोग और ग्रुप-1 के उम्मीदवार समर्थन में डाउन डाउन सीएम और जीओ 29 को निरस्त करो जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने ग्रुप-1 की परीक्षाओं को फिर से शेड्यूल करने की भी मांग की और हमें न्याय चाहिए के नारे लगाए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) युवा विंग और महिला विंग के नेता, अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं भी प्रदर्शनकारियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए पहुँचे। पुलिस को बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। अधिक लोगों को शामिल होने से रोकने के लिए छात्रावासों के पास बैरिकेड्स और प्रतिबंधों जैसे सुरक्षा उपायों के बावजूद, हज़ारों लोग अशोक नगर चौराहे पर इकट्ठा होने में कामयाब रहे।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव बढ़ गया। कई बेरोजगारों ने दावा किया कि उन्हें गलत तरीके से हिरासत में लिया गया और पुलिस की बर्बरता का शिकार होना पड़ा। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को याचिकाएं प्रस्तुत कीं, जिसमें उन्होंने जीओ 29 के निरस्त होने तक उनका समर्थन जारी रखने की अपील की। उन्होंने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की सरकार और मौजूदा कांग्रेस प्रशासन द्वारा किए गए अन्याय के बारे में अपनी निराशा व्यक्त की। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने श्री संजय को क्षेत्र छोड़ने के अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि जब तक समूह-1 के उम्मीदवारों के लिए न्याय नहीं मिल जाता, तब तक वे नहीं हटेंगे। विरोध प्रदर्शन तनावपूर्ण माहौल में जारी रहा, जिसमें केन्द्रीय मंत्री हज़ारों बेरोजगार व्यक्तियों के साथ सड़क पर बैठे रहे।

गरीबों को उनका हक मिलने तक लड़ेगी भाजपा: किशन रेड्डी

वंचितों के घरों को ध्वस्त करने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने शनिवार को कहा कि जब तक गरीबों को उनका वाजिब हक नहीं मिल जाता, तब तक भाजपा राज्य सरकार के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी।

श्री रेड्डी ने आज लंगर हाउस डिवीजन के रामदेवगुडा में मूसी नदी जलग्रहण क्षेत्र का दौरा करने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान मूसी नदी के सौंदर्यीकरण के बहाने गरीब निवासियों के घरों को ध्वस्त करने की योजना के लिए श्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने सरकार के फैसले की निंदा करते हुए कहा कि मूसी जलग्रहण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब परिवार पहले से ही पिछली सरकारों की खराब योजना और नीतियों के कारण वर्षों से पीड़ित हैं।

उन्होंने कहा कि सौंदर्यीकरण से पहले राज्य को गरीबों के घरों की सुरक्षा के लिए मूसी की दोनों ओर एक रिटेनिंग वॉल बनानी चाहिए। भाजपा सौंदर्यीकरण के नाम पर वंचितों के घरों को ध्वस्त करने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ऐसे कार्यों से प्रभावित लोगों के साथ खड़ी रहेगी। श्री रेड्डी ने झुग्गी-झोपड़ियों में आधुनिक जल निकासी व्यवस्था, सड़क निर्माण और आधार तथा राशन कार्ड की सुविधा सहित आवश्यक

बुनियादी ढाँचा प्रदान करके गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि प्रभावित निवासियों ने कभी नए घरों का अनुरोध नहीं किया था, लेकिन अब उन्हें अनुचित तरीके से ध्वस्तीकरण का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, गरीब लोगों के वर्षों की कड़ी मेहनत से बनाए गए घरों को ध्वस्त करना अन्यायपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इन घरों को नष्ट करने के लिए बुलडोजर का उपयोग करना अस्वीकार्य है। श्री रेड्डी ने मूसी के प्रदूषण में योगदान देने वाले जल निकासी मुद्दों को संबोधित करने की उपेक्षा करने के लिए कांग्रेस सरकार की भी आलोचना की। उन्होंने तर्क दिया कि जल निकासी की समस्या को हल किए बिना और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए वैकल्पिक प्रणाली को लागू किए बिना नदी का सौंदर्यीकरण व्यर्थ होगा। उन्होंने कहा, यदि जल निकासी को डायवर्ट नहीं किया गया, तो सौंदर्यीकरण पर खर्च किए गए लाखों करोड़ रुपए बर्बाद हो जाएंगे। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह किसी भी सौंदर्यीकरण योजना को आगे बढ़ाने से पहले रिटेनिंग वॉल बनाने, पाइपलाइनों को अपग्रेड करने और वैकल्पिक जल निकासी प्रणाली स्थापित करने को प्राथमिकता दे।

भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) जैसे पिछले नेताओं की गलतियों को दोहराने का भी आरोप लगाया, जिन्होंने मूसी नदी को सुधारने के बारे में बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन उन्हें पूरा करने में विफल रहे। श्री रेड्डी ने कहा कि भाजपा प्रभावित लोगों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी और गरीबों के घरों को ध्वस्त करने के किसी भी प्रयास का विरोध करेगी। उन्होंने कहा, गरीबों के घरों को ध्वस्त करने से पहले उन्हें हमारे पास बुलडोजर लाने दें। श्री रेड्डी ने लोगों से एकजुट होने और आगे की लड़ाई के लिए तैयार होने का आह्वान किया और वंचितों के अधिकारों की रक्षा के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता दोहराई।

तेलंगाना में पहले चरण में 4000 घरों के निर्माण की मंजूरी

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के राजस्व और आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने घोषणा की कि इस महीने के अंत तक राज्य के प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए पहले चरण में 3,500 से 4,000 घरों के निर्माण की मंजूरी दी जाएगी।

श्री रेड्डी ने यहां जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह अगले चार वर्षों में सभी पात्र गरीब परिवारों को इंदिराम्मा घर उपलब्ध कराने के राज्य के व्यापक लक्ष्य का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के लाभार्थियों को दो कमरे वाले घर सौंपे गए हैं। उन्होंने जाति, पंथ, क्षेत्र या पार्टी संबद्धता के आधार पर किसी भी भेदभाव के बिना अगले चार वर्षों के भीतर 20 लाख घर बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

उन्होंने सभी पात्र नागरिकों के लिए घर उपलब्ध कराने की सरकार की महत्वाकांक्षा पर प्रकाश डाला और कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रही है कि हर योग्य परिवार इस आवास पहल से लाभान्वित हो। उन्होंने बताया कि हाल ही में हैदराबाद का दौरा करने वाले केंद्रीय आवास संयुक्त सचिव से बड़े पैमाने पर आवास के लिए केंद्रीय निधियों में से राज्य का हिस्सा आवंटित करने का अनुरोध किया गया था। आवास मंत्री ने पिछली सरकार पर गरीबों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया तथा उनकी नीतियों की तुलना एक ऐसे ढांचे से की जो ऊपर से सपाट और अंदर से खोखली है। उन्होंने मौजूदा प्रशासन के सामने आने वाली वित्तीय कठिनाइयों को स्वीकार किया, लेकिन उन्होंने सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों में बाधा डालने के लिए विपक्ष, विशेष रूप से बीआरएस की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस पार्टी मूसी नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में लोगों की जीवन स्थितियों में सुधार के लिए सरकार के प्रयासों के बारे में झूठा प्रचार कर रही है। उन्होंने सवाल किया कि क्या विपक्ष चाहता है कि ये समुदाय घटिया परिस्थितियों में रहना जारी रखें। उन्होंने जोर दिया कि उनकी सरकार केवल सौंदर्यीकरण परियोजनाओं पर ही नहीं, बल्कि आजीविका में सुधार पर केंद्रित है।

परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने विपक्ष के लगातार हमलों की आलोचना की और उन पर सरकार की पहल को पटरी से उतारने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब तेलंगाना का गठन हुआ था, तो तत्कालीन सरकार को सात लाख करोड़ रुपए का कर्ज और 40,000 करोड़ रुपए का बकाया बिल विरासत में मिला था। इन चुनौतियों के बावजूद सरकार प्रगति की ओर अग्रसर है तथा राज्य की समस्याओं का समाधान के साथ ही लोगों के कल्याण को प्राथमिकता दे रही है।

तेलंगाना कैबिनेट की बैठक 26 अक्टूबर को पुनर्निर्धारित

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना कैबिनेट की बैठक, जो पहले 23 अक्टूबर को होने वाली थी, अब 26 अक्टूबर को निर्धारित की गई है।बैठक डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सचिवालय चार बजे होगी। शनिवार को जारी एक सरकारी आदेश में मुख्य सचिव शांति कुमारी ने मंत्रिपरिषद की बैठक के कार्यक्रम में बदलाव की पुष्टि की।

ग्रुप-1 उम्मीदवारों के आंदोलन से निपटने का तरीका अपमानजनक : केटीआर

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री केटीआर ने कहा कि कांग्रेस सरकार पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) द्वारा शुरू किए गए 95 प्रतिशत स्थानीय आरक्षण को कमजोर कर रही है। केटीआर ने शनिवार को एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान समूह- 1 के उम्मीदवारों द्वारा चल रहे आंदोलन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, यह निराशाजनक है कि तेलुगु अकादमी की पुस्तकों में मानकों का अभाव है जबकि विकिपीडिया को अधिक विश्वसनीय माना जाता है।

उन्होंने पिछले चार दिनों से प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारी उम्मीदवारों के साथ सरकार के व्यवहार को दयनीय और दर्दनाक बताया। केटीआर ने इस बात पर जोर दिया कि इनमें से कई उम्मीदवारों के भविष्य में शीर्ष अधिकारी बनने की संभावना है, फिर भी उनके साथ खराब व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, यह अपमानजनक है कि उम्मीदवारों को सरकार की जिद के बारे में स्पष्टीकरण के लिए भी नहीं बुलाया गया। केटीआर ने राहुल गांधी और ए रेवंत रेड्डी का जिक्र किया, जिन्होंने चुनाव से पहले प्रति वर्ष 200,000 नौकरियां पैदा करने का वादा करके प्रचार किया था, जिसमें कहा गया था कि तेलंगाना के युवा इन प्रतिबद्धताओं पर अमल की कमी से निराश हैं। उन्होंने रेवंत रेड्डी से उम्मीदवारों के साथ जुड़ने का आग्रह करते हुए कहा, अगर अधिकारी महत्वाकांक्षी युवाओं के साथ इस तरह से व्यवहार करते हैं, तो यह इस पर खराब प्रभाव डालता है कि वे बाकी आबादी को कैसे संभालते हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को मामले की सुनवाई होने वाली है, केटीआर ने उल्लेख किया कि उनके नेता छात्रों के साथ उनकी याचिका पेश करेंगे।

केटीआर ने जोर देते हुए कहा कि सरकार को बिना हठधर्मिता के अभ्यर्थियों से वार्ता करनी चाहिए। वे उचित स्पष्टीकरण के पात्र हैं। उन्होंने अभ्यर्थियों की मांग जारी रहने पर परीक्षा स्थगित

करने का आह्वान करते हुए कहा, मध्य प्रदेश में यदि इसी तरह के मुद्दे सामने आते हैं, तो अदालत के फैसलों के आधार पर परीक्षाओं को पुनर्निर्धारित किया जाता है। केटीआर ने नेताओं आरएस प्रवीण, श्रीनिवास गौड़, दासोजू श्रवण और विधायक मुथा गोपाल की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए सवाल किया, रेवंत रेड्डी सार्वजनिक व्यवस्था की आड़ में अत्याचारी प्रतिबंध क्यों लगाते हैं? बातचीत में डर क्यों है? हमारे नेताओं को चुप कराने के लिए गिरफ्तारी का सहारा क्यों लिया जाए? उन्होंने बंडी संजय की संलिप्तता की आलोचना करते हुए कहा कि वह राजनीतिक नाटक में महज एक मोहरा हैं। केटीआर ने सरकार से विरोध करने वाले उम्मीदवारों के साथ बातचीत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार को बातचीत में विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए। तर्कसंगत चर्चा के लिए विरोध करने वाले अभ्यर्थियों का सचिवालय में स्वागत किया जाना चाहिए।

पंचमुखेश्वर शिवलिंग का स्थापना समारोह आज

मदनूर, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री सद्गुरु बडय्या अप्पा स्वामी मठ संस्थान देगलूर में 20 अक्टूबर रविवार को श्री पंचमुकेश्वर शिवलिंग, नंदी, गणपति, पार्वती प्राण स्थापना समारोह का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप श्री उज्जैन जगद्गुरु एवं श्रीशैल जगद्गुरु, उपस्थित रहनेवाले हैं। मठाधीश एस.ब्र. 108 सद्गुरु सोमलिंग शिवाचार्य महास्वामीजी बिचकुंडा एवं देगलूर मठाधीश ने जानकारी दी।

देगलूर से सदगुरु बंदयप्पा स्वामी मठ श्री पंचमुकेश्वर शिवलिंग, नंदी, गणपति और पार्वती की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम श्री. श्री। श्री। 1008 जगद्गुरु सिद्धलिंग राजधानी केन्द्र शिवाचार्य महास्वामीजी उज्जैन एवं श्री 1008 जगद्गुरु डॉ. चेन्नसिधरम पंडितराध्य शिवाचार्य महास्वामीजी श्रीशैल की दिव्य उपस्थिति रहेगी। रविवार को शाम 4 बजे पालकी शोभायात्रा प्रस्थान करेगी। इस के साथ सात इसी दिन शाम 5 बजे धर्मसभा का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में कई शिवाचार्यों की प्रमुख उपस्थिति रहेगी। साथ ही इस प्रोग्राम को पूर्व मुख्यमंत्री अशोकराव चव्हाण, डॉ. अजीत गोपछडे, सांसद सुरेश शेटकार, शिवाजी कालगे, खा. सागर खांडे, भास्करराव पाटिल खतगांवकर, पूर्व सांसद बीबी पाटिल, पूर्व सांसद प्रताप पाटिल चिखलीकर, प्रो. मनोहर धोंडेगे, राजेश पवार, तुषार राठौड़ एवं अन्य उपस्थित रहेंगे। अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं से इस कार्यक्रम में पधारने का अनुरोध है।

DAILY शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे
हिंदी दैनिक समाचार पत्र
में
दुःखद समाचार जैसे
स्वर्गवास, उठावना, पगड़ी रस्म, श्रद्धांजलि, पुण्यतिथि का विज्ञापन
अब मात्र रु.500/- में
साईज : 12 x10 cm
विज्ञापन एवं अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
77991 44471, 8688868345

भाजपा देश को सांप्रदायिक आधार पर बांटने की कोशिश कर रही : उत्तम कुमार

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने नागरिकों को भाजपा की विभाजनकारी राजनीति के बारे में चेतावनी दी है और उस पर हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है।

शनिवार को ऐतिहासिक चारमीनार में राजीव गांधी सद्भावना यात्रा की 34वीं वर्षगांठ पर बोलते हुए उन्होंने राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने में उनके बलिदान के लिए गांधी परिवार को श्रेय दिया। उन्होंने कहा, जहां भाजपा लगातार देश को सांप्रदायिक आधार पर बांटने की कोशिश करती है, वहीं गांधी परिवार ने शांति, एकता और भाईचारे को बढ़ावा देकर इन प्रयासों का मुकाबला किया है। उत्तम ने याद दिलाया कि वह राजीव गांधी ही थे जिन्होंने 34 साल पहले भाजपा के सांप्रदायिक एजेंडे का मुकाबला करने के लिए सद्भावना यात्रा शुरू की थी। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य देश को एकीकृत करना है।

उन्होंने देश की एकता के लिए इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के बलिदान पर प्रकाश डालते हुए नेहरू-गांधी परिवार के योगदान की सराहना की। उन्होंने यूपीए शासन के दौरान प्रधान मंत्री बनने का अवसर छोड़ने के सोनिया गांधी के निस्वार्थ निर्णय का उल्लेख किया और आंध्र प्रदेश में कांग्रेस की सत्ता के संभावित नुकसान के बावजूद, तेलंगाना के गठन के दौरान उनके महत्वपूर्ण राजनीतिक बलिदान को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा देश को सांप्रदायिक आधार पर विभाजित करने का प्रयास कर रही है। हमें उन पार्टियों के खिलाफ सतर्क रहना चाहिए जो हमें धार्मिक आधार पर विभाजित करना चाहते हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं से एकता और सांप्रदायिक सद्भाव के मिशन पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया, जिसे राजीव गांधी द्वारा शुरू की गई सद्भावना यात्रा ने जीवित रखा है। राजीव गांधी सद्भावना पुरस्कार से सम्मानित पूर्व मंत्री डॉ. जे गीता रेड्डी की उत्तम कुमार रेड्डी ने भी सराहना की। उन्होंने राजीव गांधी के आह्वान पर सऊदी अरब में अपना आकर्षक मेडिकल करियर छोड़कर राजनीति में प्रवेश करने के उनके फैसले का स्वागत किया। डॉ. गीता रेड्डी चार बार विधायक चुनी गई हैं और उनके पास महत्वपूर्ण मंत्री पद हैं, हालांकि उन्होंने स्वास्थ्य समस्याओं के कारण हाल का चुनाव नहीं लड़ा। उन्होंने दशकों से गांधीवादी मूल्यों और सार्वजनिक सेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.